YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-244 ❐ सोमवार, 05 अक्टूबर 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12



कैप्टन स्मित ने विमान में अदम्य साहस का परिचय देकर कई लोगों की जान बचाई, लेकिन गांधी परिवार की ओर से उनके लिए अब तक एक भी शब्द, पोस्ट या प्रेस वक्तव्य सामने नहीं आया है। ऐसे में गांधी परिवार की चुप्पी सवाल खड़े करती है। **सुधांशु त्रिवेदी**

तीन महिला पत्रकारों से अभद्रता मामले की जांच क्राइम ब्रांच के हवाले 11

दिल्ली की रामलीला प्रभु श्रीराम के संस्कारों की जीवंत परंपरा : रेखा गुप्ता 12

संक्षेप

शेख हसीना का भारत आना अप्रत्याशित घटना थी : त्रिवेदी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने कहा है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का दो साल पहले नई दिल्ली आना अप्रत्याशित था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी उड़ान की व्यवस्था में भारतीय सेना की कोई भूमिका नहीं थी। त्रिवेदी ढाका में 'बे ऑफ बंगाल कन्वर्सेशन' को संबोधित कर रहे थे। हसीना की कानूनी स्थिति और उनके प्रत्यर्पण की चर्चाओं से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में उस दौरान बने दुखद हालात की वजह से हसीना भारत गईं। इस अचानक हुए घटनाक्रम से भारतीय अधिकारी भी हैरान थे।' उन्होंने कहा कि उनका सैन्य विमान अचानक भारत आया, जिसके लिए भारत तैयार नहीं था। मगर उस वक्त हसीना बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं, तो भारत के पास शायद ही उनको लैंडिंग की अनुमति देने के अलावा कोई और विकल्प था।त्रिवेदी ने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया जाता तो हालात पूरी तरह बदल सकते थे। एक पड़ोसी के तौर पर ऐसा करना हमारा कर्तव्य था। उन्होंने कहा कि दोनों देश जीवंत लोकतंत्र हैं और दोनों की कानूनी प्रणालियां आपसी प्रक्रियाओं से जुड़े मामलों की सक्रिय रूप से जांच कर रही हैं।

एटीएस की पांच और संदिग्धों से पूछताछ जारी

लखनऊ। पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के इशारे पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल कट्टरपंथी संदिग्ध युवकों तक पहुंचने के लिए एटीएस की छानबीन रविवार को भी जारी रही। लखनऊ, मेरठ, सहारनपुर, श्रावस्ती, पीलीभीत, अलीगढ़ समेत लगभग एक दर्जन जिलों में एटीएस ने दो दिनों में 35 युवकों से पूछताछ की। इनमें नौ संदिग्ध युवकों से रविवार को पूछताछ की गई, जिनमें चार संदिग्धों से देर रात तक सवाल-जवाब का सिलसिला जारी रहा। एटीएस ने अभी किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। एटीएस आईएसआई के कहने पर यूपी व अन्य राज्यों में सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न ग्रुपों से जोड़े जा रहे कट्टरपंथी युवकों के मॉड्यूल को लेकर फरवरी से गहन छानबीन कर रही है। एटीएस व पुलिस ने छह माह में 12 मुकदमे दर्ज कर अब तक 52 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से पिस्टल, कारतूस, चाकू, ज्वलनशील लिक्विड, आपत्तिजनक पोस्टर, इलेक्ट्रानिक उपकरण व अन्य सामग्री बरामद की गई थीं। आरोपितों से पूछताछ व उनके मोबाइल से मिले साक्ष्यों के आधार पर उनके अधिक संपर्क में रहे संदिग्ध युवकों को लेकर छानबीन जारी है। इस कड़ी में अब तक 100 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की जा चुकी है। अभियान के तहत कई जिलों में अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ की जा रही है। उनके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों की भी जांच की जा रही है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफर्मा के माध्यम से कट्टरपंथी व अन्य भ्रमित युवकों को अलग-अलग छोटे ग्रुपों से जोड़कर पहले आगजनी, धमकी देना, जिहादी पोस्टर चिपकाना, पेट्रोल बम फेंकना जैसी छोटी घटनाएं करने के टास्क सौंपे जाते हैं।

जातीय खेमों में लड़ता भारत नहीं, हमें 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' चाहिए : योगी

मुख्यमंत्री ने अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में आयोजित प्रांतीय शिक्षक गरिमा कार्यशाला को किया संबोधित

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गायत्री परिवार की प्रतियोगिता में 11 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं जुड़े। आज का युवा ही भारत का भाग्य विधाता बनने वाला है। हम बिखरा-बंटा, जातीय खेमों में लड़ता भारत नहीं चाहते। ऐसा सोचने वाले पूर्वजों के प्रति श्रद्धा नहीं रखते हैं। हम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' चाहते हैं, प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी हम सबको ऐसे भारत के लिए कार्य करने के लिए कहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में अखिल विश्व गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित प्रांतीय शिक्षक गरिमा कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मां गायत्री, पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य व माता भगवती देवी के चित्रों के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीएम ने स्मारिका का विमोचन और भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्तर प्रदेश के शीर्ष-10 विद्यालयों को पुरस्कृत भी किया।

सीएम ने कहा कि गायत्री परिवार के पास ड़ॉ. प्रणव पंड्या का मार्गदर्शन और डॉ. चिन्मय पंडया जैसे दूरदर्शी नायक हैं। इसलिए परिवार को अगले 100 वर्ष के लिए लक्ष्य तय करना है। गायत्री परिवार को तनावग्रस्त, संघर्ष में उलझी, अस्तित्व के



- युवा ही बनेगा भारत का भाग्य विधाता, समाज को बांटने वाले तत्व आज भी सक्रिय
- 1923 में गीताप्रेस, 1925 में आरएसएस व 1926 में अखिल विश्व गायत्री परिवार की स्थापना, तीनों का लक्ष्य एक: सीएम

जूझती मानवता के जीवन में नया उजाला लाना है। जब देश पराधीन था और व्यक्ति हताश-निराश था, लोगों को लगता था कि गुलामी नियति बन चुकी है। तब ब्रजभूमि आगरा में जन्म लेकर भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्यों व परंपरा के प्रति अगाध निष्ठा रखने वाले एक ऋषि का प्रादुर्भाव होता है। पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने मथुरा में प्रारंभिक साधना को बढ़ाते हुए हरिद्वार में जिस गायत्री परिवार की स्थापना की, उसने यज्ञों के माध्यम से सर्वसमाज को एक वेदी पर बैठाकर सामाजिक एकता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1923 में गोरखपुर में गीताप्रेस, 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व 1926 में अखिल विश्व गायत्री परिवार की स्थापना हुई। तीनों के रास्ते, स्थान भले अलग हैं, लेकिन लक्ष्य एक है। तीनों संगठनों ने समाज की सुप्त चेतना को जागृत किया और उन्हें सनातन मूल्यों के साथ जोड़ा। भारत-भारतीयता का अहसास करके युवाओं को देश की आजादी के लिए कार्य करने को प्रेरित किया। सीएम ने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा स्वाधीनता संग्राम सेनानी के रूप में आजादी के आंदोलन से जुड़े रहे। आजादी के आंदोलन से जुड़े अनेक ऋषियों ने इसमें सक्रिय योगदान दिया, लेकिन उन्हें लगा कि सफलता के लिए भौतिक ताकत के साथ आध्यात्मिक शक्ति की भी आवश्यकता है, तो साधना के माध्यम से उसे आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि विश्वामित्र द्वारा रचित सृष्टि का पहला मंत्र 'गायत्री मंत्र' परमपिता के तेज से जोड़ने का आह्वान करता है। जिसने भी इसकी शक्ति को अंगीकार किया, उसका कल्याण हो गया। पं. श्रीराम शर्मा जी इस संगठन को अपना नाम दे सकते थे, लेकिन उनका मानना था कि व्यक्ति से बड़ा परिवार होता है। इसलिए इसे गायत्री परिवार नाम दिया। व्यक्ति के नाम पर चलने वाला संगठन कुछ वर्षों के बाद धराशायी हो ● शेष पेज 11 पर

समाज की चेतना व युगनिर्माता हैं शिक्षक

सीएम ने शिक्षकों को समाज की चेतना और युगनिर्माता बताया। कहा कि जब शिक्षक जागृत होता है और ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करता है तो भारत को विश्वगुरु बनने में देर नहीं लगती। जब दुनिया अज्ञानता के अंधकार में थी, तब भारत में श्रेष्ठ आचार्यों की परंपरा ने तक्षशिला व नालंदा जैसे श्रेष्ठ विश्वविद्यालय दिए। गुरुकुल व ऋषि परंपरा का नाम लेकर सीएम ने महर्षि वशिष्ठ-श्रीराम, महर्षि सांदिपनी-श्रीकृष्ण, चाणक्य-चंद्रगुप्त का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस परंपरा को फिर से जीवित करने की आवश्यकता है।

मेरे अंदर एक आखिरी कोशिश की ताकत बची थी : कैप्टन मच्छार

एजेंसी

दुबई। इजरायल जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान को कथित तौर पर दुर्घटनाग्रस्त करने की अपने सह-पायलट की कोशिश को नाकाम करने वाले कैप्टन स्मित मच्छार ने कहा कि वह बिना संघर्ष किए हार नहीं मानना चाहते थे। उन्होंने कॉकपिट के अंदर से दरवाजा खोलने के लिए पूरी जान लगा दी, जिसके बाद बाहर मौजूद लोगों ने अंदर पहुंचकर स्थिति को संभाल लिया। मच्छार ने शनिवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत के दौरान कॉकपिट में हुए हमले की आपबीती सुनाई।

नेतन्याहू ने कैप्टन मच्छार से पूछा कि यह सब कैसे शुरू हुआ। इस पर मच्छार ने कॉकपिट के उन भयावह पलों के बारे में कई नई जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि हमले से पहले सह-पायलट ने प्रार्थना करने की इच्छा जताई थी। जब वह प्रार्थना कर रहा था तब मैं सामने की ओर देख रहा था और पीछे की तरफ मेरा ध्यान नहीं था। करीब चार-पांच मिनट बाद अचानक मेरे सिर के पीछे जोरदार प्रहार हुआ। उन्होंने कहा कि पहले तो मुझे लगा कि विमान को कुछ भारी नुकसान हुआ है और कुछ गंभीर गड़बड़ी है, लेकिन एक के बाद एक प्रहार होते रहे। तब मुझे समझ आया कि विमान में कोई खराबी नहीं है, बल्कि कॉकपिट में मेरे साथ मौजूद दूसरे व्यक्ति ने मुझ पर हमला किया है। इस नेतन्याहू ने उनके अदम्य साहस की सराहना करते हुए कहा कि मैं आपके साहस और इतनी कठिन परिस्थितियों में संयम बनाए रखने की आपकी क्षमता से हैरान हूं। ● शेष पेज 11 पर



- इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा, आप पूरी दुनिया के नायक हो
- इजरायल का हर नागरिक आपका सम्मान करेगा

विमान को बचाने वाले पायलटों की पहचान अब भी गुप्त

येरुशलम। फ्लाईदुबई के विमान में सवार 182 लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाने वाले दो पायलटों की पहचान अब तक सार्वजनिक की गई है। इजरायल जा रहे इस विमान में सह-पायलट ने कैप्टन मच्छार पर हमला कर दिया था, जिसके बाद विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। तब दोनों पायलटों ने कॉकपिट में पहुंचकर नियंत्रण संभाला और विमान को हादसे से बचा लिया।

घटना के तीन दिन बाद शनिवार तक भी इन दोनों पायलटों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए थे। फ्लाईदुबई ने उन्हें केवल विमान में यात्रा कर रहे ड्यूटी पर तैनात चालक दल के सदस्य बताया है। हालांकि, एयरलाइन ने उनकी पहचान के बारे में अधिक जानकारी क्यों नहीं दी, यह स्पष्ट नहीं है। विमान में आगे की ओर दूसरी पंक्ति में बैठे यात्री डेनियल शिलख्टर ने घटना का विस्तृत ब्योरा दिया। उन्होंने दोनों पायलटों की भूमिका को चमत्कार बताते हुए कहा कि विमान में अतिरिक्त ● शेष पेज 11 पर

पॉक्सो मामले में हर आरोप अंतिम सत्य नहीं : कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज होने वाले मामलों और आरोपी के खिलाफ 'दोषी होने की कानूनी धारणा' को लेकर हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि पॉक्सो कानून में कड़े प्रावधान होने का अर्थ यह नहीं है कि अभियोजन पक्ष द्वारा लगाए गए हर आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए। हाईकोर्ट ने जोर देकर कहा कि अदालतों का यह प्राथमिक और मौलिक कर्तव्य है कि वे सबूतों और गवाहों का निष्पक्ष विश्लेषण करें। इसी टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने बुराड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपी सूरज कुमार को सुनाई गई 20 साल की कठोर कारावास की सजा और साढ़े 10 लाख रुपये के मुआवजे के आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही उसे तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है? मामला वर्ष 2022 का है।



युवक पर 10 वर्षीय लड़की को अपने कमरे में ले जाकर दुष्कर्म करने का आरोप था। ट्रायल कोर्ट ने नवंबर 2025 में उसे दोषी ठहराते हुए पॉक्सो कानून की धारा छह समेत विभिन्न धाराओं में 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आरोपी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। फैसले में अदालत ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि पीड़िता ने सीआरपीसी की धारा 164 के बयान में कहा था कि आरोपी दीवार फांदकर आया, गेट का ताला खोला और उसे अपने कमरे में ले गया, लेकिन ट्रायल के दौरान दी गई मुख्य गवाही में यह महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया। अदालत ने यह भी नोट किया कि जिरह में पीड़िता ने स्वीकार किया था कि पुलिस आने से पहले उसकी मां ● शेष पेज 11 पर

भाजपा ने राज्यसभा उम्मीदवारों का किया ऐलान

- उत्तराखंड से दिनेश आर्य, पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक को उम्मीदवार बनाया

नई दिल्ली। भाजपा ने रविवार को राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। पार्टी ने पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक और उत्तराखंड से दिनेश आर्य को प्रत्याशी बनाया है। पार्टी ने कहा, उम्मीदवारों के नामों को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने मंजूरी दी है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की राज्यसभा की 12 सीटों के लिए 16 अक्तूबर को मतदान होगा। इन चुनावों में उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की एक सीट शामिल है, जहां मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव होगा। उत्तराखंड में भाजपा सदस्य नरेश बंसल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।वहं, पश्चिम बंगाल में उपचुनाव रुक्मिणी मल्लिक के 16 जुलाई को इस्तीफा देने के कारण जरूरी हो गया था। रुक्मिणी मल्लिक हाल ही में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई हैं।

एशियन गेम्स 2026 का समापन कतर को सौंपी गई मेजबानी

एजेंसी

आइची नागोया। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो चुका है। नागोया में हो रहे इस समारोह के साथ 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंचीं। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहराती दिखीं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई।

नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं। ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे।। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू ढांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। शुरुआत में ज्यादा एथलीट नजर नहीं आ रहे थे और ज्यादातर सपोर्ट ● शेष पेज 11 पर



21 स्वर्ण और 85 पदक के साथ चौथे स्थान पर भारत

भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलयेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई, जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27 रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाते में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

बंगाल में छह महीने में लागू होगा यूसीसी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि राज्य में उत्तराखंड और गुजरात की तर्ज पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। इसके साथ ही सरकार 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ भी कानून बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कानूनों को अगले छह महीने में लाने की तैयारी है।

मुख्यमंत्री ने कोलकाता में आयोजित विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार भारतीय संस्कृति पर किसी भी तरह का हमला नहीं होने देगी और पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक धार्मिक पर्यटन सर्किट भी विकसित किया जाएगा। इसे अगले दो वर्षों में करीब 1,000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जाएगा।



- सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी : शुभेंदु अधिकारी
- 'लव और लैंड जिहाद' के खिलाफ लाएंगे कानून

इस दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य राज्य में धार्मिक स्थलों और उनसे जुड़े पर्यटन को विकसित करना है, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भारतीय संस्कृति, ● शेष पेज 11 पर

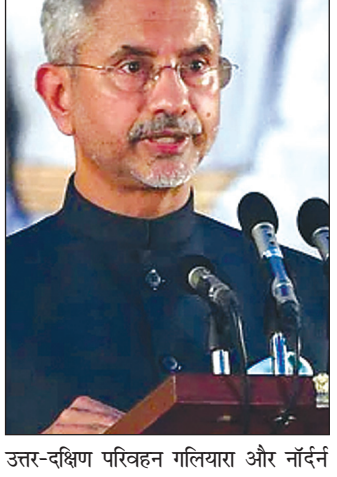
अमेरिका-चीन की होड़ से नए वैश्विक समीकरणों का उदय

जयशंकर बोले- बहुध्रुवीयता बढ़ी, भारत समेत मध्यम शक्तियां अपने हितों के लिए गढ़ रहीं सहयोग के नए रास्ते

एजेंसी

म्यूनिख। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को वैश्विक भू-राजनीति के बदलते समीकरणों पर बात की। एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका का बदला हुआ रुख और चीन का उभार आज के अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के दो मुख्य स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा अब केवल अमेरिका और चीन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने विभिन्न देशों के पास मौजूद प्रभाव और साधनों के इस्तेमाल को भी एक नए रूप में ला दिया है।

म्यूनिख लीडर्स मीटिंग में बोलते हुए जयशंकर ने अमेरिका के ''बड़े बदलाव वाले रुख'' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह उसकी अपनी पसंद का रुख है और एक तरह से अमेरिका ''जानबूझकर खुद को अधिक अकेली शक्ति बना चुका है। जयशंकर ने कहा, ''आज के परिदृश्य की पहली प्रमुख विशेषता अमेरिका का अपने रुख में बड़ा बदलाव है। यह बदलाव उसकी पसंद का है और एक तरह से उसने जानबूझकर खुद को अधिक अकेली शक्ति बनाया है।'' उन्होंने कहा कि दूसरी प्रमुख विशेषता चीन का उभार है। जयशंकर के अनुसार, चीन खुद को एक विशिष्ट देश के रूप में देखता है और वैश्विक स्तर पर दोनों के बीच काफी तीखी प्रतिस्पर्धा है। विदेश मंत्री ने कहा कि यह प्रतिस्पर्धा केवल अमेरिका और चीन तक सीमित नहीं है। उनके अनुसार, इसने ''किसी भी देश के पास मौजूद किसी भी प्रभाव या साधन के इस्तेमाल को एक हथियार के रूप में बदल दिया है।'' उन्होंने कहा कि यह प्रतिस्पर्धा आपसी निर्भरता की जटिलता के साथ-साथ चल रही है। जयशंकर ने कहा कि उभरती और मध्यम शक्तियों के बीच जहां उनके हितों का सीधा टकराव नहीं है, वहां वे आपसी सहयोग को मजबूत करने में रुचि रखती हैं। उन्होंने कहा कि इन देशों का अमेरिका और चीन के साथ सहयोग करना भी स्वाभाविक है। उन्होंने इसके उदाहरण के तौर पर क्वाड का जिक्र किया। कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उन्होंने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा, अंतरराष्ट्रीय



उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा और नॉर्दर्न सी रूट का जिक्र किया।

जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स भी इसका एक उदाहरण है, जहां विभिन्न पक्षों को लगता है कि उनकी सामूहिक आवाज अलग-अलग आवाजों की तुलना में अधिक प्रभावी है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन का भी उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा कि इन दोनों पहलों की शुरुआत भारत ने की और वे सफल रही हैं।

उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में कई देश, जरूरी नहीं कि वे प्रमुख शक्तियां हों, अपने हितों के अनुसार एक साथ आ रहे हैं। उनके अनुसार, ऐसे देश काम करने की व्यवस्थाएं बनाते हैं, एजेंडा तैयार करते हैं, संगठन विकसित करते हैं और सहयोग की आदतें विकसित करते हैं। उन्होंने इसे आज की बदलती वैश्विक व्यवस्था का हिस्सा बताया। विदेश मंत्री ने कहा, ''यूरोप दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है। गहरी साझेदारी के लिहाज से इससे बड़ा लाभ हो सकता है। कभी-कभी मुझे लगता है कि यूरोप खुद भी शायद इसके बारे में पर्याप्त रूप से जागरूक नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में यूरोप समग्र रूप से अधिक एकजुट हुआ है और इसलिए वैश्विक मंच पर बहुध्रुवीय व्यवस्था के एक ध्रुव के रूप में उसकी विश्वसनीयता भी बढ़ी है। जयशंकर ने कहा, ''आज यूरोप के पास वास्तव में एक बहुत मजबूत पक्ष है और सच कहूं तो भारत जैसे देश के लिए यूरोप से जुड़ने और उसके साथ अपने संबंधों को विकसित करने का यह बेहद मजबूत आकर्षण है। जयशंकर ने वैश्विक स्तर पर बहुध्रुवीयता के तेजी से उभरने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देशों के लिए ऐसे कई पक्षों के साथ संबंध रखना जरूरी हो गया है, जिनके साथ अपने हितों को हमेशा आसानी से एक जैसा बनाना संभव नहीं होता, लेकिन जिनके साथ संबंध रखना वास्तविकता है। उन्होंने इसे ''जोखिमों को संतुलित करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति'' बताया। जयशंकर ने कहा कि इस स्थिति के बहुपक्षवाद पर पड़ने वाले प्रभावों को भी देखना होगा। उन्होंने कहा कि बहुपक्षवाद पहले से ही दबाव में है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र जैसी प्रमुख बहुपक्षीय संस्था में गतिरोध स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि इस बदलती स्थिति का एक परिणाम छोटे-छोटे समूहों के रूप में भी सामने आ सकता है।

युवाओं की नौकरी में सेंध लगाने वाला जाएगा जेल, प्रॉपर्टी होगी जब्त: सीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- भदोही के नौजवानों की डिग्री पर होगी अब अपने जिले की पहचान, काशी नरेश विश्वविद्यालय की मिलेगी उपाधि: सीएम
- मुख्यमंत्री ने भदोही, औराई और ज्ञानपुर को दी 1,340 करोड़ से अधिक की 112 परियोजनाओं की सौगात, लाभार्थियों को वितरित किए चेक, चाभी और नियुक्ति पत्र



भदोही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को संत रविदास नगर भदोही के युवाओं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए कहा कि अब यहां के नौजवानों की डिग्री पर उनके अपने जिले और अपने विश्वविद्यालय की पहचान होगी। जिले के पीजी कॉलेज को काशी नरेश विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दिए जाने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भदोही के युवाओं की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। जिले के कॉलेजों को विश्वविद्यालय से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ चुकी है। अब यहां के नौजवानों को मिलने वाली डिग्री पर काशी नरेश विश्वविद्यालय, संत रविदास नगर भदोही का नाम होगा। मुख्यमंत्री ने इसे केवल एक विश्वविद्यालय की स्थापना नहीं, बल्कि जिले की अपनी शैक्षणिक पहचान स्थापित होने से जोड़ते हुए कहा कि सरकार इस संस्था में बेहतरीन सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री भदोही, औराई एवं ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्रों में 1,340 करोड़ से अधिक की 112 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, चाभी और नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि आज जो ये पैसा इन तीर्थों के विकास के लिए खर्च हो पा रहा है, विरासत और पूर्वजों की धरोहर का संरक्षण का कार्य और उसका सुंदरीकरण हो रहा है। 2017 के पहले यह पैसा, इन तीर्थों को नहीं मिलता था। यही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल के नाम पर जमीनों को कब्जा करने का माध्यम बन जाता था। डबल इंजन की सरकार ने उस कब्जे की प्रवृत्ति को रोका, विरासत का संरक्षण करते हुए तीर्थों के विकास को और आस्था को सम्मान देने का काम किया। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाया और माफिया मुक्त, कर्फ्यू मुक्त उत्तर प्रदेश बना कर, उपद्रव मुक्त उत्तर प्रदेश बना करके अब उत्सव युक्त उत्तर प्रदेश बनाने का काम किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय की सौगात को भदोही की वर्षों पुरानी आकांक्षा से जोड़ते हुए कहा कि प्रदेश में वर्षों से लंबित परियोजनाओं को उनकी सरकार ने फिर से आगे बढ़ाने का काम किया है। इसी क्रम में भदोही के लोग लंबे समय से अपने जिले में विश्वविद्यालय की मांग कर रहे थे। मिर्ज़ापुर में मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय की स्थापना पहले ही की जा चुकी थी, लेकिन भदोही के जनप्रतिनिधियों ने उनसे मिलकर जिले के लिए अलग विश्वविद्यालय की आवश्यकता बताई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार भदोही आने पर उन्होंने यहां विश्वविद्यालय बनाने का वादा किया था। आज उन्हें यह बताते हुए प्रसन्नता है कि काशी नरेश विश्वविद्यालय के रूप में यहां के पीजी कॉलेज को मान्यता दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब भदोही के युवाओं को मिलने वाली डिग्री उनके अपने जिले के विश्वविद्यालय के नाम से होगी। उन्होंने कहा कि अपने जिले की पहचान अपने विश्वविद्यालय से, अपनी संस्थाओं से होती है। सरकार काशी नरेश विश्वविद्यालय को केवल नाम तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि यहां बेहतरीन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि विश्वविद्यालय के विकास की आगे की रूपरेखा भी तैयार है। उन्होंने कहा कि वह विश्वविद्यालय के लिए अलग से भदोही आएंगे। तब विश्वविद्यालय का विधिवत लोकार्पण होगा, उसके लोगो, कुलगीत और थीम गीत को आगे बढ़ाया जाएगा तथा नए भवन के निर्माण का शिलान्यास भी कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भदोही के लिए उच्च शिक्षा के साथ स्वास्थ्य शिक्षा की दिशा में भी आगे बढ़ने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश की पहचान 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' नहीं, बल्कि 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज' की है। भदोही में काशी नरेश विश्वविद्यालय बन चुका है और आने वाले समय में यहां मेडिकल कॉलेज का कार्य भी आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विकास के सारे काम एक-एक कर पूरे किए जा रहे हैं। विकास के साथ विरासत का सम्मान और गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के गरीब, युवा, महिला, कारीगर और श्रमिक तक पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने भदोही की बदलती पहचान को उसके विश्व प्रसिद्ध कालीन उद्योग से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि संत रविदास नगर भदोही पहले से कालीन उद्योग के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन अब तेजी से हो रहे विकास के साथ यह नई पहचान लेकर आगे बढ़ रहा है। इंडिया कारपेट एक्सपो के गोल्डन जुबली आयोजन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें करीब 250 एग्जीबिटर्स और 450 विदेशी खरीदार आए हैं। इनमें 106 खरीदार ब्रिक्स देशों से हैं और कुल 65 देशों से आए खरीदार भदोही के कारीगरों के हुनर को वैश्विक पहचान दे रहे हैं। सरकार कारीगरों को टेक्नोलॉजी, ट्रेड और एक्सपोर्ट की सुविधा देने के साथ कारपेट एक्सपो जैसे आयोजनों के माध्यम से उनके उत्पादों को दुनिया के बाजार तक पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री ने भदोही की भौगोलिक स्थिति को विकास की बड़ी संभावना बताते हुए कहा कि एक ओर बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी वाराणसी और दूसरी ओर संगम नगरी प्रयागराज है तथा दोनों के बीच संत रविदास नगर स्थित है।

यहां विरासत भी है और डबल इंजन सरकार की गति से विकास भी। उन्होंने बताया कि जब गंगा एक्सप्रेसवे के विस्तार को विंध्य एक्सप्रेसवे के रूप में आगे बढ़ाने की बात आई तो उन्होंने संत रविदास नगर को भी इससे जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास एकांगी नहीं हो सकता, विकास सबको साथ लेकर चलता है और इसी भावना के साथ सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने भदोही की पहचान को सदुरु संत रविदास की विरासत से भी जोड़ा।

युवक ने तालाब में कूदकर जान दी

कोराव प्रयागराज। क्षेत्र के कुकुरहटा गांव में रविवार दोपहर 18 वर्षीय प्रदीप पुत्र पिंटू ने अपनी प्रेमिका से नाराज होकर तालाब में छलांग लगा दी लोगों ने छालंग लगाते देख प्रदीप को निकालने की कोशिश की जिस पर काफी देरी हो जाने के बाद प्रदीप के शव को कड़ी मशक्कत से बाहर निकाला।बताया जाता है कि प्रदीप अपने ननिहाल कुकरहटा में ही रहता था प्रदीप मेजा रोड स्थित पाती का रहने वाला था जिसका ननिहाल कुकरहटा की ही लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था जिस पर मामूली कहा सुनी में प्रदीप ने दोपहर तालाब में चलांग लगा दी जिस पर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र सिंह ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बालक वर्ग खो-खो प्रतियोगिता में गोपाल विद्यालय ने तीनों वर्गों में मारी बाजी, बना चैंपियन

प्रयागराज।कोरांव के गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज में माध्यमिक विद्यालयों की क्षेत्रीय बालक वर्ग खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में क्षेत्र के कई विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज कोरांव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों आयु वर्गों में खिताब अपने नाम कर लिया।

अंडर-19 वर्ग में गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज कोरांव विजेता रहा, जबकि आद्या प्रसाद इंटर कॉलेज धूस उपविजेता रहा। अंडर-17 वर्ग में गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज विजेता बना और संत मैरी स्कूल तराव, कोरांव उपविजेता रहा। अंडर-14 वर्ग में भी गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज ने जीत दर्ज की, जबकि संत मैरी स्कूल तराव, कोरांव उपविजेता रहा। विद्यालय के प्रबंधक राजा बहादुर राजा अजेय सिंह ने उपस्थित होकर छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और पुरस्कार वितरित किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष रुद्र नारायण बाजपेयी, प्रधानाचार्य डॉ. साबिर अली, राकेश कुमार सिंह, अपूर्व प्रकाश त्रिपाठी, जंगबहादुर सिंह पटेल, चंद्रशेखर मौर्य, गोविन्द मिश्रा आदि मौजूद रहे। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में रेफरी की भूमिका में ऋषिकेश कुमार पटेल, अखिलेश पांडेय, अमित तिवारी, धीरेंद्र तिवारी, अमन पांडेय, आशुतोष सिंह, गगन मिश्र और राजीव कुशवाहा का विशेष योगदान रहा।

गौशालाओं में ठूंस-ठूंस कर भरे गए गोवंश

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गौ प्रेमी सरकार से जनता की अपील - बनवाया जाए नया गौशाला या इन्हें अन्यत्र सुरक्षित किया जाए

बीडीओ को पत्र भेजकर रिपोर्ट मंगाया जाएगा यदि गौशाला में क्षमता से अधिक मवेशी है जिस गौशाला में पशु रह रहे है यदि भूमि और वही मिलता है तो उसका विस्तार कराया जाएगा।

ठाकुर प्रसाद, उपजिलाधिकारी कोराव प्रयागराज

प्रयागराज। जब प्रदेश में भाजपा सरकार बनी तो लोगों को लगा था कि अब गौ प्रेमी सरकार आ गई है, बेजुबान पशुओं को रहने-खाने की उचित व्यवस्था मिलेगी, सड़कों पर मारे-मारे नहीं फिरेंगे। लेकिन हकीकत यह है कि 9 वर्ष बीत जाने के बाद भी सड़कों पर गोवंशों का झुंड आज भी घूम रहा है और जो गौशालाएं बनी हैं वहां खड़े होने तक की जगह नहीं है।

राजकीय पशु चिकित्सालय कोरांव के डिप्टी सीवीओ डॉ. ईश्वरी नारायण यादव द्वारा दिनांक 04-10-2026 को अस्थाई गो आश्रय स्थल का निरीक्षण किया गया और कुल 222 नए गोवंशों की टैगिंग व टीकाकरण किया गया। निरीक्षण में सामने आया कि इस आश्रय स्थल में गोवंशों की संख्या इतनी अधिक हो गई है कि उनको खड़े होने के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं मिल पा रही है। पशुशेड और चरनी अपर्याप्त हैं। चारा खाने के लिए गोवंशों में आपस में संघर्ष होगा, परिणाम स्वरूप कमजोर व छोटे गोवंश भूखमरी का शिकार होकर मृत्यु को प्राप्त हो जाएंगे। दिनांक 03-10-2026 को अस्थाई गो आश्रय स्थल देवघाट में भी 48 गोवंशों की टैगिंग व टीकाकरण का कार्य किया गया। वहां भी पशु क्षमता से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। तहसील के जिम्मेदार प्रशासनिक अफसर एसडीएम और ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारी खंड विकास अधिकारी अपने क्षेत्र के पशुओं को समुचित व्यवस्था देने में पूरी तरह विफल दिख रहे हैं। न नए शेड बनवाए जा रहे हैं, न चरनी बढ़ाई जा रही है और न ही अतिरिक्त गौशाला की मांग की जा रही है। जबकि एसडीएम स्तर पर अध्यक्ष होते है। उच्चाधिकारी भी इस पर ध्यान नहीं दे रहे और न ही जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कर रहे हैं, जिस कारण सड़कों पर भी गोवंशों की भरमार है। पशु आए दिन घायल हो रहे हैं, लोग भी चोटिल हो रहे हैं और रास्ते से गुजरना मुश्किल हो गया है। 2027 में चुनाव है, लेकिन जमीनी हकीकत जस की तस बनी हुई है। गौ प्रेमी जनता ने सरकार से मांग की है कि कोरांव में जल्द नया गौशाला बनवाया जाए या अधिक गोवंशों को अन्यत्र सुरक्षित गौशालाओं में शिफ्ट किया जाए, ताकि बेजुबानों को बैठने-खाने की जगह मिल सके और सड़क हादसों पर रोक लग सके।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में युद्धस्तर पर राहत अभियान, डीएम ने संभाली कमान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद लखनऊ में जिला प्रशासन ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। रविवार को जिलाधिकारी विशाख जी. और संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने बरावन कला, सैथा, जेहटा, माल रोड और फैजुल्लागंज समेत प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय और नाव से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रभावित नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राहत एवं बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए।

ग्राम सैथा में निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट को निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं, बच्चों और वृद्धजनों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाने के लिए तत्काल 10 नावों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। राहत शिविरों में स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी ली गई और जरूरतमंदों को पर्याप्त दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी विशाख जी. अय्यर ने बताया कि सुबह से ही प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमें सक्रिय हैं। नावों के माध्यम से घर-घर राहत किट पहुंचाई जा रही है। प्रभावित परिवारों के लिए भोजन और आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही पशुओं के लिए पर्याप्त भूसा एवं चारे की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दवाओं की पर्याप्त किट तैयार कर प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाने को कहा गया है। फैजुल्लागंज में जिलाधिकारी और संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने नाव से प्रभावित बस्तियों का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से संवाद कर राहत व्यवस्था की जानकारी ली। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रभावित इलाकों में रात्रिकालीन पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए। दाऊद नगर में अतिरिक्त कंट्रोल रूम स्थापित करने को कहा गया है, ताकि नागरिकों की शिकायतों और जरूरतों पर तत्काल कार्रवाई हो सके।

कोरांव तहसील में शौचालय व्यवस्था ध्वस्त, अधिवक्ता-वादकारी परेशान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- सार्वजनिक शौचालय बदहाल, पानी की सप्लाई बंद, अधिकारियों के शौचालय पर ताले का आरोप



प्रयागराज। कोरांव तहसील परिसर में सार्वजनिक शौचालयों की बदहाल व्यवस्था से अधिवक्ताओं और वादकारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शौचालयों के गेट टूटे हैं, पानी की सप्लाई नहीं है और अंदर गंदगी व दुर्गंध के कारण उनका इस्तेमाल करना मुश्किल हो गया है। मजबूर होकर अधिवक्ताओं, वादकारियों और तहसील आने वाले लोगों को शौच के लिए परिसर से बाहर जाना पड़ रहा है।

अधिवक्ताओं का आरोप है कि अधिकारियों के उपयोग के लिए अलग शौचालय साफ-सुथरी स्थिति में रखा गया है, लेकिन उसमें ताला लगा रहता है। आरोप है कि उसकी चाबी चपरासी या संबंधित स्टाफ के पास रहती है। वहीं आम अधिवक्ताओं, मुंशी और वादकारियों के लिए बनाए गए सार्वजनिक शौचालयों की लंबे समय से अनदेखी की जा रही है।

मौके की स्थिति के अनुसार शौचालय के भीतर टूटी कुर्सियां पड़ी हैं, वॉश बेसिन उखड़े हुए हैं और दीवारों का प्लास्टर जगह-जगह से टूट चुका है। पानी की व्यवस्था नहीं होने से गंदगी और दुर्गंध की स्थिति बनी हुई है। अधिवक्ता संघ का कहना है कि तहसील में प्रतिदिन सैकड़ों वादकारी, किसान और महिलाएं अपने काम से पहुंचते हैं। इसके बावजूद उन्हें बुनियादी सुविधा के रूप में साफ और उपयोगी शौचालय तक उपलब्ध नहीं है। महिला अधिवक्ताओं और महिला वादकारियों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि कई बार मौखिक शिकायत के बावजूद समस्या के समाधान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने जिलाधिकारी प्रयागराज से मामले का संज्ञान लेकर सार्वजनिक शौचालयों की तत्काल मरम्मत कराने, पानी की आपूर्ति बहाल करने, क्षतिग्रस्त गेट और टंकियों को बदलने तथा स्वच्छता की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। अधिवक्ताओं ने यह भी मांग की है कि तहसील परिसर में उपलब्ध सभी शौचालयों का उपयोग जरूरत के अनुसार आम लोगों के लिए सुनिश्चित किया जाए, ताकि दूर-दराज से आने वाले वादकारियों और महिलाओं को असुविधा न हो।

तीन दशक पुरानी मांग पूरी, गंगा पर बनेगा 1.32 किमी लंबा सेतु

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी-धनतुलसी-डेंगुरपुर घाट पर मुख्यमंत्री योगी ने किया शिलान्यास, 300 करोड़ से अधिक की परियोजना से भदोही-प्रयागराज समेत पांच जिलों को मिलेगा सीधा संपर्क

प्रयागराज/संत रविदास नगर। गंगा पर पक्के पुल की तीन दशक पुरानी मांग रविवार को पूरी हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीतामढ़ी-धनतुलसी-डेंगुरपुर घाट पर ?300 करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाले 1.32 किलोमीटर लंबे सेतु का शिलान्यास किया। सेतु के साथ पहुंच मार्ग और सुरक्षात्मक कार्य भी कराए जाएंगे। पुल बनने के बाद भदोही के धनतुलसी से प्रयागराज के मांडा क्षेत्र स्थित डेंगुरपुर तक सीधा सड़क संपर्क स्थापित हो जाएगा।

इस महत्वपूर्ण परियोजना से भदोही और प्रयागराज के अलावा मिर्ज़ापुर, वाराणसी और जौनपुर के लोगों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। मिर्ज़ापुर के रास्ते मध्य प्रदेश की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए भी संपर्क आसान होगा। क्षेत्र में लंबे समय से पीपा पुल और नाव पर निर्भरता के कारण होने वाली परेशानी भी समाप्त होने की उम्मीद है।

धनतुलसी-डेंगुरपुर घाट पर अभी गंगा पार करने के लिए पीपा पुल और नाव का सहारा लेना पड़ता है। बरसात में जलस्तर बढ़ने पर पीपा पुल हटा दिया जाता है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है। पक्का पुल बनने के बाद कोनिया और मांडा क्षेत्र की सवा लाख से अधिक आबादी को पूरे साल गंगा पार करने की सुविधा मिलेगी। इससे विद्यार्थियों, मरीजों, किसानों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

गंगा किनारे स्थित सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह सेतु महत्वपूर्ण होगा। प्रयागराज की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं को सीधा और सुगम मार्ग मिलेगा। इससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय बाजार और छोटे कारोबारियों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। भदोही के प्रसिद्ध कालीन उद्योग के लिए भी यह पुल महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रयागराज की ओर सीधा सड़क संपर्क होने से कच्चे माल और तैयार कालीन के आवागमन में सुविधा होगी। कारोबारियों का कहना है कि बेहतर संपर्क से नए बाजारों तक पहुंच आसान होगी और परिवहन में लगने वाला समय भी कम हो सकता है।

अंजनी कारपेट, खमरिया के पीयूष कुमार बरनवाल ने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय से इस पुल का इंतजार कर रहे थे। अब निर्माण शुरू होने से लोगों में खुशी है। त्रिवेणी रग इंडस्ट्रीज, छतमी गोपीगंज के शाश्वत पांडेय ने कहा कि पुल से कालीन कारोबार को प्रयागराज की ओर बेहतर संपर्क मिलेगा।

कालीन निर्यात संवर्धन परिषद की प्रशासनिक समिति के पूर्व सदस्य राजेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि भदोही का कालीन कारोबार दुनिया भर में पहचान रखता है। यह पुल व्यापार के लिए नए रास्ते खोलने में मददगार होगा। गृहिणी एवं समाजसेवी सरिता गुप्ता ने कहा कि बरसात के दिनों में गंगा पार करना बड़ी चुनौती बन जाता है। पक्का पुल बनने से बच्चों की पढ़ाई, इलाज और रोजमर्रा के कामों के लिए आवागमन आसान होगा।

युवा समाजसेवी नितीश शुक्ल को मिला सम्मान पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता



प्रयागराज। उ.प्र. अपराध निरोधक समिति, लखनऊ (उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संरक्षित एवं जेल मैनुअल के अन्तर्गत कार्यरत) क्एघ्य प्रयागराज शाखा द्वारा वार्षिकोत्सव 2026 का आयोजन किया गया।

आयोजन में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति विपिन दीक्षित एवं न्यायमूर्ति श्रीमान राजीव लोचन मेहरोत्रा द्वारा नितीश शुक्ल (चाइल्ड लाइन रेलवे प्रयागराज) को सम्मान-पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान नितीश शुक्ल को पुलिस विभाग, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा क्षेत्र, समाजसेवा के क्षेत्र में अपने कर्तव्यों का उत्कृष्ट एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए जनहित, सामाजिक यातायात जागरूकता, अपराध निरोधक, रक्तदान, वृक्षारोपण, सुरक्षा एवं समाज कल्याण के लिए किए गए उल्लेखनीय एवं सराहनीय योगदान के लिए दिया गया।

संस्थान ने कहा कि नितीश शुक्ल की कर्तव्य निष्ठा, समर्पण, ईमानदारी, मानवीय संवेदनशीलता एवं सेवा-भाव ने समाज में सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है। उनके उत्कृष्ट कार्य एवं उपलब्धियां समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उ.प्र. अपराध निरोधक समिति, लखनऊ शाखा-प्रयागराज ने उनके उल्लेखनीय योगदान की हृदय से सराहना एवं प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की मंगलकामना की। गौरतलब है कि अपराध निरोधक समिति द्वारा निःस्वार्थ सामाजिक सेवा स्वयंसेवी सेवकों द्वारा माघ मेला, दशहरा, ईद, मोहर्रम, होली व विभिन्न अवसरों पर प्रशासन व समाज के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

करोड़ों की लागत से बनी सड़क कुछ महीनों में ही उखड़ी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- गड्ढे बने हादसे का कारण - तस्वीरें बयां कर रही भ्रष्टाचार की कहानी
- सीएम हेल्पलाइन 1076 पर हुई शिकायत



कोरांव, प्रयागराज। प्रयागराज मंडल में करोड़ों की लागत से बनाई गई सड़कें घटिया निर्माण के चलते कुछ ही महीनों में दम तोड़ रही हैं। आज दिनांक 4 अक्टूबर 2026 को ली गई तस्वीरों में सड़क की हकीकत साफ दिख रही है।

यह सड़क लगभग कोरांव तहसील क्षेत्र के NH 135C लिंक मार्ग से महुआव से होकर नैडी लापर टिकर होकर रत्योरा मोड़ तक है, जिसकी लंबाई लगभग 09 किलोमीटर है। सड़क बनने के बाद ही टूट कर उखड़ गई थी, जगह-जगह पुनः मरम्मत कर चटाई दिया गया, पुनः सड़क टूट गई। सड़क में जितना निर्माण कार्य होना था, नहीं हुआ। फोटो में दिख रहा है कि डामर पूरी तरह उखड़ गया है, गिट्टी बाहर आ गई है और बीच सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। कहीं सड़क किनारे की पटरी धंस गई है तो कहीं नाली का निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया है। नाली का आरसीसी उखड़ गया है और कंक्रीट बाहर निकल आया है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क हाल ही में बनी थी लेकिन ठेकेदार ने मानक के अनुरूप कार्य नहीं किया। पटरियों पर मिट्टी नहीं डाली गई, नाली आधी-अधूरी है और पुलिया के पास भी गिट्टी बिखरी पड़ी है। इस मामले में गांव निवासी विजय कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई है। गांव के ही राम सागर, छेदी लाल, धर्मेंद्र, परसुराम, निवासी नैडी लापर ने जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि यह सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। यदि कमेटी गठित कर जांच कराई जाए तो व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार उजागर होगा। राहगीरों और बाइक सवारों के लिए ये गड्ढे हादसे का सबब बने हुए हैं। रात में तो खतरा और भी बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी प्रयागराज और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि इस सड़क की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी ठेकेदार और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए।

प्रदेश का निर्यात 10 वर्ष में ढाई गुना बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये के पार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को निर्यात के मोर्चे पर नई रफ्तार मिली है। प्रदेश का निर्यात अब पारंपरिक उत्पादों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, खाद्य-डेयरी और अन्य क्षेत्रों के उत्पादों ने भी वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत जगह बनाई है। इसी बदलती तस्वीर में पूर्वांचल का कालीन उद्योग भी यूपी की निर्यात पहचान को दुनिया के बाजार तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। भदोही में आयोजित 50वां इंडिया कारपेट एक्सपो इस वैश्विक पहचान का बड़ा मंच बनकर सामने आया है। प्रदेश के निर्यात में बीते वर्षों में आए बदलाव का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2016-17 में यूपी का निर्यात 84,283 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 2,01,241 करोड़ रुपये पहुंच गया। यानी निर्यात मूल्य में करीब ढाई गुना वृद्धि दर्ज हुई। इससे पहले 2012-17 के दौरान निर्यात की औसत वार्षिक वृद्धि दर 4.1 प्रतिशत थी, जो 2017 के बाद बढ़कर लगभग 7.3 प्रतिशत हो गई। इस तरह निर्यात वृद्धि की रफ्तार करीब 1.8 गुना तेज हुई है। उत्तर प्रदेश के कालीन उद्योग की बात हो तो संत रविदास नगर (भदोही) का नाम सबसे आगे आता है। वित्त वर्ष 2024-25 में प्रदेश के कुल कालीन निर्यात में अकेले भदोही की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से ज्यादा रही। वहीं भदोही-मीरजापुर-वाराणसी का कालीन क्लस्टर मिलकर यूपी के करीब 88 प्रतिशत कालीन निर्यात में योगदान देता है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत के कुल हस्तनिर्मित कालीन निर्यात में उत्तर प्रदेश (विशेषकर भदोही-मीरजापुर क्लस्टर) की हिस्सेदारी ऐतिहासिक रूप से 55 से 60 प्रतिशत के बीच रही है। 2017 से पहले नीतिगत उपेक्षा, बिजली संकट, जटिल टैक्स प्रक्रियाओं और बुनियादी ढांचे के अभाव के कारण यह क्लस्टर भारी मंदी झेल रहा था।

करोड़ों की जमीन के फर्जीवाड़े में पूर्व प्रधान और बेटा गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता



❐ 25-25 हजार रुपये के थे इनामी, रायबरेली में रिश्तेदार के घर से एसओजी और पुलिस ने दबोचा

मोहनलालगंज, लखनऊ। सिसेंडी में करोड़ों रुपये कीमत की जमीन को फर्जी दस्तावेजों के सहारे बेचने के मामले में करीब दो माह से फरार चल रहे 25-25 हजार रुपये के इनामी पूर्व प्रधान राजेश कुमार जायसवाल और उनके बेटे अमन जायसवाल को दक्षिणी जोन की एसओजी और मोहनलालगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को रविवार शाम रायबरेली स्थित एक रिश्तेदार के घर से पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों से मामले के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक, सिसेंडी क्षेत्र में करोड़ों रुपये कीमत की जमीन को कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेचने के मामले में पूर्व प्रधान राजेश कुमार जायसवाल, उनके बेटे अमन जायसवाल समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। क्षेत्र पंचायत सदस्य आशीष गुप्ता की शिकायत पर 25 जुलाई को मोहनलालगंज थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था।

पुलिस जांच में आरोप है कि जमीन के फर्जीवाड़े के लिए असली सुरेश कुमार की जगह हरीलाल नामक व्यक्ति को फर्जी तरीके से सुरेश कुमार बनाकर पेश किया गया। इसके बाद कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन की बिक्री किए जाने का आरोप है। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी सुरेश कुमार बने हरीलाल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।मुकदमे में नामजद पूर्व प्रधान राजेश कुमार जायसवाल और उनका बेटा अमन जायसवाल घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे थे। पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन उनका सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पुलिस ने दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया था।

फरार आरोपियों की तलाश में दक्षिणी जोन की एसओजी और मोहनलालगंज पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय थीं। रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी रायबरेली में एक रिश्तेदार के घर मौजूद हैं। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया।इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया कि जमीन फर्जीवाड़े के मामले में फरार चल रहे पूर्व प्रधान और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार पूर्व प्रधान राजेश कुमार जायसवाल के खिलाफ अलग-अलग मामलों में कुल 14 मुकदमे दर्ज हैं। करोड़ों रुपये की जमीन के फर्जीवाड़े के मामले में पिता-पुत्र के फरार होने के बाद से ही पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। दोनों की गिरफ्तारी को मामले में पुलिस की अहम कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस अब फर्जी दस्तावेज तैयार करने, जमीन की बिक्री और पूरे मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच आगे बढ़ा रही है।

सैरपुर के 120 साल पुराने श्री रामजस दंगल में दिखा कुश्ती का रोमांच

अखाड़े में भिड़े पहलवान, दर्शकों ने बढ़ाया हौसला

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बख्शी का तालाब,लखनऊ। अखाड़े में पहलवानों की जोरदार जोर आजमाइश और हर दांव पर दर्शकों की तालियां... रविवार को सैरपुर का माहौल कुछ ऐसा ही रहा। करीब 120 वर्षों से चली आ रही श्री रामजस दंगल की परंपरा में पहलवानों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। कोई प्रतिद्वंद्वी को चित करने के लिए दांव लगा रहा था तो कोई पलभर में मुकाबले का रुख बदलने की कोशिश में जुटा था। रोमांचक कुश्तियों ने दर्शकों को काफी देर तक बांधे रखा।

दंगल में करीब 20 मुकाबले हुए। स्थानीय पहलवानों के साथ दूर-दराज से आए पहलवानों ने भी अखाड़े में दमखम दिखाया। अमृतही बाग के सोनू और गुमीखेड़ा के रवि के अलावा सीतापुर और फर्रुखाबाद से पहुंचे पहलवानों ने मुकाबलों में हिस्सा लिया। कई कुश्तियों में पहलवानों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। शानदार दांव लगाने पर दर्शकों ने तालियों और उत्साहवर्धन के नारों से पहलवानों का हौसला बढ़ाया।

दंगल देखने के लिए सैरपुर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में कुश्ती को लेकर उत्साह नजर आया। अखाड़े के आसपास दर्शकों की भीड़ जमा रही और मुकाबलों के दौरान परिसर में उत्साह का माहौल बना रहा।

आयोजकों ने बताया कि श्री रामजस दंगल सैरपुर की करीब 120 वर्ष पुरानी परंपरा है। पीढ़ियों से चले आ रहे इस आयोजन ने ग्रामीण क्षेत्र में कुश्ती की परंपरा को जीवित रखा है। दंगल खेल प्रतिभाओं को मंच देने के साथ ही ग्रामीणों को एक-दूसरे से जोड़ने और आपसी भाईचारा मजबूत करने का भी माध्यम बना हुआ है।आयोजन में राधेलाल (रधु), शिव कुमार प्रधान, कृष्ण कुमार, एडवोकेट लल्लन राजपूत समेत क्षेत्रीय लोगों का सहयोग रहा।

अमरेन्द्र भारद्वाज के आवास पर उमड़ा ग्रामीणों का हुजूम



कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ। क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर जिला पंचायत सदस्य अमरेन्द्र भारद्वाज के अनैया खरगापुर स्थित निजी आवास पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। अलग-अलग गांवों से आए लोगों ने सड़क, जल निकासी सहित स्थानीय समस्याओं को उनके सामने रखते हुए समाधान की मांग की। अमरेन्द्र भारद्वाज ने आवास पर पहुंचे लोगों की समस्याओं को एक-एक कर गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने कहीं खराब सड़क तो कहीं जल निकासी की समस्या बताते हुए राहत दिलाने की मांग की। लोगों का कहना था कि इन समस्याओं के चलते उन्हें रोजमर्रा की आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जनसमस्याएं सुनने के बाद अमरेन्द्र भारद्वाज ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं के लिए संबंधित विभागों से कार्रवाई की आवश्यकता है, उनके अधिकारियों से वार्ता कर निस्तारण कराने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। आवास पर काफी देर तक ग्रामीणों की आवाजाही बनी रही और लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर जिला पंचायत सदस्य से मिलते रहे।

मंत्री और विधायक ने घर-घर जाकर बांटा राशन?

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण दाउदनगर के आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। प्रभावित इलाकों में शासन और प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं। कालोनियों में कई परिवार अभी भी जलभराव के बीच अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। कई परिवार सुरक्षित स्थानों की ओर जा चुके हैं। जलभराव के कारण प्रभावित लोगों तक खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी सामान पहुंचाने के लिए नावों का सहारा लिया जा रहा है।

इसी क्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह एवं लखनऊ उत्तर के विधायक डॉ. नीरज बोरा ने आज तीसरे दिन नाव से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र दाऊदनगर, मामा कॉलोनी, लोहरामऊ, कैलाश विहार, गणेश विहार का दौरा किया और घर-घर जाकर लोगों को राशन किट एवं पानी की बोतलें वितरित की। राशन किट में अरहर की दाल, भुना चना, लईया, बिस्कुट के पैकेट, माचिस, मोमबत्ती, नहाने व कपड़ा धोने के साबुन, चीनी, आटा, चावल, नमक सरसों का तेल,रिफाइंड हल्दी, मिर्च सब्जी मसाला, आलू, प्याज आदि शामिल है। इसके अलावा सेनेटरी पैड, सूती कपड़ा डिस्पोजल बैग तिरपाल, ढक्कनदार बाल्टी मग भी पीड़ितों को उपलब्ध कराया गया।

जल शक्ति मंत्री ने प्रभावित परिवारों को शीघ्र ही बंधा बनाने के लिए आश्वस्त किया। और भरोसा दिलाया कि स्थिति सामान्य होने तक राहत एवं बचाव कार्य जारी रहेंगे। विधायक डॉ. नीरज बोरा ने प्रभावित परिवारों की मदद के लिए अपनी टीम को राहत सामग्री वितरण में लगाया है और स्वयं भी नाव से घर-घर जाकर लोगों को राशन उपलब्ध कराया। उन्होंने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार और प्रशासन उनके साथ है और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

इस दौरान उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के सभापति विवेक सिंह तोमर, नगर आयुक्त गौरव कुमार, एडीएम राकेश कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी सदर साहिल कुमार, अपर नगर आयुक्त अरुण गुप्ता सहित प्रशासनिक अधिकारी, पार्टी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बीबीडी कॉलेज की छात्रा से छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट के बीबीडी थाना क्षेत्र स्थित एक कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा ने चार युवकों पर आए दिन छेड़छाड़ करने, विरोध करने पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर बीबीडी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने तहरीर में बताया कि वह गोयल कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है। तीन अक्टूबर को दोपहर करीब एक बजे वह कॉलेज की कैंटीन के पास जा रही थी। आरोप है कि तभी रेहान रजा, फैजल और आयुष शुक्ला उसके साथ छेड़छाड़ करने लगे। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी पहले भी आए दिन उसके साथ छेड़छाड़ करते रहे हैं। तहरीर के अनुसार, विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ हाथापाई की और जान से मारने की धमकी दी। छात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि आलोक सिंह नाम का युवक अक्सर उसके साथ छेड़छाड़ करता है। घटना के बाद पीड़िता थाने पहुंची और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

चिनहट, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहे अज्ञात चालक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, बाराबंकी के देवा थाना क्षेत्र के ग्राम सफीपुर निवासी दयाराम का 37 वर्षीय बेटा सूरज कुमार चिनहट स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में डिसिनफ़ेक्टो केमिकल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में नौकरी करता था। 30 सितंबर की रात करीब 12 बजे ड्यूटी पूरी कर वह घर लौट रहा था। इसी दौरान देवा रोड स्थित अपट्रॉन के पास आरटीओ कार्यालय के सामने किसी अज्ञात वाहन चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सूरज कुमार की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर चिनहट पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक के पिता दयाराम की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दुर्घटना में शामिल वाहन की तलाश कर रही है।

हरौनी चौकी इंचार्ज श्याम जी मिश्रा को दी गई भावभीनी विदाई



बंथरा, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना बंथरा क्षेत्र की हरौनी पुलिस चौकी पर रविवार को चौकी इंचार्ज श्याम जी मिश्रा के स्थानांतरण पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में क्षेत्र के तमाम सम्मानित नागरिकों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने पहुंचकर उन्हें भावभीनी विदाई दी। श्याम जी मिश्रा का स्थानांतरण सरोजनीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस चौकी में किया गया है। विदाई समारोह के दौरान मौजूद लोगों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्र में पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने का प्रयास किया। साथ ही क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका समाधान कराने में भी सहयोग किया। समारोह में व्यापारियों और क्षेत्रीय लोगों ने चौकी इंचार्ज के साथ बिताए कार्यकाल के अनुभव साझा किए और उनके व्यवहार व कार्यशैली की प्रशंसा की। इस दौरान माहौल भावुक हो गया और लोगों ने श्याम जी मिश्रा को नम आंखों से विदाई दी। स्थानीय लोगों ने उनके नए कार्यस्थल पर भी बेहतर कार्य करने की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और कार्यकाल की कामना की। वहीं चौकी इंचार्ज ने भी क्षेत्रवासियों द्वारा दिए गए सम्मान और सहयोग के लिए सभी का आभार जताया।

लखनऊ महायोजना कुर्सी रोड चौड़ीकरण में संशोधन की मांग को लेकर बैठक आज

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ महायोजना 2031 कुर्सी रोड के चौड़ीकरण में विसंगतियों में संशोधन की मांग को लेकर कल 5 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के मुख्यालय, एमडीएस टावर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के सामने कुर्सी रोड में बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी, संयुक्त उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पाण्डेय, भारतीय किसान यूनियन श्रमिक जनशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश यादव सहित व्यापारी, विभिन्न स्कूल, प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधि सहित चौड़ीकरण के जद में आने वाले भवन के स्वामी मौजूद व किसान उपस्थित रहेंगे।

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर जगदीश्वरम् विहार जनकल्याण समिति की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। तकरोही स्थित जगदीश्वरम् विहार जनकल्याण समिति की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक में कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्र की विभिन्न मूलभूत जनसमस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समस्याओं के समाधान को लेकर अपने सुझाव एवं विचार रखे। बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के प्रति अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाए जाने पर सदस्यों ने नाराजगी व्यक्त की। सदस्यों का कहना था कि संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों का कई बार ध्यान आकृष्ट कराने के बावजूद अनेक समस्याओं का अपेक्षित समाधान नहीं हो सका है। समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अब जनसमस्याओं को केवल बैठकों और चर्चाओं तक सीमित नहीं रखा जाएगा। समिति एकजुट होकर संगठित एवं लोकतांत्रिक तरीके से जनहित की आवाज को मजबूती से उठाएगी। क्षेत्र की जनता की मूलभूत सुविधाओं, अधिकारों और सम्मान के लिए संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों तक समस्याओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाकर उनके समाधान के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। बैठक में सभी सदस्यों ने कहा कि जनहित सर्वोपरि है और एकता, संगठन एवं संघर्ष ही जनता की सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में समिति के अध्यक्ष विजय शंकर पाण्डेय, संरक्षक आर. एस. शाक्य, महामंत्री राघवेन्द्र नाथ मिश्रा, कोषाध्यक्ष अवधेश त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी रमेश यादव, संगठन मंत्री राजकिशोर गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पी. एन. सिंह, उपाध्यक्ष अरविन्द शुक्ला, आदित्य मिश्रा, मंत्री अवधेश शुक्ला, एस. के. लाल, प्रभाकर मिश्रा, ऋषि, आफताब आलम, सत्यम चौहान, भजनलाल, अनिल चौरसिया, राजेश सिंह, हरीश बंसल, नन्दलाल शर्मा सहित अन्य सम्मानित पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का विरोध करना नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराना है। समिति का मानना है कि जब नागरिक एकजुट होकर अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए आवाज उठाते हैं, तो व्यवस्था को भी उनकी आवाज सुननी पड़ती है। समिति ने सभी क्षेत्रवासियों से एकजुट होकर जगदीश्वरम् विहार को स्वच्छ, सुरक्षित, सुविधायुक्त एवं विकसित कॉलोनी बनाने के अभियान में सहयोग करने की अपील की।

सीबीएसई तैराकी चैंपियनशिप में लखनऊ की टीम को रजत



कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भोपाल स्थित टेक्नोक्रेट्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित सीबीएसई स्विमिंग चैंपियनशिप 2026 में एलेन हाउस पब्लिक स्कूल, वृंदावन योजना, लखनऊ के तैराकों ने 50 मीटर मेडले रिले में रजत पदक हासिल किया। अश्विनी कुमार, सिद्धार्थ सिंह भदौरिया, मृत्युंजय सिंह और आयुष कुमार सिंह की टीम ने ईस्ट जोन में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के विभिन्न सीबीएसई स्कूलों के साथ सऊदी अरब और मस्कट के स्कूलों के खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया। लखनऊ की टीम ने बेहतर तालमेल और प्रदर्शन के साथ रजत पदक अपने नाम किया। यह 50 मीटर मेडले रिले में उत्तर प्रदेश का पहला पदक बताया गया है।

टीम की उपलब्धि पर सुपरहाउस ग्रुप फाउंडेशन के चेयरमैन मुख्तारुल अमीन ने खिलाड़ियों को बधाई दी। विद्यालय की निदेशक नौशीन शादाब ने तैराकों की मेहनत और खेल भावना की सराहना की। वहीं, प्रधानाचार्या मनीषा अन्थवाल ने विशेष प्रार्थना सभा में अश्विनी कुमार, सिद्धार्थ सिंह भदौरिया, मृत्युंजय सिंह और आयुष कुमार सिंह को सम्मानित किया और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

आरआर ग्रुप में फ्रेशर्स पार्टी में दिखी विद्यार्थियों की प्रतिभा

हमांशु मिस्टर फ्रेशर, खुशी को मिस फ्रेशर का खिताब

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बख्शी का तालाब, लखनऊ। आरआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स को नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए भव्य फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के चेयरमैन अनिल कुमार अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों का आरआर परिवार में स्वागत करते हुए मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से माता-पिता और संस्थान का नाम रोशन करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि ओजस कवि योगेश चौहान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और उसे हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने अनुशासन और सकारात्मक सोच के महत्व पर भी प्रकाश डाला। फ्रेशर्स पार्टी के दौरान प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य, मिमिक्री और फैशन शो समेत विभिन्न प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। फैशन शो में विमर्श अस्थाना को सर्वश्रेष्ठ वॉक पुरुष और यामिनी भट्ट को सर्वश्रेष्ठ वॉक महिला चुना गया। राजन सिंह को सर्वश्रेष्ठ परिधान पुरुष तथा अपूर्वा पांडेय को सर्वश्रेष्ठ परिधान महिला का पुरस्कार मिला। वहीं हिमांशु तिवारी को मिस्टर फ्रेशर और खुशी यादव को मिस फ्रेशर चुना गया। संस्थान के सचिव चित्रांशु अग्रवाल ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में डीन, डीन स्टूडेंट वेलफ़ेयर, डीन ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट, रजिस्ट्रार, प्रॉक्टर, प्रथम वर्ष के समन्वयक, विभागाध्यक्ष और शिक्षण स्टाफ मौजूद रहा। विजेताओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद मयंक एवं उनकी टीम के अंतरराष्ट्रीय बैंड नेप्चून ने बैंड नाइट में शानदार प्रस्तुतियां दीं। संगीत की प्रस्तुतियों पर विद्यार्थियों ने जमकर उत्साह दिखाया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के सांस्कृतिक समूह 'तरंग' ने किया। समूह के सदस्यों वंशिका श्रीवास्तव, शाश्वत, सौरभ, अक्षत, तारुषी, आदर्श, निधि द्विवेदी, श्रेया, सालेहा, ऋषु राज, आर्यन, दिव्यांश, शादाब, अमन, अपूर्व, सूर्यांश, दिव्यांश प्रजापति, सत्यम और अनुभव ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

प्रांतीय शिक्षक गरिमा सम्मेलन में गूंजा गुरु सम्मान का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में डॉ. राजेश्वर सिंह ने शिक्षकों के योगदान को किया नमन



लखनऊ। अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से आयोजित प्रांतीय शिक्षक गरिमा सम्मेलन में शिक्षा, संस्कार और भारतीय संस्कृति के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्रों के पवित्र उच्चारण से हुई। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने प्रदेशभर से आए शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके योगदान को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया।

कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सम्मेलन के दौरान भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन और उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक छात्र सहभागिता वाले 10 विद्यालयों के प्रबंधकों को सम्मानित किया गया। साथ ही परीक्षा से संबंधित स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिल विश्व गायत्री परिवार की सामाजिक भूमिका, परम पूज्य पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के योगदान तथा भारतीय परिवार व्यवस्था में निहित संस्कारों और मूल्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विचार आधारित संगठनों की सामाजिक भूमिका और नई पीढ़ी में संस्कारों के विकास की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि अखिल विश्व गायत्री परिवार ने लंबे समय से भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्यों और सामाजिक चेतना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिक्षा और संस्कार के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि सरोजनीनगर में शिक्षा और युवा सशक्तीकरण को प्राथमिकता देते हुए रण बहादुर सिंह (आरबीएस) डिजिटल शिक्षा एवं युवा सशक्तीकरण केंद्रों की पहल अब 18 केंद्रों तक पहुंच चुकी है। क्षेत्र में 80 से अधिक स्मार्ट कक्षाएं और डिजिटल पुस्तकालय तथा 350 से अधिक कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं, 2,000 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप, टैबलेट और साइकिल जैसे शैक्षणिक संसाधनों से प्रोत्साहित किया गया है।

तूफान व बारिश बनी वन विभाग के लिए वरदान, गिरे पेड़ों की आड़ में कटाए जा रहे हरे-भरे खड़े पेड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन (सीतापुर):दस दिन पूर्व आया तूफान व तीन दिन तक लगातार हुई बारिश क्षेत्र के किसानों के लिए तो आफत बनकर आई, लेकिन वन विभाग व क्षेत्रीय लकड़ी ठेकेदारों के लिए यह कमाई का जरिया बन गई है। आरोप है कि सकरन में तैनात वन दरोगा राजकुमार गिरे पेड़ों की आड़ में हरे-भरे प्रतिबंधित पेड़ों का खुलेआम कटान करवा रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत विभागीय अधिकारियों से की है।

सकरन क्षेत्र में तूफान में किसानों की फसलों के साथ-साथ हजारों की संख्या में पेड़ धराशायी हो गए थे, जिन्हें किसान मजबूरन औने-पौने दामों पर बेच रहा है। वहीं वन दरोगा द्वारा कुछ लकड़ी ठेकेदारों से सांठगांठ कर क्षेत्र में लगे हरे-भरे प्रतिबंधित पेड़ों पर आरा चलवाया जा रहा है।

कहां-कहां काटे गए पेड़ - ग्रामीणों का आरोप

शुक्रवार को मोहलिया में 14 आम के



खड़े हरे पेड़

शुक्रवार को ही मोहारी में एक बाग में लगे 5 शीशम, 4 जामुन, 8 आम, 5 गूलर के पेड़

शनिवार को तारपारा में 7 शीशम, 3 जामुन, 6 गूलर के पेड़ काटे गए।

ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदारों ने वन दरोगा को तयशुदा कमीशन देकर बगैर परमिट बनवाए ही इन पेड़ों को कटवा लिया। यह तो मात्र बानगी भर है। जब से उक्त वन दरोगा की तैनाती सकरन में हुई है, तब से हर रोज दर्जनों प्रतिबंधित पेड़ों पर आरा चलाया जा रहा है।

गिरे पेड़ काटने पर किसानों से ही वसूली

सूत्रों की माने तो तूफान में गिरे पेड़ों को भी किसान आसानी से नहीं उठा सकता। पेड़ उठाने से पहले इलाके के वन दरोगा को जुर्माने के नाम पर सुविधा शुल्क के रूप में मोटी रकम देनी पड़ती है। पैसा न देने पर लकड़ी जब्त कर लेने की धमकी दी जाती है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मोहारी के पूर्व प्रधान के खेत में लगा मोटा शीशम का पेड़ धान की फसल पर गिर गया था, जिसे शुक्रवार को उसने कटवा लिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे वन दरोगा राजकुमार ने किसान को डरा-धमकाकर उससे जुर्माने के नाम पर दस हजार रुपए वसूल लिए। इसी तरह काजीपुर गांव निवासी एक किसान के खेत में तीन गूलर के पेड़ गिर गए थे, जिसे काटने की एवज में सात हजार की वसूली की गई।

एक ओर तूफान व बारिश में अन्नदाता चारों ओर से बर्बाद हो गया, वहीं गिरे पेड़ों के हटाने के नाम पर वन विभाग द्वारा वसूली किए जाने से किसान काफी डरे-सहमे हुए हैं।

किसान यूनियन ने दी धरने की चेतावनी

किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रामशंकर सिंह ने बताया कि वन दरोगा द्वारा किसानों से की जा रही अवैध वसूली को लेकर वह जिलाधिकारी से शिकायत करेंगे। कार्रवाई न होने पर यूनियन द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में क्षेत्रीय वन अधिकारी अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी, जांच में आरोप सही पाए गए तो वन दरोगा के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी बिल भुगतान में नए आयाम गढ़ रहे पंचायत सचिव उमाकांत बगैर कार्य कराए ही आहरित कर रहे लाखों की धनराशि

कैनविज टाइम्स संवाददाता



सीतापुर । सकरन विकास खंड में तैनात पंचायत सचिव उमाकांत पर फर्जी बिल लगाकर सरकारी धन के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव शासन-प्रशासन से बेखौफ होकर बगैर धरातल पर कार्य कराए ही बड़ी धनराशि आहरित कर रहे हैं।

अदवारी के बाद पतरासा में दोहराया खेल ग्रामीणों के अनुसार पूर्व में ग्राम पंचायत अदवारी में पंचायत भवन कायाकल्प के नाम पर ग्राम प्रधान से मिलीभगत कर बगैर कोई कार्य कराए बड़ी रकम निकाली गई थी। अब उसी तर्ज पर हाल ही में ग्राम पंचायत पतरासा में भी पंचायत भवन कायाकल्प के नाम पर बड़ी धनराशि आहरित कर ली गई। ग्रामीणों ने बताया कि मौके पर पंचायत भवन में अभी तक कोई कार्य ही नहीं हुआ है, फिर भी *अमित ट्रेडर्स व हर्षित ट्रेडर्स* के नाम पर सामग्री आपूर्ति के एवज में भुगतान दिखाकर रकम निकाल ली गई। हद तो तब हो गई जब प्रधान पुत्र के नाम पर फर्जी मजदूरी की बड़ी रकम उसके निजी खाते में भेज दी गई। कई पंचायतों में कागजों पर विकास क्षेत्रवासियों की मानें तो सचिव उमाकांत अपनी तैनाती क्षेत्र की समस्त ग्राम पंचायतों में इसी तरह कागजों के जरिए विकास की गंगा बहा रहे हैं। इसकी बानगी *मोहारी, सरैया कला, अदवारी, बेलवा, पतरासा* जैसी ग्राम पंचायतों में देखी जा सकती है, जहां धरातल पर कार्य शून्य है और फाइलों में भुगतान पूरा।

ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन सचिव के खिलाफ कार्यवाही करने के बजाय उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है।बड़ा सवाल - कब तक लुटता रहेगा सरकारी खजाना?

आखिर बगैर कार्य कराए ही कब तक सरकारी धन को लूटते रहेंगे सचिव उमाकांत व उनके परिक्षेत्र के ग्राम प्रधान? और कब तक प्रशासन मूकदर्शक बनकर घूमता रहेगा? यह सवाल अब पूरे ब्लॉक में चर्चा का विषय बना हुआ है।

परिवार परामर्श केन्द्र की पहल रंग लाई, 15 दंपतियों की कराई गई विदाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर-खीरी। महिला थाना परिसर स्थित परिवार परामर्श केन्द्र पर रविवार को पारिवारिक विवादों के निस्तारण के लिए काउंसलिंग आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में थानाध्यक्ष महिला थाना बबिता पटेल और काउंसलरों की टीम ने पति-पत्नी के बीच चल रहे विवादों को बातचीत और समझौते के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया। परिवार परामर्श केन्द्र में दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और साझी गृहस्थी में रहने को लेकर उत्पन्न विवादों सहित कुल 28 मामलों पर सुनवाई की गई। इनमें से 22 मामलों में सुलह-समझौते का प्रयास किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 15 दंपतियों के बीच आपसी सहमति बनी और उन्हें साथ रहने के लिए विदा किया गया। वहीं, 9 मामलों में पति-पत्नी के बीच अत्यधिक मनमुटाव पाए जाने पर दोनों पक्षों को विचार करने के लिए समय दिया गया। इसके अलावा 3 मामलों में सुलह का प्रयास सफल नहीं हो सका। परिवार परामर्श केन्द्र में काउंसलर श्रीमती नीति गुप्ता, सुश्री कुसुम गुप्ता और कय्यूम जरवानी ने दोनों पक्षों की बात सुनकर आपसी मतभेद दूर कराने का प्रयास किया। इस दौरान महिला आरक्षी बबली पवार, सारिका चौहान, सुमन लता और रेखा गौड़ ने भी सहयोग किया। काउंसलिंग के दौरान संबंधित पक्षों के परिजन भी मौजूद रहे। पुलिस का कहना है कि परिवार परामर्श केन्द्र का उद्देश्य पारिवारिक विवादों को आपसी बातचीत और समझौते के जरिए सुलझाकर परिवारों को टूटने से बचाना है। 15 दंपतियों की सहमति से हुई विदाई को इसी दिशा में एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

विकासखंड की ग्राम पंचायत : मानपुर में महिला शौचालय बदहाल, सुविधा के नाम पर खानापूर्ति

ग्रामीणों ने प्रधान पर लगाया अनदेखी का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता



मिश्रिख/सीतापुर । विकासखंड मिश्रिख की ग्राम पंचायत मानपुर में महिला सार्वजनिक शौचालय की बदहाली से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि साफ-सफाई और रखरखाव के अभाव में शौचालय उपयोग के लायक नहीं रह गया है। सुविधा के लिए बनाया गया शौचालय अब महिलाओं के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जांच कराकर व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को पेंशनर्स की समस्याओं की सुनवाई करेंगे अधिकारी

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। पेंशनधारकों की पेंशन सम्बन्धी प्रकरणों एवं शिकायतों के त्वरित व प्रभावी निस्तारण हेतु आयुक्त, देवीपाटन मण्डल, गोण्डा के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जनपद के समस्त कार्यालयाध्यक्षों/आहरण वितरण अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को पूर्वान्ह 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 बजे तक पेंशन सम्बन्धी प्रकरण की सुनवाई करना सुनिश्चित करेंगे। अधिकारियों को यह भी निर्देष दिया गया है कि सुनवाई के सम्बन्ध में दिवस का विवरण कार्यालय में पेन्ट कराया जाय। डीएम श्री पाण्डेय ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पिछले 05 वर्षों में सेवानिवृत्त हुए शासकीय कार्मिकों के सेवानिवृत्तिक पावनों से संबंधित सूचना वरिष्ठ कोषाधिकारी को उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा आगामी छः माह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सूची भी वरिष्ठ कोषाधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। जिससे कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सेवानिवृत्तिक पावनों का ससमय भुगतान किया जा सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण हेतु आवंटित हुआ 30193 आवासों का लक्ष्य

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। परियोजना निदेशक, ग्राम्य विकास अभिकरण मनीष कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लक्ष्य का आवंटन शासन स्तर से प्राप्त हो गया है। विकास खण्डवार आवंटित लक्ष्य की जानकारी देते हुए श्री कुमार ने बताया कि विकास खण्ड बलहा हेतु 2714, चित्तौरा 1977, हुजूरपुर 2023, जरवल 831, कैसरगंज 823, महसी 4544, मिहींपुरवा 5037, नवाबगंज 1573, फखरपुर 1595, पयागपुर 1837, रिसिया 1540, शिवपुर 3091, तेजवापुर 1260 तथा विकास खण्ड विशेश्वरगंज हेतु 1348 इस प्रकार कुल 30193 आवासों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बच्चों के विवाद में उलाहना देने पर मारपीट, पिता-पुत्र घायल

धौरहरा, लखीमपुर खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। धौरहरा थाना क्षेत्र के खरवहिया नंबर-1 गांव में बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर उलाहना देने पर मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि बच्चों के विवाद को लेकर उलाहना देने से नाराज कुछ लोगों ने युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके पिता को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा और उनके साथ भी मारपीट की। घटना में पिता-पुत्र दोनों के सिर में चोटें आने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, बेलवा गदियाना निवासी शहजाद पुत्र जौवाद ने धौरहरा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि तीन अक्टूबर को दोपहर करीब दो बजे बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर उसने संबंधित लोगों से उलाहना दिया था। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर रहमान व रफीक पुत्रगण इस्माइल तथा मुंशी व मारूफ पुत्रगण लक्कू ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित के मुताबिक, विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। शहजाद को बचाने के लिए उसके पिता जौवाद मौके पर पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। मारपीट के दौरान दोनों के सिर में चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की। शहजाद ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज करने के साथ ही शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों एवं आरोपों की पड़ताल की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने की बात पुलिस की ओर से कही गई है।

बेलरायां में 11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आया ट्रक, कई मजदूर घायल

बेलरायां-खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। ग्राम पंचायत भेड़ोरी के मजरा भूलनपुर में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब केले की फसल खरीदने के लिए मजदूरों को लेकर पहुंचा एक ट्रक गांव के समीप से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। ट्रक के ऊपरी हिस्से का एंगल विद्युत लाइन से छूते ही वाहन में करंट उतर गया, जिससे ट्रक में सवार मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि एक ठेकेदार केले की फसल खरीदने के लिए अपने मजदूरों को ट्रक से लेकर गांव पहुंचा था। इसी दौरान ट्रक का ऊपरी एंगल ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। अचानक करंट दौड़ने से मजदूरों में चीख-पुकार मच गई। अपनी जान बचाने के लिए कई मजदूर आनन-फानन में ट्रक से नीचे कूद गए। हादसे में कई मजदूरों के घायल होने की सूचना है। दो लोगों के हाथ-पैर में गंभीर चोट लगने और कुछ मजदूरों के झुलसने की बात सामने आ रही है। हालांकि घायलों की सही संख्या और उनकी स्थिति की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाने की जानकारी सामने आई है। बड़ा हादसा टला प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना इतनी अचानक हुई कि मजदूरों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। गनीमत रही कि कई मजदूर समय रहते ट्रक से बाहर निकल गए, अन्यथा हादसा और भी भयावह हो सकता था। घटना के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी देखने को मिली।

तीसरी बार भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बने जुगुल किशोर, समर्थकों ने किया भव्य सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नीमगांव खीरी। भाजपा नेता जुगुल किशोर को लगातार तीसरी बार पार्टी का प्रदेश प्रवक्ता बनाए जाने पर रविवार को मितौली क्षेत्र में समर्थकों और शुभचिंतकों में उत्साह देखने को मिला। उनके सम्मान में फार्म हाउस पर दिनभर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर, माला पहनाकर तथा मुंह मीठा कराकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इसी क्रम में भूमि विकास बैंक कस्ता के अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला, समाजसेवी सियाराम गौतम सेमरावां, पत्रकार पंकज कुमार गौतम एवं कमलेश कुमार पाल ने जुगुल किशोर का माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्हें भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया और प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी दोबारा मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

सुबह से ही जुगुल किशोर के फार्म हाउस पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों से समर्थक, कार्यकर्ता और शुभचिंतक पहुंचते रहे। लोगों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए पार्टी संगठन में उनके योगदान की सराहना की।

सम्मान समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। फार्म हाउस पर देर तक बधाई देने वालों की आवाजाही बनी रही और पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल नजर आया।

जर्जर खड़ंजे से ग्रामीण परेशान, रास्ते के पुनर्निर्माण की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, लखीमपुर खीरी। तहसील क्षेत्र के ग्राम महरिया के चमारन पुरवा में गांव का मुख्य मार्ग लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ा होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ वर्ष पूर्व मुख्य मार्ग पर खड़ंजे का निर्माण कराया गया था, लेकिन देखरेख और मरम्मत के अभाव में अब खड़ंजा जगह-जगह से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। रास्ते पर कई स्थानों पर खड़ंजे की ईंटें उखड़ गई हैं और नुकीली ईंट-पत्थर बाहर निकल आए हैं। ऐसे में पैदल चलने वाले लोगों के साथ-साथ साइकिल और दोपहिया वाहन चालकों को भी काफी दिक्कत होती है। ग्रामीणों के मुताबिक, जर्जर रास्ते के कारण कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं। बरसात के दिनों में समस्या और गंभीर हो जाती है, जब उखड़ी हुई सड़क पर पानी भर जाने से गड्ढे और टूटे हिस्से दिखाई नहीं देते।

नुकीली ईंट-पत्थरों से आवागमन मुश्किल, स्कूली बच्चों को सबसे अधिक परेशानी

ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग का उपयोग रोजाना बड़ी संख्या में लोग करते हैं। खासकर स्कूली बच्चों को विद्यालय आने-जाने में काफी परेशानी होती है। बच्चों को टूटे खड़ंजे और नुकीले पत्थरों के बीच से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनके गिरकर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। बुजुर्गों और महिलाओं के लिए भी यह रास्ता परेशानी का कारण बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से रास्ते की हालत खराब होने के बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से इसकी मरम्मत की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने समस्या को लेकर खंड विकास अधिकारी ईसानगर को शिकायती पत्र देकर जर्जर मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कराते हुए जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराने की मांग की है।

खेत में मिला ज्योति शुक्ला का शव, प्रेम प्रसंग से लेकर प्लॉट-पैसों के लेनदेन तक कई सवाल! परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मितौली थाना क्षेत्र में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब पकरिया गांव के पास एक खेत में एक महिला का शव क्षत-विक्षत अवस्था में बरामद हुआ। शव की पहचान करनपुर निवासी ज्योति शुक्ला पत्नी प्रमोद कुमार शुक्ला के रूप में हुई है। बताया गया कि ज्योति शुक्ला सीतापुर जिले के अटरिया स्थित हिंद अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थीं। शव मिलने के बाद मामला महज मौत का नहीं, बल्कि कथित प्रेम प्रसंग, पारिवारिक विवाद, पैसों और प्लॉट के लेनदेन तथा संभावित हत्या के आरोपों के कारण सवालों के घेरे में आ गया है। हालांकि हत्या के कारणों और घटना में किसी की भूमिका की अभी पुलिस स्तर से पुष्टि नहीं हुई है।

त्पति का दावा-तीन साल से अलग रह रही थी महिला, युवक अतुल दीक्षित से प्रेम संबंध का आरोप; बेटी के पास आपत्तिजनक फोटो-वीडियो होने का दावा, मितौली पुलिस की कार्रवाई पर भी परिजनों ने उठाए सवाल

जिस प्रेम प्रसंग की घर में थी चर्चा, उसी के बाद खेत में मिली ज्योति की लाश! प्रेम, पैसा या प्रॉपर्टी आखिर किस राज के साथ खत्म हुई ज्योति की जिंदगी

तीन साल से पति-बच्चों से अलग रहने का दावा

मृतका के पति प्रमोद शुक्ला के अनुसार, ज्योति पिछले करीब तीन वर्षों से पति और बच्चों से अलग रह रही थीं और सीतापुर में किराये के मकान में रहती थीं। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान ज्योति के सीतापुर निवासी अतुल दीक्षित पुत्र पप्पू दीक्षित से लंबे समय से प्रेम संबंध थे और मृतका कभी घर पर भी नही आती थी तो वह मितौली क्षेत्र मे कैसे पहुंची जबकि उधर न ही कोई रिस्तेदारी थी और न ही कोई सम्बन्धी तो वह वहां कैसे पहुंची।

परिजनों का दावा है कि अतुल का ज्योति के पास सीतापुर आना-जाना था और दोनों के बीच करीबी संबंध थे। पति का आरोप है कि जब उसे कथित संबंधों की जानकारी हुई और उसने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया और पति ने जानलेवा हमले के प्रयास का आरोप भी लगाया है।

प्रमोद शुक्ला मीडिया के कैमरे के सामने आते हुए आरोप लगाया है कि पूर्व में जब उसने ज्योति और अतुल के कथित संबंधों का विरोध किया, तब दोनों ने मिलकर उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। पति के अनुसार, वह किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकला। बेटी के पास फोटो-वीडियो होने का दावा मृतका की बेटी ने पोस्टमार्टम हॉउस पर मीडिया से रूबरू होते हुए बताया है कि उसने ज्योति और अतुल को कई बार आपत्तिजनक स्थिति में देखने का दावा किया है। परिजनों का कहना है कि बेटी के पास इससे संबंधित फोटो, वीडियो और अन्य साक्ष्य मौजूद हैं। परिजनों की मांग है कि यदि ऐसे इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य पुलिस को उपलब्ध कराए जाते हैं तो उनकी विधिवत जांच कराई जाए और जरूरत पड़ने पर मोबाइल फोन, सीसीटीवी फुटेज तथा कॉल डिटेल रिकॉर्ड समेत अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जाए।

प्रेम प्रसंग या फिर प्लॉट-पैसों का विवाद? कई एंगल पर जांच की मांग

मृतका के पति प्रमोद शुक्ला ने हत्या की आशंका जताते हुए एक अन्य महत्वपूर्ण सवाल भी उठाया है। उनका कहना है कि ज्योति की मौत के पीछे उनके प्लॉट और पैसों के लेनदेन का विवाद भी कारण हो सकता जो महिला के नाम पर दर्ज है।

यानी इस पूरे मामले में पुलिस के सामने कई सवाल हैं-क्या ज्योति की मौत हादसा थी, आत्महत्या थी या फिर हत्या? यदि हत्या हुई तो इसके पीछे कथित प्रेम प्रसंग था या संपत्ति और पैसों का विवाद? घटना से पहले ज्योति किन लोगों के संपर्क में थीं और आखिरी बार उनसे किसने बातचीत की? इन सवालों के जवाब पुलिस की जांच और फोरेंसिक साक्ष्यों से ही सामने आ सकेंगे। त्परिजनों ने मितौली पुलिस पर भी लगाए गंभीर आरोप मृतका के परिजनों का आरोप है कि ज्योति की मौत के बाद जब उन्होंने कार्रवाई की मांग की तो मितौली पुलिस की ओर से उन्हें कथित तौर पर मामला रफा-दफा करने की बात कही गई और कार्रवाई के नाम पर गुमराह किया गया।

हालांकि पुलिस की ओर से इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में यह भी महत्वपूर्ण होगा कि पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है और परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों पर उसका आधिकारिक पक्ष क्या है। त्खेत में मिला शव, आधार कार्ड से हुई पहचान शनिवार को पकरिया गांव के पास खेत में महिला का शव मिलने की सूचना पर मितौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, महिला के पास मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान ज्योति शुक्ला के रूप में की गई और परिजनों को सूचना दी गई। शव की स्थिति को देखते हुए घटना को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया जहाँ परिजनों ने मीडिया से रूबरू होते हुए पूरा हाल बयान किया,अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने की उम्मीद है।

त्योहारों पर कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा : थानाध्यक्ष संजय सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संग्रामपुर/अमेठी। आगामी नवरात्रि, दशहरा, दुर्गा पूजा समेत अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए रविवार को थाना संग्रामपुर परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष संजय सिंह ने की। इसमें क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों, धर्मगुरुओं तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

बैठक में त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, अफवाहों पर रोक लगाने और आपसी भाईचारा कायम रखने पर विस्तार से चर्चा हुई। थानाध्यक्ष ने लोगों से प्रशासन का सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि, विवाद या कानून-व्यवस्था से जुड़ी सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।



थानाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में मौजूद लोगों ने भी शांति, सौहार्द और आपसी सद्भाव बनाए रखने में प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

अमेठी मैराथन में दीपक पाल और फूलन पाल रहे अव्वल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। पूर्व प्राविधिक शिक्षा मंत्री एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी डॉ. अमीता सिंह के जन्मदिवस पर रविवार को आयोजित 'अमेठी मैराथन-2026' में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 540 एथलीटों ने हिस्सा लिया। राजर्षि रणंजय सिंह जनकल्याण समिति की ओर से आयोजित 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन मिश्रौली स्थित स्वामी शांतानंद पुजारी इंटर कॉलेज से शुरू होकर श्री आसलदेव इंटर कॉलेज, पीपरपुर में संपन्न हुई।



पुरस्कार वितरण समारोह में पद्मश्री एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता ओलंपियन सुधा सिंह, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर पंकज सिंह, एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता सलमान खान और राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज रुचि सिंह मौजूद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अमीता सिंह ने की, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजय सिंह मुख्य संरक्षक रहे। जिलाधिकारी शशांक चौधरी मुख्य अतिथि एवं पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। डॉ. अमीता सिंह ने कहा कि अमेठी के गांवों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और ऐसे आयोजनों के माध्यम से उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. संजय सिंह ने कहा कि अमेठी की मिट्टी ने देश को कई उत्कृष्ट खिलाड़ी दिए हैं और ग्रामीण युवाओं में अपार क्षमता है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने भी युवाओं को खेलों से जुड़ने तथा अनुशासन व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में दीपक पाल प्रथम, सचिन कुमार द्वितीय और उमेश प्रजापति तृतीय रहे, जबकि महिला वर्ग में फूलन पाल ने पहला, श्रेया ने दूसरा और अन्नू पाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बंधन मैरिज लॉन में बैठक के बाद सपा का विरोध मार्च, कतर्निया चौराहे तक पहुंचा जुलूस



कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा बहराइच । विधानसभा नानपारा क्षेत्र में एस.आइ.आर. में कथित धांधली के आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम रुपैडीहा रोड स्थित बंधन मैरिज लॉन में आयोजित किया गया, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने कतर्निया तिराहे तक जुलूस निकालकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने वोट चोर गद्दी छोड़ और ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एस.आई.आर. प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद सोनी, महामंत्री कृपाराम यादव एडवोकेट, जिला सचिव डॉ. तनवीर खान, मुन्ना राइनी, ब्लॉक प्रमुख जयंकर सिंह, गाज़ी इमाम आला, शाहिस्ता प्रवीन, राकेश सोनकर, कन्हैया लाल लोधी, पप्पू यादव, शब्बीर अहमद, रशीद अहमद, कासिम खान, अतहर हुसैन और जीशान हाशमी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सपा नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम प्रभावित नहीं होना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई।

ताऊ की हत्या करने का आरोपी नशेड़ी भतीजा गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना रोजा पुलिस ने ताऊ की हत्या करने के आरोपी नशेड़ी भतीजे को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से पुलिस टीम ने आलाकत्ल 02 सूजे भी बरामद किए हैं। बीती 02 अक्टूबर को थाना रोजा क्षेत्र के गांव हथौड़ा बुजुर्ग निवासी 75 वर्षीय रामसनेही की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अवध किशोर की तहरीर पर मृतक के भतीजे अरविन्द पुत्र प्रभुदयाल के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। आज थाना रोजा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अरविन्द पुत्र प्रभुदयाल को ग्राम जलालपुर की नहर पटरी के पास से गिरफ्तार किया। जिसकी निशादेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त 02 सूजे बरामद भी बरामद किए। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त अरविन्द ने बताया कि वो अपने ताऊ रामसनेही के पास ही रहता था और वही उसे खाना और खर्चे के लिए कुछ रुपये भी दिया करते थे। वो उन रूपयों से नशा एवं अपने शौक पूरे करता था। घटना वाले दिन भी उसने अपने ताऊ रामसनेही से नशा करने के लिए कुछ रुपये



मांगे, जिस पर ताऊ ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए रुपये देने से मना कर दिया। बताया कि इससे पहले भी उसका ताऊ से रुपये मांगने को लेकर विवाद होता रहता था। जिस कारण उसके ताऊ रामसनेही घर से चले गए और अपने परिचित विजय के घर रहने लगे। उसने भी ताऊ को रास्ते से हटाकर रुपये मांगने का विवाद समाप्त करने की योजना बनाई। बताया कि कुछ दिन पूर्व बर्फ का काम करने के लिए उसने दो सूचे खरीदे थे। वो दोनों सूजे लेकर विजय के घर पहुंचा, वहां ताऊ रामसनेही खड़े मिले। जिसके बाद उसने दोनों हाथों में लिए सूजे से ताऊ पर कई वार किए। ताऊ जमीन पर गिर गए और वहां से भाग गया। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए अभियुक्त अरविन्द को न्यायालय के समक्ष पेशकर जेल भेज दिया है।

अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में रोजा थानाध्यक्ष उमेश कुमार मिश्र के साथ उपनिरीक्षक अभिषेक, शिवम अग्रवाल, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

भारतीय सनातन गौरव सम्मान से सम्मानित हुए अनुपम मिश्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संग्रामपुर/अमेठी। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में विश्व हिंदू रक्षा परिषद द्वारा आयोजित धर्म संसद एवं द्वितीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि महासम्मेलन में अमेठी जनपद के संग्रामपुर क्षेत्र की ठेंगहा ग्राम पंचायत निवासी एवं प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत अभियान के प्रदेश महामंत्री अनुपम मिश्रा को ''भारतीय सनातन गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश से आए संत-महात्माओं, धर्माचार्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता काशी प्रसाद तिवारी भी उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्त होने पर अनुपम मिश्रा ने कहा कि यह सम्मान भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और राष्ट्रसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रेरणा देगा।



उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता राम कुमार पाल के प्रति आभार व्यक्त किया। अनुपम मिश्रा ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम में पूज्य संतों एवं धर्माचार्यों का सानिध्य और आशीर्वाद प्राप्त हुआ, जो उनके लिए गौरव का विषय है।

बिजली तार पर लटक रही गिलोय की बेल से बालक को लगा करंट, टला बड़ा हादसा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संग्रामपुर/अमेठी। जिले के राजापुर अमेरुवा जरौटा ग्राम सभा के बरईन का पुरवा में रविवार को बिजली के तार पर लटक रही गिलोय की बेल की चपेट में आने से एक बालक को हल्का करंट लग गया। करंट लगने से वह सड़क पर गिर पड़ा, लेकिन गनीमत रही कि उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित है।



ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कई स्थानों पर विद्युत तारों के आसपास गिलोय की बेलें और पेड़ों की डालियां लटक रही हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने विद्युत विभाग से सुरक्षा मानकों के अनुरूप लाइनों के आसपास निरीक्षण और आवश्यक छंटाई कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन व मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) से विद्युत लाइनों की सुरक्षा जांच कराने की अपील की है। साथ ही लोगों से भी बिजली के तारों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और स्वयं छंटाई का प्रयास न करने का आग्रह किया है।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़, 02 गिरफ्तार, भारी मात्रा में तमंचा-करतूस व शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना निगोही पुलिस ने अवैध शस्त्र निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से पुलिस ने भारी मात्रा में देशी तमंचे, कारतूस और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। थाना निगोही पुलिस ने आज मुखबिर की सूचना पर ग्राम भटपुरा मिश्र और ग्राम मिलकिया के मध्य स्थित खंडहर में संचालित अवैध शस्त्र फैक्ट्री पर छापेमारी की। इस दौराप पुलिस ने ग्राम भटपुरा मिश्र निवासी अभियुक्त संतोष पुत्र रामलाल और ग्राम घनश्यामपुर निवासी अनिल सिंह पुत्र गंगा सिंह को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से पुलिस ने पांच देशी तमंचे, एक अधबना तमंचा, कुछ कारतूस और शस्त्र बनाने के उपकरण आदि बरामद किए। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वो लोग कबाड़ी की दुकानों और आरा मशीनों आदि से आवश्यक सामान खरीदकर सुनसान स्थान पर तमंचे तैयार करते हैं और उन तमंचों को होटल एवं ढाबों पर रुकने वाले ट्रक चालकों के माध्यम से तीन से पांच हजार रूपए में बेच देते हैं। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की और विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना निगोही के उपनिरीक्षक नरगेश कुमार और विनोद कुमार के साथ कांस्टेबल अमित पाल, सोहनवीर, सौरव वर्मा मौजूद रहे।



भाजपा अमेठी मंडल की मासिक बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। भारतीय जनता पार्टी अमेठी मंडल की मासिक बैठक रविवार को दुर्गापुर रोड स्थित जनसंपर्क कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में भाजपा नेता अमरेंद्र सिंह 'पिंटू' की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रामशंकर जायसवाल ने की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है।



बैठक में पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय तिवारी, जिला कार्यसमिति सदस्य देवप्रकाश पांडेय, मंडल महामंत्री राकेश पांडेय, अमित शुक्ला, सुमित पांडेय, मंडल मंत्री लल्लन मौर्य, शरद शंकर मिश्र, शंकर दयाल सिंह, आदेश पांडेय सहित मंडल के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

आशुतोष मौर्य ''राजू भैया'' विधायक ने किया श्री दंदरौआ धाम सरकार का भव्य स्वागत

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्थानीय विधायक आशुतोष मौर्य ''राजू भैया'' के आवास पर श्री ददरौआ (दंदरौआ) धाम सरकार (मध्यप्रदेश) के आगमन पर भक्तों और गणमान्य नागरिकों द्वारा उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। इस आध्यात्मिक अवसर पर क्षेत्र के तमाम राजनीतिक और सामाजिक चेहरों ने शिरकत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से घनश्याम माहेश्वरी, जिला उपाध्यक्ष सरिता वार्ष्णेय, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश वार्ष्णेय, जिला मंत्री नीटू पाल और जिला कार्यकारिणी सदस्य संवीर पाल ने महाराज जी का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। उनके साथ ही बार एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश भारद्वाज (एडवोकेट), राजेश भारद्वाज (एडवोकेट), वरिष्ठ पत्रकार सचिन जौहरी, डॉक्टर नवदीप माहेश्वरी, शिवानी माहेश्वरी, सोनू मिश्रा, और पुनीत शाक्य सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भी श्री दंदरौआ सरकार को माल्यार्पण कर उनका वंदन किया।

क्षेत्रीय वैदिक गणित प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर बिसौली प्रथम

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता। बिसौली में क्षेत्रीय वैदिक गणित प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बिसौली के छात्र-छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता मेरठ में आयोजित हुई, जिसमें तीन प्रांतों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय के विद्यार्थी अब अखिल भारतीय वैदिक गणित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए झारखंड जाएंगे। मार्गदर्शक आचार्य रविकान्त पाण्डेय ने बताया कि विद्यार्थियों ने पहले जिला स्तर पर सफलता हासिल की। इसके बाद प्रांत स्तर की प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए मेरठ पहुंचे, जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। अब झारखंड में आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे,प्रधानाचार्य संजीव कुमार यादव ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वैदिक गणित भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है। ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि, तार्किक क्षमता, एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ता है।विद्यालय के प्रबंधक प्रदीप कुमार रस्तोगी, कोषाध्यक्ष नीरज शर्मा सहित प्रबंध समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने विजेता विद्यार्थियों तथा मार्गदर्शक आचार्य रविकान्त पाण्डेय को शुभकामनाएं दीं।

किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के 02 वांछित गिरफ्तार

शाहजहांपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मिर्ज़ापुर पुलिस की प्रभावी कार्यवाही, 16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के प्रकरण में वांछित 02 अभियुक्त गिरफ्तार । बीती 02 अगस्त को एक व्यक्ति ने थाना मिर्ज़ापुर पुलिस को तहरीर देकर अपनी 16 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाने के संबंध में आरोपी अंकित समेत 02 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अपहृता किशोरी को बरामद किया और उसकी मेडिकल रिपोर्ट और बयानों के आधार पर दुष्कर्म और पाक्सों एक्ट की धाराओं में बढ़ोत्तरी की। पीड़िता से की गई पूछताछ में थाना मिर्ज़ापुर क्षेत्र के गांव सिकन्दरपुर कायस्थ निवासी विनोद उर्फ नेता पुत्र राजेन्द्र तथा बदायूं जिले के थाना उसहैत क्षेत्र के गांव कटरा शाहदतगंज निवासी अमर सिंह उर्फ कररु पुत्र रामनिवास के नाम प्रकाश में आए। इसी क्रम में आज थाना मिर्ज़ापुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अमर सिंह उर्फ कररु और विनोद उर्फ नेता को शिव ढाबा जरियनपुर के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में दोनों अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में मिर्ज़ापुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार के साथ उपनिरीक्षक महेशपाल सिंह, जितेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

मंदिर पुनर्निर्माण व सर्पदंश पीड़ित बालिका के इलाज के लिए दी आर्थिक सहायता

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने जरूरतमंदों की सहायता करते हुए आर्थिक सहयोग प्रदान किया। उन्होंने ग्राम पंचायत डालव स्थित एक मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य के लिए पांच हजार रुपये की सहायता राशि दी। इसके अलावा संग्रामपुर विकासखंड के एक गांव की सर्पदंश पीड़ित बालिका के उपचार के लिए उसकी मां को दस हजार रुपये की आर्थिक मदद प्रदान की। बताया गया कि बालिका का उपचार एम्स रायबरेली में चल रहा है। इस दौरान राजेश अग्रहरि ने बालिका के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए वह सदैव तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि इलाज अथवा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए सहायता की जरूरत होने पर यथासंभव सहयोग किया जाएगा। आर्थिक सहायता मिलने पर पीड़ित परिवार ने जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बीरेंद्र यादव सहित अन्य लोग एवं परिजन मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

कुड़वार/सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। बाजार से घर जा रहे बाइक सवार को अनियंत्रित बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी।गम्भीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। शनिवार देर शाम स्थानीय थाना क्षेत्र के नंदन पांडेय का पुरवा कुड़वार निवासी गौरव पांडेय(24) व संदीप पांडेय पुत्रगण सत्यनारायण पाण्डेय बाजार से घर जा रहे थे। तभी कुड़वार ब्लॉक मोड़ के पास सुल्तानपुर की तरफ से आ रही अनियंत्रित बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। घायल अवस्था में गौरव व सौरभ को स्थानीय सीएचसी ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायल गौरव पांडेय को जिला मेडिकल कॉलेज से ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान गौरव की मौत हो गई।सूचना पर लखनऊ पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनो को सौप दिया। जबकि दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गया। मृतक तीन भाइयों पवन,संदीप में सबसे छोटा था। मृतक अभी अविवाहित था। मां आशा देवी सहित परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि दुर्घटना की सूचना पर मौके से दोनों बाइकों को हिरासत में लिया गया है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

लोकतंत्र हमारी इज्जत-सम्मान और जान से भी ज्यादा मूल्यवान है-शिक्षक श्यामलाल निषाद

लम्भुआ कैनविज टाइम्स संवाददाता। आज दिनांक 04-10-2026 को 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के अभियान के अनुक्रम में श्रद्धेय कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में विकास खण्ड भदैयाँ क्षेत्रान्तर्गत रुदौली गांव में पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में बतौर मुख्य अतिथि शिक्षक श्यामलाल निषाद षुरूजी (190 विधानसभा लंभुआ) ने कहा कि लोकतंत्र हमारी इज्जत-सम्मान और जान से भी ज्यादा मूल्यवान है हम उन लोगों के खिलाफ लड़ेंगे जिन्होंने देश भारत की चुनावी पवित्रता को कलंकित किया है। कार्यक्रम में जीशान अहमद, गुरु प्रसाद निषाद सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट सुनवाई से पहले बुलडोजर एक्शन, 26 मकानों पर संकट

तीन सौ से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात,कई परिवारों ने खुद ही तोड़े आशियाने, डीएम को हाईकोर्ट में होना है पेश



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के तरबगंज तहसील क्षेत्र के नगवा और जमुआ गांव में खलिहान और खाद गड्ढे की सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ रविवार को प्रशासन की कार्रवाई शुरू होनी है,बुलडोजर एक्शन को देखते हुए मौके पर तीन सौ से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस टीम को भी मौके पर रखा,गया है। कार्रवाई शुरू होने से पहले रविवार सुबह 11 बजे से कई परिवार खुद अपने मकान तोड़कर सरकारी जमीन खाली करने में जुट गए।दोनों गांवों में कुल 26 मकान खलिहान और खाद गड्ढे की जमीन पर बने होने की बात सामने आई है।कई परिवार अपना सामान घरों से निकाल चुके हैं, जबकि कुछ लोग अभी भी सामान खाली कर रहे हैं।जिन परिवारों के पास रहने के लिए दूसरी जगह नहीं है, वे कार्रवाई रोकने की गुहार लगाते हुए रोते नजर आए।

कई साल से तहसील में चल रहा था मामला

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला कई वर्षों से तरबगंज तहसील में चल रहा था।तहसील प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने के लिए कई बार संबंधित परिवारों को नोटिस दिए गए थे। प्रशा सन का कहना है कि नोटिस के बावजूद अतिक्रम ण नहीं हटाया गया।

हाईकोर्ट में याचिका के बाद बढ़ी कार्रवाई

नगवा गांव निवासी पराग दत्त मिश्रा ने मामले को लेकर लखनऊ हाईकोर्ट का रुख किया था। हाई कोर्ट ने जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन को पांच अक्टूबर को शपथ पत्र के साथ तलब किया है। सुनवाई से पहले ही रविवार को सरकारी जमीन खाली कराने की कार्रवाई की जा रही है।कार्रवाई से पहले कई परिवारों ने अपने घरों से सामान बाह र निकाल लिया।कुछ लोग खुद ही मकान तोड़ रहे हैं। परिवारों का कहना है कि उनके पास रहने के लिए दूसरी जमीन नहीं है।घर टूटने के बाद उनके सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है।कई लोग प्रशासन से कार्रवाई रोकने की मांग करते हुए भा वुक नजर आए।

तीन सौ से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात

कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तीन सौ से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।मुख्य राजस्व अधिकारी रिंकी जायसवाल, एसडीएम तरबगंज सविता शुक्ला,महिला थाना प्रभारी अनीता यादव,वजीरगंज थाना प्रभारी दि नेश प्रताप सिंह और फायर ब्रिगेड के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस भी तैनात की गई है।

आईजीआरएस पर देवीपाटन का दबदबा लगातार सातवीं बार प्रदेश में नंबर वन



मंडलायुक्त खुद फोन कर परख रहीं शिकायतों के निस्तारण की हकीकत

चारों जिलों के डीएम को भी सघन मॉनिटरिंग और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जनशिकायतों के निस्तारण में देवीपाटन मंड ल ने एक बार फिर प्रदेश में अपनी अलग पहचान कायम की है,आईजीआरएस की सितंबर की रैंकिं ग में 91.82 प्रतिशत अंक हासिल कर देवीपाटन मंडल प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा।खास बात यह है कि जून,जुलाई,अगस्त और सितंबर समेत लगा तार सातवीं बार मंडल ने प्रदेश की शीर्ष रैंकिंग में अपना दबदबा कायम रखा है।यह उपलब्धि महज आंकड़ों की बाजीगरी नहीं, बल्कि शिकायतों के निस्तारण की निगरानी,अधिकारियों की जवाबदेही और शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद की उस व्यव स्था का परिणाम मानी जा रही है,जिसे मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्राथमिकता के साथ लागू किया है।

कागजी निस्तारण नहीं, वास्तविक समाधान

मंडलायुक्त की कार्यशैली का सबसे अहम पहलू यह है कि आईजीआरएस पर शिकायत बंद कर देना ही अंतिम लक्ष्य नहीं माना जा रहा।शिकायत कर्ता की समस्या वास्तव में हल हुई या नहीं, इस की भी पड़ताल कीजा रही है,मंडल के चारों जिलों गोण्डा,बहराइच,श्रावस्ती और बलरामपुर में आई जीआरएस प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जा रही है।मंडलायुक्त स्वयं रैंडम आधार पर शिकायत कर्ताओं से फोन पर बात कर निस्तारण का फीड बैक लेती हैं,शिकायतकर्ता की समस्या दूर नहीं हो ने अथवा महज औपचारिक निस्तारण सामने आने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए जाते हैं,यही व्यवस्था शिकायत नि स्तारण को कागज से निकालकर जमीन पर पहुं चा ने में अहम भूमिका निभा रही है।

'मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद से महिलाओं को सीधा मंच

महिलाओं और बेटियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए 'मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद' को भी मंडल की शिकायत निस्तारण व्यवस्था से जोड़ा गया है।इसके माध्यम से महिलाओं की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जा रहा है और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं।इसके साथ ही 'वाद-मुक्त देवीपाटन' समेत अन्य योजनाओं और अभियानों की भी गहन समीक्षा कर मंडल स्तर पर उनकी प्रगति पर नजर रखी जा रही है।

डीएम को भी इसी मॉडल पर निगरानी के निर्देश

मंडलायुक्त की पहल को चारों जिलों में प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए जिलाधिकारियों को भी नियमित निगरानी और समीक्षा के निर्देश दिए गए हैं।उद्देश्य साफ है शिकायतकर्ता को केवल निस्तार ण की सूचना देकर जिम्मेदारी पूरी न मानी जाए, बल्कि समस्या का संतोषजनक समाधान सुनि श्चित किया जाए।

मार्च से सितंबर तक शीर्ष प्रदर्शन

देवीपाटन मंडल का आईजीआरएस प्रदर्शन लगा तार मजबूत रहा है। मार्च 2026 में प्रथम, अप्रैल में प्रथम, मई में द्वितीय तथा जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर में फिर प्रथम स्थान हासिल किया ग या,लगातार बेहतर प्रदर्शन ने मंडल की शिकायत निस्तारण प्रणाली को प्रदेश में अलग पहचान दी है।मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने इस उपलब्धि पर अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में प्रथम स्थान केवल रैंकिंग नहीं,बल्कि जनसमस्याओं के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता और जवाबदेही का परिणाम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायत कर्ता को सिर्फ निस्तारण की सूचना नहीं,बल्कि समस्या का वास्तविक समाधान मिले यही प्रशास न की प्राथमिकता होनी चाहिए।

महामारी की तरह बढ़ते नशे की लत को रोकना आवश्यक प्रो. जितेंद्र सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के मुख्य परिसर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री के राष्ट्रव्यापी संकल्प नशा मु क्त युवाफॉर विकसित भारत ऑफ़ 2047 के ल क्ष्य को प्राप्त करने के लिए छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य प्रो.जितेंद्र सिंह ने छात्रों को नशे से दूर रहने एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका नि भाने के लिए उत्प्रेरित किया,कार्यक्रम के संयोजक प्रो.अभय कुमार श्रीवास्तव ने छात्रों को विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समाज को नशा मुक्त करने का



आवाहन किया। कार्यक्रम में छात्रों ने उक्त विषय पर अपने विचार रखते हुए समाज को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया,इस अवसर पर डॉ दिलीप शुक्ला,हिमांशु यादव,नंदनी तिवारी एवं प्राची तिवारी का सहयोग सराहनीय रहा।नशा मुक्ति युवा फॉर विकसित भारत ऑफ़ 2047 समिति की संयोजक डॉ रेखा शर्मा ने कार्य क्रम की सफलता पर सभी छात्र-छात्राओं एवं शि क्षकों को बधाई दी,कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया,कार्यक्रम में कुल 75 छात्र,एवं

बाढ़ में नाव बनी मौत का सफर, 9 साल का शिवा गहरे पानी में समाया



पतवार टूटी, नाव डगमगाई और बुझ गया घर का चिराग

बुआ को लेने निकला था मासूम, बीच धार में टूटी नाव की पतवार; संतुलन बिगड़ा तो पानी में गिरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में बाढ़ का पानी अब सिर्फ रास्ते ही नहीं रोक रहा, बल्कि लोगों की जिंदगी पर भी भारी पड़ने लगा है।नवाबगंज थाना क्षेत्र के दत्तन गर गांव के मजरा चहलवा में रविवार को बाढ़ के गहरे पानी में नाव से गिरकर नौ वर्षीय शिवा पुत्र शिवकुमार की मौत हो गई।मासूम अपनी बुआ को लेने नाव से गया था, लेकिन बीच धार में पतवार टूटने के बाद नाव डगमगाने लगी और वह पानी में गिर गया।तेज बहाव और गहराई के बीच ग्रामीणों ने काफी प्रयास किया,लेकिन तब तक उसकी मौ त हो चुकी थी।

पतवार टूटी और छिन गई मासूम की जिंदगी

ग्रामीणों के मुताबिक चहलवा गांव चारों तरफ से बाढ़ के पानी से घिरा है और आवागमन के लिए नाव ही एकमात्र सहारा बनी हुई है। शिवा अपनी बुआ को लेने नाव लेकर गया था।नाव में उसकी बुआ और बुआ का बेटा भी सवार थे। गांव से कुछ दूरी पर गहरे पानी में पहुंचते ही अचानक नाव की पतवार टूट गई। नाव डगमगाई और इसी दौरान शिवा संतुलन खोकर बाढ़ के पानी में जा गिरा।

शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद बच्चे को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। हादसे की खबर घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। मां का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातम पसरा है।

सरकारी नावों की व्यवस्था पर उठे सवाल

हादसे के बाद ग्रामीणों में प्रशासन की बाढ़ व्यव स्था को लेकर आक्रोश है।ग्रामीणों का आरोप है कि बाढ़ क्षेत्र में संचालित सरकारी नावों पर प्रशि क्षित नाविकों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और कई जगह अप्रशिक्षित अथवा नाबालिग लोगों से नावें चलवाई जा रही हैं।उनका कहना है कि अनुभवी नाविक मौजूद होता तो पतवार टूटने के बाद स्थि ति को संभालने में मदद मिल सकती थी।ग्रामीणों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हर सरकारी नाव पर दो प्रशिक्षित नाविक और पर्याप्त लाइफ जैकेट उपल ब्ध कराने की मांग की है।हादसे ने यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि जब बाढ़ के बीच नाव ही ह जारों लोगों की जिंदगी का सहारा है,तो उनकी सुर क्षा के इंतजाम कितने पुख्ता हैं ?

पुलिस पहुंची, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

सूचना मिलने पर नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुं ची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लि ए जिला मुख्यालय भेज दिया।राजस्व विभाग की टीम भी गांव पहुंची।तहसीलदार ने लेखपाल को मृतक के परिवार की रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष और बाढ़ आपदा के तहत मिल ने वाली आर्थिक सहायता की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।मासूम की मौत के बाद अब सब से बड़ा सवाल यही है कि बाढ़ प्रभावित गांवों में नावों की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी आखिर किसकी है और क्या अगले हादसे का इंतजार किया जाएगा ?

शारदीय नवरात्रि पर सतरूपा अष्टभुजा दुर्गा मंदिर में होंगे विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच । शारदीय नवरात्रि को लेकर सतरूपा अष्टभुजा दुर्गा मंदिर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। रविवार को मंदिर परिसर में समिति की बैठक आयोजित कर नवरात्रि के दौरान होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विभिन्न कार्यक्रमों की तिथियां और समय सर्वसम्मति से निर्धारित किए गए। बैठक की अध्यक्षता केशव पांडेय ने की। तय कार्यक्रम के अनुसार 15 अक्टूबर को पंचमी तिथि पर शाम 6 बजे मातृ पूजन, 16 अक्टूबर को षष्ठी तिथि पर शाम 6 बजे प्रश्न मंच तथा 17 अक्टूबर को सप्तमी तिथि पर शाम 6 बजे भगवान रूप सज्जा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भगवान रूप सज्जा कार्यक्रम में अधिकतम



10 वर्ष तक की आयु के बच्चे प्रतिभाग कर सकेंगे। इसी क्रम में 18 अक्टूबर को शाम 6 बजे सिद्धिदात्री मां की गोद भराई तथा रात 8 बजे आरती के बाद डांडिया नृत्य कार्यक्रम होगा। 19 अक्टूबर को नवमी तिथि पर सुबह 11 बजे कन्या पूजन और दोपहर 3 बजे से भंडारा-प्रसाद का आयोजन किया जाएगा, जो प्रभु की इच्छा तक जारी रहेगा। बैठक में संत बहादुर वर्मा, अमित पांडेय, रामगोपाल मिश्रा, संदीप साहू, प्रिया सोनी, डॉ. वीरांगना कांत, पंकज गुप्ता, डीके श्रीवास्तव, राजेंद्र प्रकाश मित्तल, मनोज सोनी सहित मंदिर समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कागज पर मजदूरों की कतार, मौके पर सन्नाटा करौंदी में मस्टर रोल ने बढ़ाई बेचैनी



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । ग्रामीण गरीब परिवारों को रोजगार देने और गांवों में विकास कार्य कराने वाली विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामी ण (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत ग्राम सभा करौंदी में कराए जा रहे कार्यों की मस्टर रोल में द र्ज हाजिरी सवालों के घेरे में है।आरोप है कि कार्य स्थल पर जितने श्रमिक वास्तव में मौजूद रहे, उस से कहीं अधिक नाम मस्टर रोल में दर्ज किए गए। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो मामला केवल कागजी हाजिरी तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि स रकारी धन के इस्तेमाल और निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े होंगे।जानकारी के अनुसार 26 और 27 सितंबर को करीब 29 श्रमिकों, जब कि 28 सितंबर से दो अक्टूबर तक करीब 45 श्र मिकों की हाजिरी दर्ज किए जाने की बात सामने आई है।स्थानीय स्तर पर दावा है कि मस्टर रोल में दर्ज संख्या और मौके पर काम करने वाले श्रमिकों की वास्तविक संख्या में अंतर है।कुछ ऐसे नाम भी सामने आने की बात कही जा रही है,जो कथित तौ र पर नियमित रूप से कार्यस्थल पर काम करने न हीं आते।

मस्टर रोल में 45 नाम,..मौके पर श्रमिक कितने ? करौंदी में हाजिरी पर उठे गंभीर सवाल.

ग्रामीणों ने जताई गड़बड़ी की आशंका, मस्टर रोल से लेकर भुगतान और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच

करौंदी में उठे सवालों के बीच स्थलीय जांच की मांग सत्यापन के बाद ही साफ होगी हाजिरी की असली तस्वीर

गांव से बाहर बताए जा रहे लोग, फिर भी मस्टर रोल में हाजिरी!

मामले को और गंभीर इसलिए माना जा रहा है क्योंकि सूत्रों का दावा है कि मस्टर रोल में दर्ज कु छ लोग रोजगार के सिलसिले में संबंधित अवधि में गांव से बाहर थे।इसके बावजूद यदि उनके नाम पर कार्यस्थल पर उपस्थिति दर्ज हुई है,ऐसे में सवाल है कि क्या संबंधित श्रमिक वास्तव में बताए गए दिनों में कार्यस्थल पर मौजूद थे ? क्या मस्टर रोल में दर्ज संख्या के अनुरूप मौके पर काम हुआ ? और जिन लोगों के नाम पर हाजिरी दर्ज है, उनकी वास्तविक उपस्थिति का प्रमाण क्या है ? वही कैनविज टाइम्स इन आरोपों की पुष्टि नहीं करता है।

कागज की हाजिरी या जमीन पर हुआ काम

मनरेगा जैसी ग्रामीण रोजगार योजनाओं में मस्टर रोल महज कागजी दस्तावेज नहीं, बल्कि श्रमिकों की उपस्थिति और भुगतान का महत्वपूर्ण आधार है।इसलिए मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए मस्टर रोल,श्रमिकों की वास्तविक उपस्थिति,आधा र आधारित/डिजिटल उपस्थिति रिकॉर्ड, कार्यस्थ ल के फोटो रिकॉर्ड, माप पुस्तिका और भुगतान अभिलेखों का आपस में मिलान जरूरी है।यदि अभिलेखों और मौके की स्थिति में अंतर मिलता है तो जिम्मेदारी तय करने का सवाल भी उठेगा।

निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि रिकॉर्ड में ब ड़ी संख्या में श्रमिक दर्ज हैं तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर इसकी हकी कत देखनी चाहिए।सवाल यह भी है कि कार्यस्थ ल का नियमित सत्यापन किस स्तर पर हुआ और मस्टर रोल में दर्ज श्रमिकों की उपस्थिति का परी क्षण कैसे किया गया।

अब जांच से खुलेगा हाजिरी का राज

करौंदी में उठे सवालों का जवाब अब निष्पक्ष जांच से ही मिल सकता है।मस्टर रोल में दर्ज नामों का मौके की उपस्थिति और भुगतान रिकॉर्ड से मिला न कराया जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।यदि आरोप निराधार हैं तो जांच से स्थि ति स्पष्ट होगी और यदि अनियमितता मिलती है तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई का रास्ता साफ होगा।अब निगाहें विकास विभाग और रोजगार योजना से जुड़े उच्चाधिकारियों पर हैं कि वे मामले का संज्ञान लेकर स्थलीय जांच और अभिलेखों के सत्यापन की कार्रवाई करते हैं या नहीं। फिलहाल करौंदी में सबसे बड़ा सवाल यही है मस्टर रोल में दर्ज हाजिरी कितनी हकीकत और कितनी कागज पर है ?

सिलेंडर में गैस नहीं, सिस्टम में 'लीकेज! भभुआ में खुलेआम अवैध रिफिलिंग का खेल



जान जोखिम में,जिम्मेदार बेखबर: भभुआ में खुले आम कथित अवैध गैस रिफिलिंग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के कथित अवैध रिफिलिंग कारोबार ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र की भभुआ पुलिस चौकी के पास खुलेआम गैस रिफिलिंग किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि लोगों की जान जोखिम में डालकर यह कारोबार लंबे समय से संचालित हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई जमीन पर नजर नहीं आ रही है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि रिहायशी और बाजार क्षेत्रों के आसपास इस तरह गैस की रिफिलिंग किया जाना कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। इसके बावजूद स्थानीय पुलिस और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

वीडियो वायरल, लेकिन कार्रवाई कहाँ ?.

अवैध गैस रिफिलिंग किए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की बात सामने आई है। वीडियो में कथित तौर पर गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग होती दिखाई दे रही है। कैनविज टाइम्स वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है।यदि वीडियो सही पाया जाता है तो यह सीधे तौ र पर सुरक्षा व्यवस्था और जिम्मेदार विभागों की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

छह महीने में कार्रवाई का हिसाब देने की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले करीब छह महीनों में जिले में अवैध गैस रिफिलिंग के खिला फ कितनी कार्रवाई हुई, कितने मामले पकड़े गए और कितने लोगों के खिलाफ मुकदमा या जुर्माना लगाया गया इसका सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने आ ना चाहिए।आरोप है कि होटलों,ढाबों और व्याव सायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों के कथित इस्तेमाल पर भी प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

एजेंसियों की भूमिका पर भी उठे सवाल

विभागीय सूत्रों के हवाले से यह भी आरोप सामने आया है कि कुछ गैस एजेंसी संचालकों की कथित मिलीभगत से अवैध रिफिलिंग का कारोबार चल रहा है।हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।आरोप है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए नि र्धारित सिलेंडरों की कथित तौर पर अवैध कारोबा रियों तक पहुंच बनाई जाती है और आम उपभो क्ताओं को सिलेंडर के लिए इंतजार करना पड़ता है।

जांच हुई तो सामने आ सकता है पूरा नेटवर्क

मामले की निष्पक्ष जांच होने पर यह स्पष्ट हो सकता है कि अवैध रिफिलिंग के लिए गैस सिलें डर कहां से पहुंच रहे हैं,कौन लोग इसमें शामिल हैं और क्या किसी गैस एजेंसी की भूमिका है,ऐसे मा मलों में केवल छोटे स्तर पर कार्रवाई के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क की जांच जरूरी है।वही घरेलू गैस सिलेंडर ज्वलनशील होने के कारण इनके साथ नि यमों के विरुद्ध छेड़छाड़ गंभीर सुरक्षाजोखिम पैदा कर सकती है।ऐसे में सवाल यह है कि यदि भभु आ चौकी के आसपास कथित तौरपर अवैध रिफि लिंग का कारोबार चल रहा है तो संबंधित विभागों को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई .....? और यदि जानकारी हुई, तो अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई ? वही अवैध रिफिलिंग स्टेशन संचालित करने वालों पर कार्रवाई वालों के बारे में जानकारी के लिए जिला पूर्ति अधिकारी से दूरभाष पर संप र्क किया गया तो उनका फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर बताया और जानकारी नहीं मिल पाई है।

शहीद की अंतिम यात्रा बनी चार जिंदगियों का आखिरी सफर, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसे में चार की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बल्दीराय/सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार की सुबह एक ऐसा हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। एक ओर देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीद सूबेदार मेजर सत्यवान का पार्थिव शरीर अंतिम विदाई के लिए उनके घर ले जाया जा रहा था, तो दूसरी ओर उसी अंतिम यात्रा को लेकर जा रही एंबुलेंस चार लोगों की जिंदगी का आखिरी सफर बन गई। हलियापुर थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 79.6 के पास एंबुलेंस की आगे चल रहे ट्रक से भीषण टक्कर हो गई। हादसे में एंबुलेंस चालक समेत चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एंबुलेंस चंडीगढ़/पंचकूला से शहीद सूबेदार मेजर सत्यवान का पार्थिव शरीर लेकर गाजीपुर/देवरिया की ओर जा रही थी। रविवार सुबह जब एंबुलेंस पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हलियापुर क्षेत्र से गुजर रही थी, तभी वह अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें सवार लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। इस दर्दनाक हादसे में एंबुलेंस चालक जसपाल (30), साजन सिंह (35), गौरव सिंह (28) और राम समुझ सिंह (40) की मौके पर ही मौत हो गई। एक तरफ शहीद के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके गंतव्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी थी, वहीं दूसरी तरफ इस हादसे ने चार परिवारों के जीवन में ऐसा अंधेरा भर दिया, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अमरिया ब्लॉक में हुई जागरूकता बैठक, डीएम ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पीलीभीत।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की निरंतर जनसेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यों के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत रविवार को अमरिया ब्लॉक सभागार में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी आलोक कुमार ने की।कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जागरूक करना रहा।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव-गांव तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जाए, जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।रोजगार सेवकों को किया सम्मानित इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले रोजगार सेवक अवधेश कुमार, अमनदीप कौर, प्रेम शंकर, राजेंद्र, देवकी देवी एवं ग्राम पंचायत बिरहनी की महिला मेट ममता को जिलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण का लाभ पहुंचाना है।बैठक में ग्रामीणों को विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं एवं जिज्ञासाएं भी सुनीं तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख श्याम सिंह, खंड विकास अधिकारी दिनेश सिंह, एपीओ अनवर मलिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस ने पच्चीस हजार रुपये के इनामी अपराधी को भेजा जेल

अमेठी,थाना शिवरतनगंज पुलिस ने बीसी संचालक के घर में घुसकर लूट का प्रयास करने वाले पच्चीस हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तमंचा, एक जिन्दा कारतूस बरामद किया गया है।थाना क्षेत्र के कस्बा शिवरतनगंज निवासी सत्य प्रकाश साहू के घर में घुसकर बेखौफ बदमाशो द्वारा तमंचे के बल पर लूटपाट का प्रयास किया गया था जिसमें एक युवक को ग्रामीणों ने मौके से ही पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था जबकि उसका दूसरा साथी भागने में सफल रहा जिस पर पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने पच्चीस हजार रुपये का इनाम घोषित किया था जिसकी स्थानीय पुलिस द्वारा तलाश की जा रही थी।थाना शिवरतनगंज के उप निरीक्षक कुंवर सिंह मय हमराह द्वारा पच्चीस हजार रुपये का इमानिया व वांछित सूरज यादव पुत्र लालबहादुर यादव निवासी पूरे शुक्लन मजरे पेड़रिया थाना शिवरतनगंज को गिरफ्तार किया गया।पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में शातिर अपराधी के कब्जे से एक तमंचा, एक जिन्दा कारतूस बरामद हुआ है।

विकासखंड मरौरी में सेवा संकल्प अभियान के तहत हुई गोष्ठी, सांसद जितिन प्रसाद ने किया जन संवाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पीलीभीत।विकासखंड मरौरी में सेवा संकल्प अभियान के तहत एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकप्रिय सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद रहे। उन्होंने गोष्ठी में उपस्थित जनता से जन संवाद किया और सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।गोष्ठी के दौरान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की गई और लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। जितिन प्रसाद ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, क्षेत्रीय मंत्री सतनाम सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अतिन्द्र पाल सिंह, महादेव गायन, आयुष मिश्रा, जिला मंत्री अनुराग अग्निहोत्री, क्षेत्र पंचायत सदस्य तेजराम वर्मा, सोहनलाल, शांति स्वरूप पाल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

आरोग्य भारती की जिला कार्यकारिणी का पुनर्गठन

स्वास्थ्य जागरुकता अभियान पर बनी रणनीति

कैनविज टाइम्स संवाददाता



कुशभवनपुर/सुलतानपुर। आरोग्य भारती जिला सुलतानपुर (कुशभवनपुर) की जिला कार्यकारिणी का पुनर्गठन रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विभाग कार्यालय, लवकुश नगर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. वीरेश अग्रहरि ने धन्वन्तरि स्तवन के साथ किया। पुनर्गठन के दौरान पूर्व जिला कार्यकारिणी को लगभग यथावत रखते हुए डॉ. सुनील कुमार मिश्रा को जिला सह सचिव तथा डॉ. प्रशान्त श्रीवास्तव को सुलतानपुर-अमेठी विभाग का संयोजक बनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता काशी प्रान्त सह सचिव डॉ. अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि आरोग्य भारती का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार, स्वस्थ ग्राम और स्वस्थ राष्ट्र के संकल्प को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्वास्थ्य जागरूकता को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। विभाग संघचालक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल तथा भारतीय जीवन पद्धति को अपनाने पर जोर दिया। वहीं प्रान्त सह सद्भाव प्रमुख डॉ. रमा शंकर मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को सेवा भावना के साथ कार्यनिष्ठ एवं अनुशासित व्यवहार को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी। बैठक में आगामी दिनों में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, योग कार्यक्रम एवं चिकित्सा शिविरों के आयोजन को लेकर कार्ययोजना भी तैयार की गई। पदाधिकारियों ने समाज के बीच स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने और भारतीय चिकित्सा एवं जीवन पद्धति के प्रति लोगों को प्रेरित करने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अग्रहरि, डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, डॉ. राम चरित पाण्डेय, डॉ. अजय, डॉ. अनूप मिश्रा सहित कार्यकारिणी के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव डॉ. प्रदीप मिश्रा ने किया। अंत में आभार व्यक्त किया गया तथा डॉ. दीपक कुमार दुबे द्वारा शांति मंत्र पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दिव्यांग की साइकिल बरामद करने में चौकी इंचार्ज सहित पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा चौकी से कुछ ही दूरी पर एक दिव्यांग व्यक्ति की आजीविका का सहारा बनी साइकिल को चोरों ने चुरा लिया था। पीड़ित दिव्यांग ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद कस्बा चौकी इंचार्ज जयप्रकाश भारती के निर्देश पर पुलिस कर्मियों ने जिस तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया, वह पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिसकर्मियों ने दिन-रात एक कर न केवल साइकिल बरामद की, बल्कि एक दिव्यांग के चेहरे पर मुस्कान भी लौटा दी। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के कस्बा चौकी इलाके का है। अहमदनगर निवासी अफसर, जो शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं, अपनी साइकिल के सहारे ही अपना जीवन यापन करते हैं। यही साइकिल उनके लिए पैर का काम करती है। वह इसी साइकिल से बाजार जाते हैं, सामान लाते हैं और अपने दैनिक कार्य पूरे करते हैं। कुछ दिन पूर्व अफसर अपनी साइकिल को हमेशा की तरह कस्बा चौकी से थोड़ी दूरी पर एक दुकान के बाहर खड़ी करके अंदर गए थे। जब वह कुछ ही मिनटों बाद बाहर लौटे तो उनकी साइकिल वहां से गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी जब साइकिल नहीं मिली तो उन्हें समझ आ गया कि उनकी साइकिल चोरी हो गई है। साइकिल चोरी होने से दिव्यांग अफसर पूरी तरह से टूट गए, क्योंकि उनके पास दूसरी साइकिल खरीदने के पैसे भी नहीं थे और यही उनके चलने-फिरने का एकमात्र साधन थी।थोड़ी हिम्मत जुटाकर दिव्यांग अफसर ने इस मामले की लिखित सूचना पूरनपुर कोतवाली पुलिस को दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कोतवाली प्रभारी पवन कुमार पांडे ने तत्काल कस्बा चौकी इंचार्ज को इस मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए। कस्बा चौकी इंचार्ज ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया। उन्होंने इसे केवल एक साइकिल चोरी के रूप में नहीं, बल्कि एक दिव्यांग व्यक्ति की गतिशीलता और उसके स्वाभिमान से जुड़ा मामला माना। उन्होंने तत्काल अपनी टीम के दो जवानों, हेड कांस्टेबल रोशन लाल और कांस्टेबल विनय कुमार को साइकिल बरामद करने के कार्य में लगा दिया।

शोएब अहमद बने धामी सरकार में दर्ज़ा राज्य मंत्री जताया मुख्यमंत्री का आभार

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नैनीताल।समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रमुख महासचिव शोएब अहमद को उत्तराखंड सरकार में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक हुनर परिषद का उपाध्यक्ष बनाया गया है, जिसे दर्ज़ा राज्य मंत्री का दर्ज़ा प्राप्त है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से आदेश जारी होने के बाद हल्द्वानी की राजनीति में इसे अहम राजनीतिक घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है।शोएब अहमद को सरकार में जिम्मेदारी मिलने से उनकी राजनीतिक सक्रियता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हल्द्वानी निवासी शोएब अहमद वर्ष 2017 से 2025 तक समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव रहे। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी के तौर पर उन्होंने चुनाव लड़ा था और उन्हें करीब 11 हजार वोट मिले थे। इसके बाद 2022 में उन्होंने फिर विधानसभा चुनाव लड़ा और करीब 2400 वोट हासिल किए। वर्ष 2019 में उन्होंने समाजवादी पार्टी के टिकट पर महापौर का चुनाव भी लड़ा था। इससे पहले वह कांग्रेस में भी सक्रिय रहे हैं।

उनके राजनीतिक सफर की बात करें तो 1988 में वह एनएसयूआई के नगर अध्यक्ष व संयुक्त सचिव रहे। 1995 से 1998 तक यूथ कांग्रेस तथा प्रदेश अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। लंबे राजनीतिक अनुभव के बाद समाजवादी पार्टी छोड़कर उन्होंने भाजपा का दामन थामा था।नई जिम्मेदारी मिलने के बाद शोएब अहमद ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें जो नई जिम्मेदारी मिली है, उसके तहत वह पूरे उत्तराखंड के अल्पसंख्यक समाज तक सरकार की हर योजना का लाभ पहुंचाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में प्रदेश में अल्पसंख्यक समाज के हुनर को निखारने और रोजगार से जोड़ने के लिए काम किया जाएगा। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि एक बार फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में भाजपा की सरकार बनेगी।

बाप और बेटी का संसार में सबसे पवित्र रिश्ता है : आचार्य शान्तनु जी महाराज

कैनविज टाइम्स संवाददाता



तिलोई अमेठी । आरबीएस इण्टर कालेज तिलोई के प्रांगण में राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह द्वारा आयोजित नौ दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा के चतुर्थ दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास आचार्य शान्तनु जी महाराज ने कहा कि बेटा भाग्य तो बेटी सौभाग्य से पैदा होती है और इस संसार में बाप बेटी का रिश्ता सबसे पवित्र रिश्ता है।कथा व्यास आचार्य शान्तनु जी महाराज ने कहा कि भगवान और जानकी जी दोनों की अवस्था किशोरावस्था है और यह अवस्था जीवन की सबसे महत्वपूर्ण और सबसे खतरनाक होता है इसलिये यह अवस्था सुधरे इसके लिये बालकों को गुरु पूजा एवं बालिकाओं को गौरी पूजा करना चाहिये गुरु यानी क्या गुरु यानी शुभ मर्यादा आज्ञाकारीता आदि ऐसे गुणवाचक शब्द जो भी हैं और गौरी अनी गुणों की खान वह पत्थर की प्रतिमा नही अपितु गौरी रानी गरिमा महिमा वात्सल्य करूना दया आदि रंगभूमि जब भगवान का प्रवेश हुआ तो सभी राजा अपनी अपनी भावना के अनुसार भगवान का दर्शन करने लगे। धनुष यज्ञ के प्रसंग में महाराज जी ने कहा बहुत सारे राजाओं ने धनुष को तोड़ने का प्रयत्न किया लेकिन किसी से नहीं टूटा क्योंकि यह सभी राजा मोर थे और भगवान धनुष को क्षण भर में भी तोड़ दिए क्योंकि धनुष अहंकार का प्रतीक होता है और भगवान क्षणभर से कम में तोड़ देते हैं और भगवान के द्वारा धनुष टूटते ही सारे जग में शोर हो गया खुशियां मनाई जाने लगी और मानव धनुष टूटने के साथ ही भगवान का विवाह पूर्ण हो गया लक्ष्मण परशुराम संवाद को भी महाराज जी ने सुनाया अयोध्या से बारात आई और भगवान का सुंदर विवाह महाराज जनक के आंगन में हुआ आज भगवान और भक्ति का मिलन हो गया और सखियों ने मंगल गीत गाकर बधाई दी महाराज जी ने जानकी जी के विदाई के प्रसंग में कहा कि बेटियां ही घर की लक्ष्मी होती है जब बेटी विदा होती है कठोर से कठोर दिल का बाप भी रो पड़ता है क्योंकि बाप और बेटी का रिश्ता संसार में सबसे पवित्र है बाप बेटी से ही अपने मन की बात तथा बेटी बाप से ही अपने मन की बात करती है। श्रीराम कथा के चतुर्थ दिवस पर श्रोताओं को सीएमओ डॉ अंशुमान सिंह द्वारा प्रसाद वितरित किया गया।यजमान अंकिता सिंह बबलू सिंह ने पूजन किया। राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

भ्रष्टाचार के दलदल में फंसा बीसलपुर पूर्ति विभाग,जांच से पहले ही तैयार कर दी जांच आख्या मामला बना चर्चा का विषय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। बीसलपुर पूर्ति विभाग एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। राशन कार्ड प्रकरण में जांच से 11 दिन पहले ही जांच आख्या तैयार कर देने का मामला सामने आया है, जिसने पूरी जांच प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं।मामले के अनुसार, 03 सितंबर 2026 को पूर्ति विभाग, बीसलपुर द्वारा राशन कार्ड प्रकरण में जांच के आदेश जारी किए गए। हैरानी की बात यह है कि उसी दिन 03 सितंबर को ही विपक्षी राम खिलौना का शपथपत्र तैयार और सत्यापित हुआ और शाम 04:18 बजे ई-स्टाम्प जारी हो गया। इससे भी गंभीर तथ्य यह है कि सचिव द्वारा 03 सितंबर 2026 को ही जांच आख्या भी प्रस्तुत कर दी गई। जबकि उपलब्ध जीपीएस फोटो और रिकॉर्ड के अनुसार वास्तविक स्थलीय जांच 11 दिन बाद 14 सितंबर 2026 को दोपहर 12:52 बजे हुई। बाद में हुई स्थलीय जांच में सामने आए तथ्यों से मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हुई, जिससे पहले प्रस्तुत की गई जांच आख्या के आधार और प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़ित ने जिलाधिकारी पीलीभीत से मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि विशेष रूप से जांच की जाए कि 03 सितंबर की जांच आख्या किस आधार पर और किन अभिलेखों/साक्ष्यों पर तैयार की गई। यह सत्यापित कराया जाए कि स्थलीय जांच से पहले जांच आख्या कैसे प्रस्तुत कर दी गई।

साथ ही 03 सितंबर को जारी जांच आदेश के निर्गमन, प्रेषण एवं प्राप्ति की पूरी टाइमलाइन निकाली जाए। यह भी पता लगाया जाए कि विपक्षी राम खिलौना को जांच की सूचना किस अधिकारी/कर्मचारी के माध्यम से और किस समय मिली, जिसके बाद उसी दिन शपथपत्र तैयार करा लिया गया।पीड़ित ने मांग की है कि 03 सितंबर की जांच आख्या और 14 सितंबर की वास्तविक स्थलीय जांच के तथ्यों का बिंदुवार मिलान कराया जाए और जांच प्रक्रिया से जुड़े संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों से इस विसंगति पर लिखित स्पष्टीकरण लिया जाए। यदि जांच में पूर्व सूचना, पूर्व समन्वय या गलत तथ्य प्रस्तुत करने की अनियमितता प्रमाणित होती है तो जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

ढक्का चाट में जंगली जानवरों के खतरे से ग्रामीणों को बचाने की मांग, भीम आर्मी ने वन विभाग को सौंपा ज्ञापन

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूरानपुर तहसील क्षेत्र के गांव ढक्का चाट गांव में वन्यजीवों की आवाजाही से बच्चों और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर भीम आर्मी ने चिंता जताई है। संगठन के कार्यकर्ताओं ने वन विभाग को ज्ञापन सौंपकर गांव व रास्ते पर जंगली जानवरों से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कराने की मांग की।ज्ञापन में कहा गया कि गांव और आसपास के क्षेत्रों में जंगली जानवरों की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। सबसे अधिक चिंता बच्चों की सुरक्षा को लेकर है। बच्चे पढ़ाई और अन्य जरूरी कामों के लिए घरों से बाहर निकलते हैं। ऐसे में वन्यजीवों के हमले की आशंका बनी रहती है। संगठन ने वन विभाग से गांव में नियमित गश्त कराने, वन्यजीवों की निगरानी बढ़ाने और ग्रामीणों को जागरूक करने की मांग की। साथ ही किसी अप्रिय घटना से पहले सुरक्षा के प्रभावी कदम उठाने की अपील की, ताकि ग्रामीणों और बच्चों को भयमुक्त माहौल मिल सके।

चंदिया हजारा के जंगल में पहुंचे नेपाली हाथी, ग्रामीणों में दहशत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र के गांव चंदिया हजारा के नजदीक जंगल में नेपाली हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है।हाथियों के जंगल में चहलकदमी करने का वीडियो रविवार दोपहर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वायरल वीडियो शनिवार रात का बताया जा रहा है, जिसमें हाथी जंगल के आसपास घूमते दिखाई दे रहे हैं।हाथियों की मौजूदगी की खबर से जंगल किनारे बसे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों को आशंका है कि हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर खेतों की ओर पहुंच सकता है, जिससे धान और गन्ने की फसलों को नुकसान हो सकता है। क्षेत्र में पहले भी हाथियों की आवाजाही से किसानों को फसलों के नुकसान का सामना करना पड़ा है।वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीणों के बीच हाथियों की गतिविधियों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। लोगों का कहना है कि यदि हाथियों का झुंड आबादी और खेतों की ओर बढ़ता है तो जनहानि और फसल नुकसान का खतरा हो सकता है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने और गांव के लोगों को सतर्क करने की मांग की है।

नवरात्र में असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी : सीओ

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना शिवरतनगंज के प्रांगण में रविवार को दुर्गापूजा दशहरा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा ने दुर्गापूजा कमेटियों के साथ ही सम्भ्रांत नागरिकों को सम्बोधित करते हुये कहा कि दुर्गा पूजा आयोजित करने वाले लोग तहसील प्रशासन से अनुमति अवश्य ले और बिना अनुमति के दुर्गा पूजा पंडाल न सजाएं।पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के सम्पूर्ण इंतजाम किये गये है।क्षेत्राधिकारी ने शांतिपूर्ण ढंग से नवरात्र और दशहरा का त्यौहार मनाने का निर्देश दिया है।उन्होंने कहा कि पर्व में डीजे की आवाज का विशेष ख्याल रखा जाय इसमें अश्लील गाना बजाने पर पूरी तरह पाबंदी है। विजयादशमी व मूर्ति विसर्जन के दिन ज्यादा भीड़ को देखते हुये सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये है। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें अगर कोई अफवाह फैलाने का प्रयास करता है तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें।थानाध्यक्ष दया शंकर मिश्रा ने कहा कि थाना शिवरतनगंज क्षेत्र में कुल छियालिस स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की जाती है। नवरात्र में हुड़दंग करने वालों एवं असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी पंडालों मे सीसीटीवी कैमरा और अग्निशमन यंत्र विशेष रूप से लगाया जाय।इस मौके पर समस्त दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

बरखेड़ा में भाजपा मंडल कार्य समिति की बैठक सम्पन्न, सेवा कार्यों की समीक्षा

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। ब्लॉक सभागार बरखेड़ा में भाजपा बरखेड़ा मंडल की मंडल कार्य समिति बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ स्वर्गीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया।बैठक के मुख्य अतिथि बरखेड़ा मंडल प्रभारी हर्षित चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद रहे। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल कश्यप ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री सूरज श्रीवास्तव ने किया।मुख्य अतिथि हर्षित चौधरी ने कार्यकर्ताओं के साथ सेवा संकल्प अभियान के कार्यों की समीक्षा की और मन की बात कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय होने का आह्वान किया।

सम्पादकीय

एसआईआर और पढ़ाई

देश भर में वोटर लिस्टों में संशोधन के उद्देश्य से चलाये जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर आज प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से कड़ी जांच के दायरे में हैं। करोड़ों नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने के आरोप भी लगे हैं। राजनीतिक प्रतिरोध मुखर होने के बाद अब भारत के चुनाव आयोग ने राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे उन इलाकों में छूट गए और नये वोटरों को शामिल करने के लिये विशेष अभियान चलाएं, जहां लिस्ट में सुधार का काम पूरा हो चुका है। निस्संदेह, स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का दायरा बहुत बड़ा है। देश में आजकल इसका तीसरा चरण चल रहा है। जिसके चलते छात्रों की पढ़ाई में आ रहे व्यवधान से समस्या जटिल हो गई है। देश में बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर यानी बीएलओ सरकारी स्कूलों के शिक्षक हैं। जिनके एसआईआर में लगे होने के कारण छात्रों की पढ़ाई पर खासा प्रतिकूल असर पड़ रहा है। मसलन, कर्नाटक में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्र मिड-टर्म परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वजह स्पष्ट है कि उनके शिक्षक पिछले तीन महीनों से स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के कार्य में ड्यूटी कर रहे हैं। जिसके चलते नियमित कक्षाएं नहीं चल पायी हैं। इसी तरह महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से भी ऐसी ही व्यवधान की खबरें आ रही हैं। दरअसल, शिक्षक अपना काफी समय वोटर वेरिफिकेशन, मीटिंग और आंकड़े जुटाने में लगा रहे हैं। बताते हैं कि मुंबई के एक स्कूल के 34 में से 24 शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं। ऐसे में अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि छात्रों की पढ़ाई किस हद तक प्रभावित हो रही होगी। इसमें दो राय नहीं है कि पारदर्शी लोकतंत्र के लिये वोटर लिस्ट में सुधार करना निश्चित रूप से जरूरी है। मकसद यही है कि कोई योग्य वोटर न छूट जाए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश के सरकारी स्कूल पहले से ही अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता और पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में छात्रों के दाखिले प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि देश में करीब एक लाख स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। वहां छात्रों की पढ़ाई का स्तर क्या होगा, इस बात का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे वातावरण में सवाल यह है कि आने वाले दिनों में छात्रों की पढ़ाई को प्रभावित किए बिना एसआईआर का कार्य किया जा सकता है? निस्संदेह, स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का कार्य अपने आप में लोकतंत्र में पारदर्शिता के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण कार्य है। लेकिन वहीं दूसरी ओर एक तथ्य सर्वविदित भी है कि 'शिक्षा के अधिकार अधिनियम' की धारा 27 शिक्षकों को पढ़ाई-लिखाई के अलावा अन्य कामों में लगाने से रोकती है। लेकिन इसके साथ ही चुनाव प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण कामों, जैसी कुछ खास स्थितियों में इसकी इजाजत दी जा सकती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले दिनों इस बात पर बल दिया है कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के काम को शिक्षकों पर असहनीय बोझ नहीं बनने दिया जाना चाहिए। साथ ही कहा कि तुरंत इस स्थिति में सुधार करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आने वाले दिनों में जब शिक्षक नियमित रूप से क्लास लेने लगेंगे तो नये सिरे से स्कूलों में छात्रों की पढ़ाई को सामान्य बनाया जा सकता है। हमें यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि पिछले महीनों में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान छात्रों की पढ़ाई का जो भी नुकसान हुआ है, उसकी अविलंब भरपाई की जानी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पढ़ाई में पैदा हुए व्यवधान से छात्रों का कोई बड़ा नुकसान न हो। दरअसल, वोटर लिस्ट की विश्वसनीयता बनाये रखना और बिना रुकावट शिक्षा का अनवरत जारी रहना, दोनों ही जनता के प्रति हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। इसका एक निष्कर्ष यह भी है कि भारत को भरोसेमंद वोटर लिस्ट तैयार करने और सुचारु रूप से चल रही क्लास के बीच, किसी एक को चुनने की स्थिति में नहीं होना चाहिए। यह स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए।

एसआईआर: लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी

**एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसी प्रक्रिया में आपत्तियों और जांच के बाद 63.16 लाख नाम भी हटाए गए। इन आंकड़ों को केवल एक राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना कितना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है। इस अभियान में बूथ स्तर के अधिकारियों को एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और वर्तमान सूची का मिलान कर उन लोगों की पहचान करने को कहा गया है जिनके नाम पहले मौजूद थे लेकिन अंतिम सूची में नहीं हैं। इसके बाद घर-घर जाकर सत्यापन और पात्र पाए जाने पर मौके पर ही फॉर्म-6 प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बूथ स्तर अधिकारी के लिए प्रति सप्ताह 20 से 25 मतदाताओं के सत्यापन और लगभग एक महीने में अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों के साथ संबंधित सूचियां साझा करने का निर्देश भी पारदर्शिता की दृष्टि से उल्लेखनीय है। यही वह बिंदु है जहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की आवश्यकता है। विपक्षी दलों ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि इससे पात्र नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसका उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है। इन दोनों पक्षों के बीच अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी आंकड़ों, दस्तावेजी प्रमाण, आपत्ति और अपील की प्रभावी व्यवस्था तथा स्वतंत्र जांच से निकलना चाहिए। किसी राजनीतिक दल के आरोप को स्वतः सत्य मान लेना भी उचित नहीं है और किसी शिकायत को केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। भारतीय लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की संवैधानिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना उसी जिम्मेदारी का अनिवार्य हिस्सा है। आयोग के डिजिटल पोर्टल पर मतदाता अपना नाम खोज सकते हैं, अंतिम एसआईआर सूची देख सकते हैं, नया पंजीकरण करने के लिए फॉर्म-6 भर सकते हैं, आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था नागरिकों को केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं अपने मतदाता अधिकार की जांच करने का अवसर देती है। लेकिन केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। भारत की सामाजिक और भौगोलिक विविधता को देखते हुए ऐसे नागरिक भी हैं जिनके पास डिजिटल साधनों की सीमित पहुंच है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, बेघर, वृद्ध, दिव्यांग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन को स्वयं पहुंचना होगा। आयोग ने विशेष अभियान के अंतर्गत बूथ स्तर के शिविरों तथा रात के आश्रयस्थलों, श्रमिक बस्तियों, बेघर और अन्य वंचित समूहों के लिए विशेष शिविरों का निर्देश भी दिया है। यही दृष्टिकोण मतदाता सूची को केवल कागजी शुद्धता से आगे बढ़ाकर वास्तविक लोकतांत्रिक समावेशन से जोड़ता है। यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता। शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। इसलिए आयोग स्वयं मतदाता पंजीकरण को सतत प्रक्रिया मानता है और पात्र नागरिकों के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराता है। वास्तविक चुनौती यह है कि पुनरीक्षण के दौरान हटे हुए प्रत्येक नाम के पीछे एक नागरिक हो सकता है। इसलिए हर हटाए गए नाम को संदेह की दृष्टि से देखना और हर शिकायत को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। इसी तरह हर पुराने नाम को केवल इसलिए बनाए रखना भी उचित नहीं होगा कि वह पहले सूची में था। लोकतंत्र में मतदाता सूची का सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए-न पात्र व्यक्ति छूटे और न अपात्र व्यक्ति मतदान व्यवस्था में बना रहे। लोकतंत्र की मजबूती का अर्थ केवल अधिक मतदान प्रतिशत नहीं है। उसका अर्थ यह भी है कि जो पात्र नागरिक मतदान करना चाहता है, उसे मतदाता सूची में स्थान मिले, जो व्यक्ति मतदान के योग्य नहीं है, उसका नाम नियमपूर्वक हटे, शिकायत करने वाले को सुनवाई मिले और अंतिम निर्णय पारदर्शी प्रक्रिया से हो। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बिहार एसआईआर की वैधानिकता को स्वीकार किए जाने का अर्थ भी यही है कि मतदाता सूची की शुद्धता का संवैधानिक महत्व है, साथ ही प्रक्रिया में निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन आवश्यक है। इसलिए आज आवश्यकता एसआईआर के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने से अधिक महत्वपूर्ण उस प्रक्रिया को इतना पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की है कि किसी पात्र नागरिक को अपने मताधिकार के लिए संघर्ष न करना पड़े। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति चुनाव कराने में ही नहीं, बल्कि हर योग्य नागरिक को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर देने में है। मतदाता सूची का शुद्धीकरण लोकतंत्र की सफाई है, लेकिन उस सफाई में कोई निर्दोष नागरिक बाहर न रह जाए, इसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। एसआईआर तभी अपने व्यापक उद्देश्य को पूरा करेगा जब शुद्धता और समावेश, दोनों साथ चलें। -ललित गर्ग

कांग्रेस ने फिर अपनाई बांटो और राज करो की नीति

मृत्युंजय दीक्षित

वर्तमान समय में कांग्रेस पार्टी जहां एक ओर अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए चुनाव आयोग व देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर है वहीं दूसरी ओर उसके तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदू देवी देवताओं का विभाजन करके कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को आगे बढ़ाकर राजनैतिक माहौल को गर्म कर दिया है। दक्षिण का राज्य तेलंगाना कांग्रेस के शासन में आर्थिक तंगी व भ्रष्टाचार से गुजर रहा है। अपनी प्रशासनिक नाकामियों तथा चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने व मुस्लिम तुष्टिकरण को छुपाने के लिए रेवंत रेड्डी ने प्रभु श्रीराम को उत्तर और भगवान शिव को दक्षिण का देवता बताकर एक नयी विभाजक रेखा खींचने का असफल प्रयास किया है। उत्तर भारत में अपने अस्तित्व का संघर्ष करती कांग्रेस अब विभाजनकारी मानसिकता के सबसे निचले पायदान पर पहुँच गयी लगती है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इससे पूर्व भी कई विवादित बयान दे चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि मुस्लिम ही कांग्रेस है और कांग्रेस ही मुस्लिम है। रेवंत रेड्डी का कहना है कि भगवान राम अमीरों के देवता हैं और भगवान शिव गरीबों के देवता हैं। वे स्वयं को भगवान शिव का भक्त बताते हुए कहते हैं कि भाजपा ने भगवान राम को चोरी कर लिया है। रेवंत रेड्डी का कहना है भाजपा के लोग ह्लहर हर महादेवह्ल तक नहीं बोलते। वह एक बार हिंदुओं के 33 करोड़ देवताओं पर भी विकृत बयानबाजी कर चुके हैं। दिमागी नक्सली नेताओं का यही लक्ष्य रहता है किसी न किसी प्रकर हिंदू देवी देवताओं का अपमान किया जाए। विगत सितम्बर में हुए गणेशोत्सव आयोजन के दौरान तेलंगाना में कई जगह से गणेशेत्सवों के आयोजन पर बाधाओं के समाचार आ रहे थे। कांग्रेस पार्टी ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कारिडोर का विरोध किया। ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग को फव्वारा बताने में सबसे पहले कांग्रेस ही मैदान में उतर पड़ी थी। रेवंत रेड्डी संभवतः यह बात भूल गए कि भगवान शिव को नीलकंठ भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने समाज की रक्षा के लिए विष को भी अपने गले में ही धारण कर लिया था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री को भगवान श्रीराम का चरित्र पढ़ना चहिए। मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरषोत्तम थे। अंग्रेजों की बनाई हुई पार्टी कांग्रेस ने अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की रणनीति के तहत ही विगत 76 वर्षों में हिंदू समाज को जाति, पंथ, संप्रदाय, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटने की पूरी कोशिश की है और वह लगातार जारी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने बयान के माध्यम से आर्य बनाम द्रविड का विभाजन करते हुए यह भी कहाकि हम द्रविड़ हैं और हम भगवान शिव की आराधना करते हैं जबकि आर्य प्रभु श्रीराम को मानते हैं। रेवंत रेड्डी का कहना है कि बीजेपी के मंचों से जयश्रीराम का नारा सुनाई देता है जबकि ह्लहर हर महादेवह्ल का उद्घोष नहीं किया जाता। रेड्डी ने कहा कि ह्लमोदीजी हर हर महादेव क्यों नहीं कहते रेवंत रेड्डी का बयान झूठ का पुलिंदा भर है। रेवंत रेड्डी को यह नहीं पता कि उत्तर भारत में केदारनाथ, विश्वनाथ और महाकाल जैसे ज्योतिर्लिंग हैं, उत्तर भारत में ही काँवड़ यात्रा होती है और श्रावण माह महादेव को ही समर्पित रहता है। कांग्रेस को तो भगवान शिव के मंदिरों के विकास से भी चिढ़ रही है। गुजरात के पवित्र सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार रोकने और तत्कालीन राष्ट्रपति स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद को सोमनाथ मंदिर न जाने देने का भरसक प्रयास स्वयं नेहरु जी ने किया था। सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कर्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिभाग पर भी कांग्रेस ने नफरत भरा बयान दिया था। मध्य प्रदेश के उज्जैन में बने भव्य महाकाल कॉरिडोर का विरोध भी कांग्रेस नेताओं ने ही किया था। आज दक्षिण भारत के जो कांग्रेसी नेता अपने आपको शिवभक्त बता रहे हैं वह ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग के उद्धार के लिए आगे क्यों नही आ रहे हैं? कांग्रेस के शासनकाल में भगवान शिव के मंदिरों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक बार काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ मंदिर में जाकर दर्शन करना चाहिए तब उन्हें स्पष्ट रूप से पता चल जाएगा कि आर्य प्रभु श्रीराम के भी भक्त हैं और भगवान शिव के भी भक्त हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामेश्वरम में भी भगवान की पूजा करते हैं और काशी विश्वनाथ धाम में भी। वह अपनी हर जनसभा में हर- हर महादेव के नारे लगाते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवत रेड्डी ने निहित राजनीतिक स्वार्थ व गांधी परिवार की चाटुकारिता के लिए एक निंदनीय बयान दिया है।

सेहत मंत्र

दीर्घायु प्रदाता है दही

दही स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त गुणकारी भोज्य माना गया है। आयुर्वेदीय ग्रन्थों चरक संहिता, सुश्रुत-संहिता व अष्टांग-संग्रह आदि ने इसे त्रिदोषनाशक तथा बल, वीर्य, मांसवर्धक बताते हुए अमृत समान कहा है। आज वैज्ञानिक भी इसकी महत्ता को समवेत स्वर में स्वीकारते हैं।

सारांश में दही के लाभों को हम निम्न रूप में जान सकते हैं:- दही आंत के क्षार के कणों को घटाता है जिससे आंत का लचीलापन बढ़ता है, पाचनक्रिया तेज होती है और मंदाग्नि, अपच, कब्ज तथा गैस की बीमारियों से मुक्ति मिलती है। दही में पाए जाने वाले जीवाणु शरीर के अनेक रोगोत्पादक जीवाणुओं को नष्ट करते हैं। ये भोजन को पेट में सड़ने से बचाते हैं तथा जीवनी-शक्ति एवं मस्तिष्क को बल प्रदान करते हैं। लैक्टिक एसिड की कमी से शरीर में शिथिलता आती है, त्वचा पर झुर्रियां पड़ जाती हैं, बाल सफ़ेद होने लगते हैं एवं बुढ़ापा असमय ही दरवाजे पर दस्तक दे जाता है। दही में लैक्टिक एसिड की प्रचुरता होती है। अतः इसके सेवन से इन व्याधियों से मुक्ति मिल जाती है। रक्त में क्षार की मात्रा बढ़ने से शरीर के जोड़ों पर सूजन आ जाती है जिससे गठिया का रोग हो सकता है। दही का सेवन रक्त के क्षार को घटाकर गठिया होने से बचाता है। दही में पर्याप्त चिकनाई होने पर भी नलिकाओं में कॉलेस्ट्राल के जमाव का खतरा नहीं रहता-कारण दही में लैक्टिक एसिड जीवाणु एवं कैल्शियम की अधिकता होती है जो प्रोटीन आदि जटिल पदार्थों को शीघ्र ही पचा देता है। लस्सी आदि के रूप में दही का सेवन चर्बी को घटाता है तथा रक्त कॉलेस्ट्राल को घटाकर हृदय रोग से बचाता है। दही का पानी तोड़ या तक्र अत्यन्त सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। इसके सेवन से थकावट दूर होती है तथा आंतों को पोषण मिलता है। अतिसार, विषम-ज्वर, भोजन में अरूचि, मूत्राकृच्छ आदि बीमारियों में भी दही सेवन अत्यन्त लाभदायक है। यकृत एवं आंतों के रोग, संग्रहणी, मंदाग्नि, मधुमेह, पेट के कीड़े, उल्टी, पतले दस्त आदि में दही के साथ सेंधा नमक, भुना एवं पिसा जीरा मिलाकर खाने से लाभ पहुंचता है। गर्मी के दिनों में दही की लस्सी, शर्बत आदि का सेवन अत्यन्त पुष्टिकारक एवं शीतलता प्रदायक होता है।

धर्म मंत्र

मां सरस्वती के इन मंत्रों के जाप से बढ़ती है बुद्धि और ज्ञान की शक्ति

हिंदू धर्म में देवी सरस्वती को ज्ञान, विद्या, कला और बुद्धि की देवी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उन्हें वेदों की माता भी कहा जाता है। मां सरस्वती का स्वरूप श्वेत वस्त्रों में, कमल पर विराजमान और हाथों में वीणा धारण किए हुए दर्शाया जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से मां सरस्वती की आराधना और उनके मंत्रों का जाप करने से व्यक्ति को ज्ञान, एकाग्रता और बुद्धि की प्राप्ति होती है। ज्योतिष एवं धार्मिक मान्यताओं में मां सरस्वती के विभिन्न मंत्रों का अलग-अलग उद्देश्य के लिए जाप करने की बात कही गई है। विद्यार्थियों और ज्ञान-विज्ञान से जुड़े लोगों के लिए इन मंत्रों का जाप विशेष लाभकारी माना जाता है। हालांकि, इनसे मिलने वाले लाभ धार्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं। जो लोग दर्शन, रहस्यवाद या इससे जुड़े विषयों का अध्ययन करते हैं, उनके लिए 'ऊं ब्रह्म ज्ञानायै नमः' मंत्र का जाप करने की मान्यता है। कहा जाता है कि इस मंत्र के जाप से व्यक्ति में गहन विषयों को समझने और उन पर चिंतन-मनन करने की क्षमता विकसित होती है। यह मंत्र मेधा और बुद्धि को जागृत करने वाला माना जाता है।

मंत्र : ऊं ब्रह्म ज्ञानायै नमः।

इसका भावार्थ है कि ब्रह्मांड में मौजूद चेतन बुद्धि की शक्ति को नमन किया जाए। धार्मिक मान्यता के अनुसार यह देवी सरस्वती के उस स्वरूप की आराधना है, जो ज्ञान और बुद्धि की मूल शक्ति का प्रतीक है।

पर्यटन



दुर्गा पूजा के रंग में रंगा कोलकाता, अक्टूबर में बनाएं तीन दिन का प्लान

अक्टूबर का महीना घूमने-फिरने के लिए सबसे मुफीद माना जाता है। इस दौरान न तो गर्मी परेशान करती है और न ही ठंड का असर रहता है। ऐसे में अगर इस बार पहाड़ों या समुद्र किनारे जाने के बजाय किसी अलग शहर की सैर का मन है तो कोलकाता एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। खासकर अक्टूबर में कोलकाता की रौनक देखते ही बनती है, क्योंकि इसी दौरान पूरा शहर दुर्गा पूजा के रंग में रंगा नजर आता है। साल 2026 में शारदीय नवरात्रि 11 से 19 अक्टूबर तक मनाई जाएगी। इस दौरान कोलकाता की गलियों से लेकर प्रमुख बाजारों और मोहल्लों तक भव्य दुर्गा पंडाल सजाए जाते हैं। रोशनी से जगमगाता शहर, ढाक की गूंज, मां दुर्गा की प्रतिमाएं और पंडालों की कलात्मक सजावट पर्यटकों को खासा आकर्षित करती है। ऐसे में कोलकाता की यात्रा सिर्फ पर्यटन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि बंगाल की संस्कृति और उत्सव की जीवंत झलक भी देखने को मिलती है। कोलकाता में दुर्गा पूजा के भव्य पंडालों के अलावा इतिहास, संस्कृति, धर्म और खान-पान से जुड़ी कई जगहें हैं। तीन दिन की यात्रा में शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों को आसानी से देखा जा सकता है। कोलकाता की पहचान माने जाने वाले विक्टोरिया मेमोरियल को अपनी यात्रा में जरूर शामिल करें। सफ़ेद संगमरमर से बनी यह भव्य इमारत वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। यहां स्थित संग्रहालय में इतिहास, कला और ब्रिटिश काल से जुड़ी अनेक वस्तुएं और चित्र देखने को मिलते हैं। इसकी अलग-अलग दीर्घाओं में रखी ऐतिहासिक सामग्री पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहती है। कोलकाता जाएं और हावड़ा ब्रिज न देखें, ऐसा हो ही नहीं सकता। हुगली नदी पर बना यह ऐतिहासिक पुल शहर की पहचान बन चुका है। यहां से हुगली नदी और आसपास का नजारा बेहद खूबसूरत दिखाई देता है। फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए भी यह जगह खास है। शाम के समय यहां का नजारा और भी आकर्षक नजर आता है।

दरियाबाद में 'इलाज के नाम' पर खेल कथित अवैध अस्पतालों और जांच केंद्रों पर कब गिरेगी गाज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी दरियाबाद । दरियाबाद। कस्बे में निजी स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ निजी अस्पतालों और जांच केंद्रों का संचालन निर्धारित मानकों और आवश्यक पंजीकरण के अनुरूप नहीं हो रहा है। खास तौर पर मथुरा नगर हॉस्पिटल के बगल संचालित बताए जा रहे पैथोलॉजी/खून जांच केंद्र को लेकर जांच की मांग उठ रही है। जांच कौन करेगा, कार्रवाई कब होगी?

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी जांच केंद्र पर पैथोलॉजी एवं रक्त जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है तो उसके पंजीकरण, तकनीकी स्टाफ, उपकरण, रिपोर्ट जारी करने की व्यवस्था और अन्य निर्धारित मानकों की जांच होना जरूरी है। सवाल यह है कि संबंधित विभाग ने अब तक ऐसे प्रतिष्ठानों का स्थलीय निरीक्षण किया है या नहीं?

यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जुलाई 2026 में बाराबंकी स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी 21 सीएचसी क्षेत्रों में बिना पंजीकरण संचालित निजी



मथुरा नगर हॉस्पिटल के बगल संचालित बताए जा रहे जांच केंद्र को लेकर उठे सवाल ० पैथोलॉजी और खून जांच की व्यवस्था के मानकों की जांच की मांग

अस्पतालों, अपंजीकृत क्लीनिकों और अन्य अनियमितताओं की जांच के निर्देश दिए थे। उस समय कई सीएचसी से कार्रवाई रिपोर्ट नहीं मिलने पर अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा गया था। दरियाबाद क्षेत्र में भी पहले एक बिना पंजीकरण संचालित निजी अस्पताल के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्रवाई के निर्देश दिए जाने की खबर सामने आ चुकी है। 'जांच के नाम पर खानापूर्ति' या विभागीय सख्ती?

अब बड़ा सवाल यह है कि दरियाबाद कस्बे में संचालित बताए जा रहे निजी अस्पतालों और जांच केंद्रों की नियमित जांच हो रही है या नहीं ? स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कहीं प्रभावशाली लोगों के दबाव अथवा किसी अन्य कारण से कार्रवाई प्रभावित तो नहीं हो रही। हालांकि, किसी व्यक्ति या राजनीतिक प्रभाव की भूमिका की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए इसकी भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग के लिए यह मामला केवल कार्रवाई का नहीं, बल्कि जनता की स्वास्थ्य सुरक्षा और जांच रिपोर्ट की विश्वसनीयता का भी है। सितंबर 2026 में जिले में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर मानक विहीन पाए गए तीन अस्पतालों को सील तथा छह को नोटिस जारी किए थे। ऐसे में दरियाबाद में भी सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सभी निजी अस्पतालों और पैथोलॉजी केंद्रों के दस्तावेज व मानक जांचे जा रहे हैं? सबसे बड़ा सवाल- क्या संबंधित विभाग मौके पर पहुंचकर मथुरा नगर हॉस्पिटल के बगल हिंद पैथोलॉजी के द्वारा गलत तरीके से एक्सरे मशीन लगाकर एक्स-रे किया जाता है जो की दरवाजा एल्युमिनियम का लगा हुआ है तो वही 4 इंच की दीवार है एक्स-रे वाली जगह पर मोटी दीवार होना आवश्यक है जो कि संचालित बताए जा रहे, जांच केंद्र की जांच करेगा? क्या पंजीकरण, तकनीकी योग्यता और जांच सुविधाओं के मानकों की पड़ताल होगी?

क्या जांच के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई होगी या वास्तविक कार्रवाई भी दिखाई देगी? सीएचसी अधीक्षक अमित दुबे ने बताया कि कुछ दिन पहले 15 हॉस्पिटल को नोटिस दिया गया था जिसमें एक हॉस्पिटल को सीज किया गया था अन्य सभी पैथोलॉजी को नोटिस दी गई थी जैसे अवध एवं न्यू अवध लाइफ केयर हिंद पैथोलॉजी सहित 10 पैथोलॉजी शामिल थे कुछ पैथोलॉजी को जांच करने पहुंचते है तो पहले से ही बंद करके भाग जाते हैं कई शिकायतें मिली हैं गलत रिपोर्ट बनाई जाती हैं शासन का आदेश आएगा तो पुनः कार्रवाई की जाएगी जनता के इन सवालों का जवाब अब स्वास्थ्य विभाग को देना होगा अवैध हॉस्पिटल मामले की निष्पक्ष स्थलीय जांच कर स्थिति स्पष्ट की जाए और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम की प्रबंध समिति पर नियमों के उल्लंघन का आरोप

बाराबंकी। क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम बाराबंकी की वर्ष 2025-26 की प्रबंध समिति के गठन को लेकर लोधेश्वर महादेवा सुश्रुषा न्यास के महंत बीपी दास ने फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स अयोध्या मंडल के उपनिबंधक को शिकायत भेजकर जांच और वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संशोधित नियमावली के नियम 30 में 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्ति का प्रावधान होने के बावजूद 60 वर्ष से अधिक आयु के कई लोगों को प्रबंध समिति में शामिल किया गया। शिकायतकर्ता ने धारा 4-बी के तहत समिति की सूची का अभिलेखों से सत्यापन कराने तथा विवाद पाए जाने पर धारा 25 के तहत कार्रवाई की मांग की है। साथ ही 19 अगस्त 2022 की बैठक, नियमावली संशोधन और पत्रांक 2633 दिनांक 30 सितंबर 2025 के आधार पर हुए पंजीकरण की पूरी पत्रावली की जांच की मांग की गई है।

खारजा में डूबे दो भाईयों की एक साथ उठीं अर्थियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा, बाराबंकी। घुंघटेर थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर (जानी नगर), ग्राम पंचायत बजगहनी में शनिवार 3 अक्टूबर की शाम दर्दनाक हादसा हो गया। खारजा (स्थानीय नदी) पार करते समय 13 वर्षीय अमित रावत और 11 वर्षीय राजा रावत गहरे पानी में डूब गए। दोनों चचेरे भाई थे, साथ ही स्कूल जाते थे।

रविवार को पोस्टमार्टम के बाद जब दोनों के शव गांव पहुंचे तो चीख-पुकार मच गई। दोनों की अर्थियां एक साथ उठीं, पूरे गांव ने नम आंखों से विदाई दी। गांव में मातम पसरा है।

पक्का पुल होता तो बच जाती जान - ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि कृष्णानगर पुरवा समेत दर्जनों गांवों के लोगों को स्कूल, बाजार, अस्पताल जाने के लिए

पुल न होने पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

इसी खारजा से होकर गुजरना पड़ता है। वर्षों से पक्का पुल नहीं होने से बच्चों को जान जोखिम में डालकर पार करना पड़ता है। इसी को लेकर आज दिनांक 04/10/2026 को पीड़ित परिवार और समस्त ग्रामवासियों ने जिलाधिकारी बाराबंकी को प्रार्थना-पत्र सौंपकर खारजा नदी पर सर्वोच्च प्राथमिकता पर पक्का पुल बनाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने कहा - तल्लकहने को विकास की गंगा बह रही है, लेकिन जरूरी मूलभूत सुविधाओं की ओर किसी का ध्यान नहीं। पुल होता तो दो मासूम जिंदगियां बच जाती ।

विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने भी परिवार से मिलकर हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है।

छः अक्टूबर को छन्दवल में होगा 20वां जननी-जनक महोत्सव, 151 वरिष्ठ नागरिकों का होगा सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में स्वयंसेवी संस्था बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान/बिरजू संस्थान की ओर से 20वां जननी-जनक महोत्सव एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह छह अक्टूबर को दोपहर एक बजे बनीकोडर क्षेत्र के ग्राम छन्दवल स्थित संस्था के निःशुल्क संचालित चाइल्ड फ्रेण्डली स्कूल परिसर में आयोजित किया जाएगा।

समारोह में जनपद के 151 वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह होंगे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के महासचिव रामानंद कटियार, सदस्य विधान परिषद अंगद कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश अनुसूचित

बेटे-बहुएं करेंगे माता-पिता का पूजन

जाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रमोद तिवारी और वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. विवेक वर्मा सहित सामाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी कई विशिष्ट हस्तियां मौजूद रहेंगी।

संस्था के अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने बताया कि जननी-जनक महोत्सव का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान के साथ ही समाज में माता-पिता के प्रति सम्मान, सेवा, संस्कार और पारिवारिक सद्भाव की भावना को मजबूत करना है। समारोह में सम्मानित होने वाले वरिष्ठ नागरिकों के बेटे और बहुएं अपने माता-पिता का पूजन कर उनका सम्मान करेंगे। साथ ही परिवार में प्रेम, सम्मान और आपसी सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवारों के विघटन और बुजुर्गों के अकेलेपन की बढ़ती समस्या के बीच ऐसे आयोजन परिवार और समाज को अपनी जड़ों तथा संस्कारों से जोड़ने का माध्यम हैं। माता-पिता जीवन के प्रथम गुरु और परिवार की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। उनका सम्मान और सेवा केवल एक दिन तक सीमित न रहकर जीवन का संस्कार बने, यही महोत्सव का प्रमुख संदेश है। रत्नेश कुमार ने समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, युवाओं और आम नागरिकों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान तथा पारिवारिक संस्कारों को मजबूत करने के इस अभियान में सहभागी बनने की अपील की।

पकड़िया कब्रिस्तान की पटाई का काम दूसरे दिन भी जारी



कैनविज टाइम्स संवाददाता

जैदपुर, बाराबंकी। नगर पंचायत जैदपुर के अहिरान मोहल्ले में सिनेमा हॉल के पास सड़क से नीचे स्थित पकड़िया वाले कब्रिस्तान की पटाई का कार्य रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। बारिश के दौरान कब्रिस्तान में जलभराव होने से शव दफनाने में परेशानी होती थी। कई बार बाउंड्रीवाल के किनारे शव दफनाने की स्थिति बन जाती थी।

सभासद मोहम्मद कासिम ताहिर अंसारी के अनुसार समस्या को देखते हुए नगर पंचायत बोर्ड बैठक में पटाई का प्रस्ताव पारित किया गया था। शनिवार को चेयरमैन प्रतिनिधि दाऊद अंसारी के नेतृत्व में सभासदों की मौजूदगी में कार्य शुरू हुआ, जो रविवार को भी जारी रहा। स्थानीय लोगों ने कार्य की सराहना की।

सेवा सेतु शिविर में एक स्थान पर मिलेंगी कई योजनाओं की सुविधाएं

सिद्धौर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेवा सेतु अभियान के तहत विकासखंड सिद्धौर परिसर में 5 से 9 अक्टूबर तक बहुउद्देशीय सेवा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग, महिला एवं बाल विकास, दिव्यांगजन, आवास, पंचायती राज, स्वास्थ्य, कृषि, श्रम, उद्यान, स्वयं सहायता समूह और कौशल विकास मिशन समेत विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया बताने के साथ पात्र लाभार्थियों के आवेदन लेकर लाभ दिलाने की कार्रवाई भी की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जांच व स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। खंड विकास अधिकारी पूजा सिंह ने ग्रामीणों से शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

मारपीट का आरोप, सात-आठ लोगों पर कार्रवाई की मांग

मसौली, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सफदरगंज थाना क्षेत्र के रसौली फुलबरियाबाग निवासी महिला ने मामूली कहासुनी के बाद अपने बड़े बेटे को घेरकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। संगीता पत्नी स्व. राकेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार रात वह छोटे बेटे शिवम के साथ दवा लेने रसौली बाजार गई थीं। रास्ते में मोटरसाइकिल तेज चलाकर आगे निकलने को लेकर मदारन गांव के युवकों से कहासुनी हुई थी।

महिला का आरोप है कि घर लौटते समय आरोपियों ने उन्हें और शिवम को रास्ते में रोक लिया। इसी दौरान बड़ा बेटा शिवा पहुंचा तो महेन्द्र, दिलावर, मनोज समेत सात-आठ लोगों ने उसके साथ मारपीट कर दी। आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। महिला ने पुलिस से मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

ओवैसी के स्वागत में जुटे कार्यकर्ता, हाईवे पर कुछ देर लगा जाम

मसौली, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी का रविवार को श्रावस्ती जाते समय गोंडा-बहराइच हाईवे स्थित शहाबपुर चौराहे पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। जिलाध्यक्ष मौलाना मसीहुर्रहमान मजाहिरी, बाराबंकी सदर प्रत्याशी मौलाना एखलाक समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। ओवैसी के पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर स्वागत किया। ओवैसी के आगमन से पहले ही चौराहे पर भीड़ जुट गई थी। स्वागत के दौरान हाईवे पर कुछ समय यातायात प्रभावित रहा, जिसे मसौली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुचारू कराया। इसके बाद ओवैसी निर्धारित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए श्रावस्ती के भिनगा रवाना हो गए। रामनगर के केसरीपुर रेलवे क्रॉसिंग पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

सेवा संकल्प यात्रा का प्रमोद के नतृत्व में स्वागत

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि वडनगर से वाराणसी के लिए निकली यात्रा के बाराबंकी आगमन पर उधौली अस्पताल के सामने भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष प्रमोद तिवारी के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में शामिल अतिथियों और सहभागियों का कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा व माल्यार्पण कर आत्मीय अभिनंदन किया। यात्रा के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता, समर्थक और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान पूरा माहौल सेवा, समर्पण और राष्ट्रभावना के नारों से उत्साहपूर्ण नजर आया।

भाजपा नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल यात्रा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्रभावना के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। वडनगर से काशी तक की यह यात्रा भारतीय संस्कृति, आस्था और सेवा के भाव को जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा को विशेष स्थान प्राप्त है और ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक उद्देश्य से जोड़ने का काम करते हैं। बाराबंकी की धरती पर यात्रा में शामिल अतिथियों और सहभागियों का स्वागत करना उनके लिए गौरव का विषय है। इस अवसर पर प्रमोद तिवारी ने यात्रा में शामिल सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं और सहभागियों के सफल एवं मंगलमय यात्रा की कामना की तथा स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों का आभार जताया।

संकल्प यात्रा का पुष्पवर्षा से स्वागत, गुब्बारों से सजा बदोसराय चौराहा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबकी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सेवाकाल के अवसर पर गुजरात के वडनगर से वाराणसी के लिए निकली सेवा संकल्प यात्रा का रविवार को रामनगर विधानसभा क्षेत्र के बदोसराय चौराहे पर भव्य स्वागत किया गया। भाजपा नेता एवं समाजसेवी केपी तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने यात्रा में शामिल लोगों पर बुलडोजर से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यात्रा के साथ पहुंचे बाइक सवारों को फूल-मालाएं पहनाकर और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। स्वागत को लेकर बदोसराय चौराहे को भगवा रंग के कपड़ों और रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था। कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाकर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया।

इस दौरान भाजपा नेता केपी तिवारी ने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संघर्ष, सेवा और संकल्प की भावना का प्रतीक है। उन्होंने



कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। आज भारत विकास आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में प्रत्येक कार्यकर्ता और नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में एमएलसी अंगद कुमार सिंह पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह, सिरौलीगौसपुर मंडल के महामंत्री अमित पांडेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष पांडेय, जिला प्रतिनिधि प्रहलाद कनौजिया,प्रधान शिवा मिश्रा, रामू विकास मौर्य,रोहित सिंह, और अमरेंद्र सिंह बबलू समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीडीए जनचौपाल में विधायक ने सरकार को घेरा, शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देवा, बाराबंकी। विकासखंड देवा के ग्राम कर्रा में शनिवार को आयोजित समाजवादी पीडीए जनचौपाल में सदर विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सरकार की कथित उदासीनता से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब शिक्षा और बच्चों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार गंभीर नहीं होगी तो प्रदेश के विकास की कल्पना कैसे की जा सकती है।

विधायक धर्मराज सिंह ने कहा कि प्रदेश में गरीब, किसान, मजदूर और कमजोर वर्ग तमाम समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनका आरोप था कि गरीबों और असहायों का शोषण किया जा रहा है और प्रशासन पर राजनीतिक दबाव में काम करने के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान देकर उनका समाधान करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय जनता का ध्यान दूसरे मुद्दों की ओर मोड़ा जा रहा है।

उन्होंने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार के कार्यकाल में शिक्षा, रोजगार, महंगाई और जनसुविधाओं जैसे बुनियादी मुद्दों की अपेक्षा



समाज में विभाजन पैदा करने वाले मुद्दों को अधिक महत्व दिया जा रहा है। विधायक ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम के नाम पर लोगों को बांटने, डर का माहौल बनाने और मकानों को जबरन ध्वस्त किए जाने जैसी कार्रवाई के आरोप सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हैं।

विधायक ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान करना और सभी वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सत्ता हासिल करने के लिए किए गए राजनीतिक प्रयासों से अलग जनता के बीच रहकर उसके दुख-दर्द को समझना जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी गांव-गांव पहुंचकर पीडीए के लोगों से संवाद करने और उनकी समस्याओं को उठाने का आह्वान किया।

जनचौपाल में ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने स्थानीय समस्याओं पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में आयोजक मनीष वर्मा के अलावा राम प्रताप गौतम, धनीराम गौतम, विश्वनाथ गौतम, होली राम गौतम, अनमोल वर्मा, मोहम्मद मुख्तार, संतलाल गौतम, मोहम्मद नदीम, देशराज गौतम, राहुल कनौजिया, अमरेन्द्र वर्मा, हरिलाल वर्मा, उमेश चन्द्र वर्मा, ननकू वर्मा, कौशल वर्मा, फूलचंद वर्मा, मुकेश मौर्य, राम प्रकाश गौतम, मोहम्मद इशलाम, मोहम्मद मेराज, शिवा यादव, संदीप प्रजापति, विनोद यादव प्रधान, राम औतार रावत, मुन्ना यादव, धीरज यादव, बाबुल मिश्रा, त्रिभुवन यादव, सरवन रावत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाराबंकी में स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल : बुखार से 15 साल के छात्र की मौत, गांवों में जलभराव-गंदगी का कहर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा, बाराबंकी। विकासखंड निंदूरा के फिरोजपुर मजरे मोहसण्ड में 15 वर्षीय छात्र आयुष की बुखार से मौत के बाद गांव में दहशत और आक्रोश है। कक्षा 8 में पढ़ने वाला आयुष 5 दिन से बुखार से पीड़ित था। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे लखनऊ के निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पिता ने बताया कि डॉक्टरों ने डेंगू जैसे लक्षण बताए थे, हालांकि रिपोर्ट में पुष्टि नहीं हुई।

''सीएचसी अधीक्षक बोले - टीम भेजेंगे''

मामले में सीएचसी अधीक्षक डॉ. आर.पी. वर्मा ने बताया कि मौत की सूचना मिली है। टीम गांव भेजकर जांच कराई जाएगी, तभी मौत का सही कारण स्पष्ट होगा।



हर गांव में सफाईकर्मी, फिर भी गंदगी से बजबजाते गांव

ग्रामीणों का आरोप है कि मोहसण्ड, टिकैतगंज, कुर्सी, खिझना, बाबागंज, अनवारी समेत पूरे क्षेत्र में जलभराव और गंदगी से मच्छरों का प्रकोप चरम पर है। हर घर में कोई न कोई बुखार से पीड़ित है।



सरकार हर साल सफाई व्यवस्था पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है। हर ग्राम पंचायत में सफाई कर्मी तैनात है, लेकिन हकीकत यह है कि गांव नालियों और कूड़े के ढेर में तब्दील हैं।

दुर्भाग्य - प्रधान का अपना ही गांव

सबसे बड़ा सवाल यह है कि मोहसण्ड गांव के ग्राम प्रधान का खुद का निवास इसी गांव में है, फिर भी उन्हें अपने ही गांव के लोगों के स्वास्थ्य और दुर्दशा की परवाह नहीं है। प्रधान के घर के सामने सफाई, लेकिन बाकी पूरा गांव गंदगी में डूबा है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी से गांव में तत्काल स्वास्थ्य शिविर लगाने, मच्छररोधी दवा का छिड़काव और नालियों की सफाई कराने की मांग की है। सवाल - आखिर इस मासूम की मौत का जिम्मेदार कौन? गंदगी, जलभराव या लापरवाह सिस्टम

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए विशेष अभियान, छूटे मतदाताओं सहयोग करें : निरंकार सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर निरंतर पुनरीक्षण-2026 के तहत मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है। ईपी रेशियो एवं जेंडर रेशियो बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष रूप से पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं, बेघर, दिव्यांग और महिला मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज कराए जा रहे हैं। अपर जिला मजिस्ट्रेट एवं अपर जिलानिर्वाचन अधिकारी निरंकार सिंह ने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके ऐसे पात्र नागरिक, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे प्ररूप-6 भरकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान में महिला कल्याण, उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा, दिव्यांगजन, ग्राम्य विकास और युवा कल्याण सहित विभिन्न विभागों का सहयोग लिया जा रहा है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा संबंधित विभागों के सहयोग से विशेष पुनरीक्षण से पहले पात्र छूटे हुए मतदाताओं को चिन्हित कर उनका नाम सूची में दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के सभी पात्र छूटे हुए मतदाताओं से अपील की है कि वे निरंतर पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने में सहयोग करें।

लक्ष्य स्पष्ट था, स्वर्ण जीतना और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना: हरमनप्रीत

एजेंसी



काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उनकी टीम को भरोसा था कि वे विश्व कप की निराशा को पीछे छोड़कर एशियाई खेलों का खिताब जीतने के साथ 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकते है।

हरमनप्रीत ने शनिवार को फाइनल में दो गोल किए जिससे भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार पुरुष हॉकी का स्वर्ण पदक जीता। हरमनप्रीत ने कहा, ''फाइनल हर खिलाड़ी के लिए बड़ा मौका था। कुछ खिलाड़ी पहली बार एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे जबकि कुछ चौथी, तीसरी या दूसरी बार खेल रहे थे। उन्होंने कहा, ''हमें पता था कि हम यहां स्वर्ण पदक जीतने और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने आए हैं। लक्ष्य स्पष्ट था। एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। टीम ने अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में हुए विश्व कप में निराशाजनक नौवां स्थान हासिल किया था। हरमनप्रीत ने कहा, ''पूरा साल हमारे लिए बहुत कठिन रहा क्योंकि हमने कई टूर्नामेंट खेले। विश्व कप हमारे लिए अच्छा नहीं रहा लेकिन हमें पता है कि हम एशिया में हमेशा दबदबा रखते हैं। हम यहां अपने खिताब का बचाव करने आए थे।'' हरमनप्रीत ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को बढ़त दिलाई और 57वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर टीम की ओर से पांचवां गोल किया। हरमनप्रीत लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाने वाले पहले भारतीय कप्तान बने। हॉकी खेलने की शुरुआत के बारे में पूछे जाने पर हरमनप्रीत ने कहा, ''यह कोई योजना नहीं थी। जब मैं स्कूल में था तो चुनने के लिए कई खेल थे। मैं हॉकी नहीं खेलना चाहता था, लेकिन हॉकी ने मुझे चुन लिया। और वहीं से मेरी यात्रा शुरू हुई। गोलकीपर मोहित शशिकुमार ने कहा कि टीम 2028 ओलंपिक की तैयारी पूरी ताकत के साथ करेगी। उन्होंने कहा, ''हर खिलाड़ी का सपना ओलंपिक में खेलना होता है। अब तैयारी शुरू होगी और हम पूरी ताकत के साथ तैयारी करेंगे। हमें उम्मीद है कि लॉस एंजिलिस में हम पदक जीतेंगे।''

'मेरी सफलता पर शक करने वालों को गलत साबित करना था', कीर्ति ने सुनाई संघर्ष की कहानी

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियन गेम्स-2026 में स्वर्ण पदक जितने वाली भारतीय महिला रिकर्व टीम की हिस्सा रहीं कीर्ति शर्मा ने अपनी सफलता पर कहा कि उन्होंने ठान लिया था कि उनकी आलोचना करने वालों को गलत साबित करना है और उसके लिए उन्हें जो भी करना पड़े वह करेंगी। कीर्ति शर्मा, अंकिता भगत और कुमकुम मोहोद की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने एशियन गेम्स-2026 में इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल में ताकतवर दक्षिण कोरिया को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हरियाणा के रितौली गांव के एक किसान परिवार में जन्मीं कीर्ति को बचपन से ही स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ग्रामीण और रूढ़िवादी माहौल में उन्हें खेलों में करियर बनाने को लेकर कई तरह की बातें सुननी पड़ीं। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। कीर्ति ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) मीडिया से बातचीत में कहा कि बचपन से ही उनकी सेहत ठीक नहीं रहती थी। उन्हें कई लोगों की नकारात्मक बातें सुननी पड़ती थीं, जो तीरंदाजी में उनके सफल होने की क्षमता पर शक करते थे। शारीरिक रूप से स्वस्थ न होने के कारण, शुरुआत में मुझे भारी पाउंड वाले धनुष उठाने में भी मुश्किल होती थी, लेकिन मैंने ठान लिया था कि अपनी आलोचना करने वालों को गलत साबित करने के लिए जो भी करना पड़े, मैं करूंगी। उन्होंने यह लक्ष्य तब हासिल किया भारतीय तिकड़ी ने एशियन गेम्स-2026 में इतिहास रचा। फाइनल में 10 बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर महिला रिकर्व टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। 19 साल की खिलाड़ी ने मुश्किल समय में साथ देने और अपनी सफलता की नींव रखने का श्रेय अपने परिवार, खासकर अपने पिता विजय शर्मा को दिया। कीर्ति ने कहा कि मेरे पिता किसान हैं, लेकिन उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है और आर्थिक तंगी के बावजूद मेरे खेल करियर से जुड़े सभी खर्च उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने मेरे पिता से कहा कि उन्हें मुझे स्पोर्ट्स में नहीं जाने देना चाहिए, क्योंकि मैं एक लड़की हूं। उन्होंने मेरी खराब सेहत की वजह से मेरे सफल होने की क्षमता पर भी शक जताया, लेकिन मेरे पिता ने हमेशा मुझ पर भरोसा किया है। हजारीबाग के साई ट्रेनिंग सेंटर में अभ्यास करने वाली आर्चर ने कहा कि एशियन गेम्स में कामयाबी का रास्ता बनाने का सारा श्रेय भारतीय खेल प्राधिकरण और उनके कोच उद्धव सिंह को जाता है। कीर्ति ने कहा कि मेरे परिवार और कोच ने हमेशा मेरा साथ दिया है और मुझे यकीन दिलाया है कि मैं कमाल कर सकती हूं। मैंने साई हजारीबाग में ट्रायल इसलिए दिया क्योंकि मेरे कोच उद्धव सिंह का वहां स्थानांतरण हो गया था। शुरुआती वर्षों में मैं उद्धव सर की शुरू की गई एक अकादमी में अभ्यास करती थी। उन्होंने कहा कि मैं चार साल पहले साई हजारीबाग गई थी। तब से मेरे करियर में जबरदस्त सुधार हुआ है। मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, उसका श्रेय भारतीय खेल प्राधिकरण और कोच को जाता है।

पाकिस्तान में होने वाली ट्राई सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान, असलंका बाहर

एजेंसी



नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी वनडे ट्राई-सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा रविवार को कर दी है। इस सीरीज में मेजबान पाकिस्तान और श्रीलंका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी हिस्सा लेगी। सीरीज की शुरुआत 18 अक्टूबर से होगी। श्रीलंका की टीम में दो बदलाव किए गए हैं। पूर्व कप्तान चरिथ असलंका को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा भी चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं हैं। इन दोनों की जगह बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो और ऑलराउंडर सहान अराचिगे को टीम में शामिल किया गया है। असंलका ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन मैचों में क्रमशः 1, 11 और 7 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड दौरे के दौरान हसरंगा चोटिल हो गए थे। इन दो बदलावों के अलावा टीम में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है। यही टीम इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरी थी, जहां श्रीलंका को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका 16 खिलाड़ियों की टीम में शामिल हैं लेकिन उनका सफर कुछ शर्तों पर निर्भर है। वे टीम के साथ तभी यात्रा करेंगे जब उन्हें मेडिकल तौर पर फिट घोषित किया जाएगा। वनडे ट्राई-सीरीज के लिए श्रीलंका की एकदिवसीय टीमः कुसल मेंडिस (कप्तान), सहान अराचिगे, दुष्मंथा चमीरा, सचिन्दु कोलोम्बेज, अविष्का फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, जनिथ लियानागे, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, कामिन्दु मेंडिस, कामिल मिशारा, पथुम निसांका, पवन रथनायके, दासुन शनाका, महीश थीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

प्रणवी उर्स को मिलेगा एक करोड़ का इनाम, एशियाई खेलों में रचा था इतिहास

जब आप देश के लिए अच्छा करते हैं, तो लोग आपका समर्थन करते हैं : अनुराग ठाकुर

एजेंसी



नई दिल्ली। एशियाई खेलों में महिला व्यक्तिगत गोल्फ स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स को एएम ग्रीन आईजीपीएल (इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग) की ओर से एक करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रणवी एशियाई खेलों में गोल्फ का व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। इसके अलावा महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला गेल्फ टीम की प्रणवी उर्स, अदिति अशोक और दीक्षा डागर को व्यक्तिगत रूप से 25-25 लाख रुपये दिए जाएंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने नई दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में आयोजित एक कार्यक्रम में एएम ग्रीन आईजीपीएल, इसकी फ्रेंचाइजी और सहयोगी संगठनों की ओर से मंच से औपचारिक रूप से यह घोषणा की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत ने एशियाई खेलों में गोल्फ के स्वर्ण पदक के लिए 24 साल इंतजार किया और प्रणवी ने हमें यह स्वर्ण दिलाया। जिस अंदाज में उन्होंने जीत हासिल की, वह उनके बारे में बहुत कुछ बताता है। अंतिम दौर में एक होल पर उनकी बढ़त कम हो गई थी, फिर भी उन्होंने वापसी की और जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि अदिति, दीक्षा और प्रणवी ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीतकर भारतीय महिला गोल्फ के लिए यह दिन खास बना दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि एएम ग्रीन आईजीपीएल उन्हें इनाम देने के लिए तुरंत आगे आया है। गोल्फ देखने वाले हर युवा खिलाड़ी को यह पता होना चाहिए कि जब आप देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो लोग आपका समर्थन करते हैं। अनुराग ठाकुर ने भारतीय गोल्फ के विकास को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि प्रणवी जैसे और गोल्फर तैयार करने के लिए स्कूल के बाद खिलाड़ियों के सामने आने वाले अंतर को खत्म करना जरूरी है। कॉलेज, यूनिवर्सिटी या प्रोफ़ेशनल कोर्स में जाने के बाद कई खिलाड़ी अपना ध्यान करियर बनाने पर केंद्रित कर देते हैं। ठाकुर ने कहा कि एएम ग्रीन आईजीपीएल खिलाड़ियों को ऐसा मंच देने वाली लीग में से एक है, लेकिन देश में ऐसे प्लेटफॉर्म की संख्या अभी कम है। हमें भारतीय गोल्फ के पूरे इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए अधिक निवेश और प्रयास की जरूरत है। एएम ग्रीन आईजीपीएल के प्रो-एम डे कार्यक्रम में मौजूद प्रणवी की बहन विधार्थी उर्स ने भी उनकी खेल शैली को लेकर बात की। उन्होंने कहा, ल्पहले दिन से ही मुझे लगता है कि वह आक्रामक खिलाड़ी हैं।

डीएलएफ ने गुरुग्राम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 172 घर 1,985 करोड़ रुपये में बेचे

एजेंसी

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ ने गुरुग्राम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाई जा रही अपनी आवासीय परियोजना के सभी 172 घर 1,985 करोड़ रुपये में बेच दिए हैं। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनियों में शामिल डीएलएफ ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए हाल में शुरू किए गए 'द ऑरेवा' परियोजना के सभी घर बिक गए हैं। यह परियोजना गुरुग्राम के सेक्टर 63 में 4.17 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। डीएलएफ ने कहा, ''इस परियोजना से करीब 1,985 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है। यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए ऐसी लक्जरी आवासीय इकाइयों की बढ़ती मांग को दर्शाता है, जहां सुविधाओं के साथ स्वास्थ्य, सुविधा और सामुदायिक जुड़ाव पर भी ध्यान दिया जाता है। प्रत्येक अपार्टमेंट की औसत बिक्री कीमत करीब 11.5 करोड़ रुपये रही, जबकि इनकी बिक्री 28,000 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से हुई। कंपनी इस परियोजना में 172 लक्जरी आवास विकसित कर रही है। इनका कुल कारपेट एरिया चार लाख वर्ग फुट से अधिक और बिक्री योग्य क्षेत्र 7.5 लाख वर्ग फुट से अधिक है। डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कारोबार अधिकारी आकाश ओहरी ने कहा कि यह परियोजना भारत में लक्जरी सेवानिवृत्ति आवास की अवधारणा को नए सिरे से परिभाषित करने की डीएलएफ की सोच को दर्शाती है। परियोजना में आपातकालीन सहायता वाली पेशेवर रूप से संचालित चिकित्सा सुविधा भी होगी। ओहरी ने कहा कि परियोजना की मजबूत बिक्री भारत में इस क्षेत्र में प्रीमियम और बेहतर अनुभव देने वाले आवासीय विकल्पों की बढ़ती मांग को दर्शाती है। डीएलएफ ने अब तक 185 से अधिक रियल एस्टेट परियोजनाएं विकसित की हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 35.2 करोड़ वर्ग फुट से अधिक है।

भारत-कनाडा के बीच सीईपीए वार्ता का पांचवां दौर सोमवार से शुरू होगा

एजेंसी



नई दिल्ली। भारत और कनाडा के के बीच प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए पांचवें दौर की वार्ता 5 अक्टूबर से ओटावा में शुरू होगी। दोनों देशों का लक्ष्य इस साल के अंत तक बातचीत पूरी करने का है। पांच दिन तक चलने वाली यह वार्ता नौ अक्टूबर को समाप्त हो सकती है। इस बातचीत का चौथा दौर 18 सितंबर को नई दिल्ली में संपन्न हुआ था। सूत्रों ने कहा कि दोनों देश इस साल के अंत तक वार्ता पूरी करने के लक्ष्य के साथ बातचीत वार्ता में तेजी ला रहे हैं। यह वार्ता इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पिछले महीने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस साल दिसंबर के आसपास कनाडा की यात्रा कर सकते हैं। भारत और कनाडा वार्ता को और गति देने के लिए कनाडा के अंत में 300 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली आएंगे। सिद्धू और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले महीने मुंबई में मुलाकात कर बातचीत की प्रगति की समीक्षा की थी। भारत और कनाडा प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) एक तरह का मुक्त व्यापार समझौता है, जिसके तहत दोनों देश आपस में कारोबार होने वाली अधिकतम संख्या में वस्तुओं पर व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू इस महीने के सीमा शुल्क को काफी कम या समाप्त करते हैं। इसके अलावा कुशल पेशेवरों के आवागमन के नियमों को आसान बनाने और निवेश आकर्षित करने के उपाय भी इसमें शामिल होते हैं। मार्च, 2022 में दोनों देशों ने अंतरिम समझौते के लिए बातचीत फिर शुरू की। 2023 में दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ने के बाद कनाडा ने वार्ता फिर रोक दी। नवंबर, 2025 में दोनों देशों ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए औपचारिक वार्ता फिर शुरू करने का फैसला किया।

भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में जगह बनाना चाहती है कैनन, प्रौद्योगिकी लाने को तैयार

नयी दिल्ली। जापान की प्रमुख इमेजिंग और ऑप्टिकल प्रौद्योगिकी कंपनी कैनन भारत में तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने देश में बनाई जा रही प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं से जुड़े पक्षों के साथ बातचीत की है और चिप निर्माताओं को प्रौद्योगिकी सहायता देने के लिए भारत में अपनी लिथोग्राफी तकनीक तथा सेवा केंद्र लाने की योजना बनाई है। कैनन इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तोशियाकी नोमुरा ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण का विस्तार कंपनी के लिए एक बड़ा अवसर है। कैनन चिप निर्माण में इस्तेमाल होने वाली लिथोग्राफी मशीनों की वैश्विक आपूर्तिकर्ता है। नोमुरा ने कहा, ल्भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण इस समय प्रमुख चर्चा का विषय है। हमारे पास इन चिप के निर्माण के लिए लिथोग्राफी मशीनें हैं और हम अपनी प्रौद्योगिकी के जरिये भारत में चिप विनिर्माताओं को सहयोग देना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि कैनन ने भारत में विकसित की जा रही प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं से जुड़े विनिर्माताओं के साथ बातचीत की है। हालांकि, कंपनी ने अभी किसी विशेष परियोजना या ग्राहक के साथ करार की घोषणा नहीं की है। नोमुरा के मुताबिक, जैसे-जैसे भारत में सेमीकंडक्टर परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी, वैसे-वैसे कैनन के लिए देश में चिप विनिर्माण से जुड़े ग्राहकों को समर्पित प्रौद्योगिकी सहायता और सेवा ढांचा स्थापित करने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। भारत सरकार घरेलू सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजनाओं के तहत चिप निर्माण, असेंबली, परीक्षण, मार्किंग और पैकेजिंग से जुड़ी कई परियोजनाओं को मंजूरी दे चुकी है। ऐसे में कैनन भारत के उभरते सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी प्रौद्योगिकी और सेवाओं के जरिये जगह बनाने की तैयारी कर रही है।

आरबीआई के बयान पर रहेगी निवेशकों की नजर

शेयर समीक्षा

एजेंसी



मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बयान पर रहेगी। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक सोमवार पांच अक्टूबर से शुरू हो रही है। रेपो दर तथा नीतिगत दरों पर फैसले की घोषणा सात अक्टूबर को जाएगी। साथ ही अर्थव्यवस्था की स्थिति पर भी बयान जारी किया जाएगा। आरबीआई की घोषणाओं का सीधा असर शेयर बाजार पर दिखेगा। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमत तथा अन्य वैश्विक कारकों का असर भी निवेश धारणा पर देखा जा सकता है। निवेशकों का अनुमान है कि रिजर्व बैंकों रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है। इससे बीते सप्ताह सभी सभी चार कारोबारी दिन बाजार में बिकवाली हावी रही। शुक्रवार को गांधी जयंती के मौके पर बाजार बंद रहे। बीएसई की 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,986.04 अंक (2.69 प्रतिशत) की साप्ताहिक गिरावट में 71,909.70 अंक पर बंद हुआ। यह डेढ़ साल का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 641.15 अंक यानी 2.78 प्रतिशत नीचे छह महीने के निचले स्तर 22,421.95 अंक पर आ गया। वृहत बाजार में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 3.87 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 3.20 प्रतिशत टूट गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से पिछले सप्ताह दो ही हरे निशान में रहीं। कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 4.07 फीसदी और इंफोसिस का 3.40 फीसदी मजबूत बंद हुआ। टाइटन में सबसे ज्यादा 7.05 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट रही। इटरनल का शेयर 6.36 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 5.95, मारुति सुजुकी का 5.56, पावरग्रिड का 5.42 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 5.10 प्रतिशत टूट गया। एलएंडटी में 4.99 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 4.89, बजाज फाइनेंस में 4.59, टाटा स्टील में 4.58 और आईटीसी में 4.46 प्रतिशत की गिरावट रही। एनटीपीसी का शेयर 2.91 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक का 2.90, अल्ट्राटेक सीमेंट का 2.71, अडानी पोर्ट्स का 2.58 और भारती एयरटेल तथा ट्रेंट दोनों के 2.57 फीसदी लुढ़क गए। बीईएल में 2.42 प्रतिशत, सन फार्मा में 2.35, एचडीएफसी बैंक में 2.24, बजाज फिनसर्व में 2.21, एशियन पेंट्स तथा आईसीआईसीआई बैंक दोनों में 1.58 और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.06 प्रतिशत की गिरावट रही। टेक महिंद्रा का शेयर 0.52 प्रतिशत, एक्सिस बैंक का 0.49, इंडिगो का 0.28 और टीसीएस का 0.22 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

करीब 12 लाख करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य के साथ अक्टूबर अंत तक सूचीबद्ध हो सकती है जियो प्लेटफॉर्म्स

एजेंसी

नयी दिल्ली। डिजिटल सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के इस महीने के अंत तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी का उद्यम मूल्य करीब 143-146 अरब डॉलर यानी 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक रह सकता है। जियो प्लेटफॉर्म्स का प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) करीब 3.8 अरब डॉलर का होने की संभावना है। इस आकार के साथ यह भारत का अबतक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बन सकता है। बैंकिंग और बाजार से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कंपनी ने अमेरिका, ब्रिटेन, दुबई, हांगकांग और सिंगापुर में अपने अंतरराष्ट्रीय रोडशो पूरे कर लिए हैं। अब वह 12 अक्टूबर से शुरू होने वाले सप्ताह में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के लिए अंतिम दस्तावेज दाखिल कर सकती है। इस बारे में जियो प्लेटफॉर्म्स (जेपीएल) को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है। सूत्रों का कहना है कि विदेशी निवेशकों से मिले सकारात्मक रुझान के आधार पर कंपनी का शुरुआती मूल्यांकन 143-146 अरब डॉलर या कम से कम 12 लाख करोड़ रुपये रहने की संभावना है। कंपनी भारत में भी आईपीओ रोडशो आयोजित कर सकती है। इसके अलावा, दशहरा से पहले एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया शुरू होने और दशहरा के बाद, लेकिन 23 अक्टूबर से पहले आईपीओ खुलने की संभावना जताई जा रही है। कंपनी के शेयरों की सूचीबद्धता अक्टूबर के अंत तक होने की उम्मीद है। अमेरिका, ब्रिटेन, दुबई, हांगकांग और सिंगापुर में आयोजित रोड शो की अगुवाई जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रबंध निदेशक एवं रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी और रिलायंस रिटेल वेंचर्स लि. की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने की। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 28 अगस्त को जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ पर अंतिम टिप्पणियां जारी की थीं। कंपनी ने जून में आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे। दस्तावेजों के मसौदे के अनुसार, जियो प्लेटफॉर्म्स 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी करने की योजना बना रही है। यह निर्गम-बाद इक्विटी का करीब 2.9 प्रतिशत होगा। जियो प्लेटफॉर्म्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया है। कंपनी का शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 30,053 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वार्षिक राजस्व 14.5 प्रतिशत बढ़कर 1,46,885 करोड़ रुपये रहा। नुवामा रिसर्च के विश्लेषकों का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 से 2029-30 के बीच रिलायंस जियो का मुनाफा करीब 18 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ सकता है।

क्षमा प्रतिशोध के बजाय सुधार और नफरत के बजाय संवाद का मार्ग : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भगवान महावीर स्मृति समिति और जैन महासभा के महापर्व क्षमापना समारोह में कहा कि क्षमा प्रतिशोध के बजाय सुधार, नफरत के बजाय संवाद और शत्रुता के बजाय मेल-मिलाप का मार्ग चुनना है। अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा का अभाव नहीं बल्कि विचार, वाणी और कर्म में हिंसा से दूर रहना भी है। वास्तव में विकसित भारत में नागरिकों के बीच विश्वास, परिवारों में संस्कार, युवाओं में चरित्र और समाज में करुणा होनी चाहिए।

उपराष्ट्रपति रविवार को यहां विज्ञान भवन में भगवान महावीर स्मृति समिति और जैन महासभा दिल्ली की ओर से आयोजित महापर्व क्षमापना समारोह-2026 में शामिल हुए। कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, भगवान महावीर स्मृति समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल जैन, जैन महासभा दिल्ली के अध्यक्ष दिनेश दोशी, आचार्य विशुद्ध सागरजी मुनिराज, श्री जैन तरुण समाज भगवान महावीर स्मृति समिति के महासचिव विपिन जैन, मुनिश्री उदित कुमार जी, मुनिश्री तीर्थ निर्वाण विजय जी और उपाध्याय रविंद्र मुनि जी सहित तमाम लोग मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि क्षमापना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि मनुष्य के हृदय में परिवर्तन का अवसर है।



जैन परंपरा ने क्षमा को जिस गहराई से आध्यात्मिक साधना में बदला है, वह आज भारत और पूरी मानवता के लिए प्रासंगिक है। जैन धर्म ने तमिल साहित्य और संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जैन विद्वानों और साधुओं ने शास्त्रीय तमिल साहित्य के विकास में योगदान दिया। तमिलनाडु में प्राचीन जैन मंदिरों और शिक्षा केंद्रों की मौजूदगी भी इस संबंध को दर्शाती है। उन्होंने जैन दर्शन के सार्वभौमिक संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी जीवों के प्रति मैत्री और किसी के प्रति शत्रुता नहीं रखने की भावना भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम' के सभ्यतागत विचार से जुड़ी है। संघर्ष और हिंसा से जूझ रही दुनिया में भगवान महावीर की शिक्षाएं शांति, संवाद, सह-अस्तित्व और करुणा का मार्ग दिखाती हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान महावीर ने मानवता को आंतरिक विजय का मार्ग दिखाया। वास्तविक शक्ति क्रोध, असहिष्णुता और प्रतिशोध पर विजय पाने में है। अहिंसा को केवल शारीरिक हिंसा से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। विचार, वाणी और कर्म में हिंसा से मुक्त होना भी अहिंसा का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि क्षमा का अर्थ अन्याय को स्वीकार करना या सत्य से समझौता करना नहीं है। क्षमा का अर्थ प्रतिशोध के बजाय सुधार, नफरत के बजाय संवाद और शत्रुता के बजाय मेल-मिलाप का रास्ता चुनना है। प्रतिक्रमण की भावना व्यक्ति और परिवारों को अपनी गलतियों को स्वीकार करने तथा विवादों के समाधान में मदद कर सकती है।

उद्धव ठाकरे ने सीईसी को भाजपा का हथियार बताया

एजेंसी

एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने एसआईआर

मुंबई में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सड़क पर उतरे ठाकरे बंधु

मुंबई। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ मुंबई में रविवार को ठाकरे बंधु सड़क पर उतरे और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर सत्ताधारी भाजपा के लिए हथियार की तरह काम करने का आरोप लगाया। वहीं, एमएनएस नेता राज ठाकरे ने महाराष्ट्र की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द करने की मांग की। विराट गर्जना मोर्चा नाम के इस आंदोलन में शामिल लोगों ने एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की। मार्च में पार्टी के झंडे ले जाने की अनुमति नहीं थी और लोगों से केवल राष्ट्रीय तिरंगा साथ रखने को कहा गया था।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि विपक्षी दलों की लड़ाई किसी एक पार्टी या नेता, धर्म या जाति के बारे में नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को यह समझना चाहिए कि लोग आज शांत हैं। अगर वे उत्तेजित हो गए तो उन्हें संभालना मुश्किल हो जाएगा। चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए उद्धव ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मतदाता सूची से दो करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। साथ ही पश्चिम बंगाल में 30 लाख और तमिलनाडु में 70 लाख मतदाताओं के नाम इसी तरह की प्रक्रिया में हटाए गए हैं.

उद्धव ने पश्चिम बंगाल में उपचुनाव से ठीक पहले मतदाता सूची से जुड़े मामले पर तत्काल सुनवाई न करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की भी आलोचना की। कोर्ट इस मामले पर 5 अक्तूबर को सुनवाई करेगा, जो राज्य की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से एक दिन पहले है। उद्धव ने दावा किया कि इससे पता चलता है कि वे सभी संस्थानों को कैसे नियंत्रित कर रहे हैं। राज ठाकरे ने मांग की कि देश में भविष्य के चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएं। उद्धव ठाकरे ने सवाल किया कि अगर एसआईआर मतदाता सूची से बांग्लादेशियों को हटाने के लिए किया गया था, तो सरकार को देश में अवैध रूप से रह रहे कितने बांग्लादेशी मिले? उद्धव ने न्यूरेमबर्ग ट्रायल की तर्ज पर भाजपा अधिकारियों पर मुकदमा चलाने की चेतावनी भी दी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और इन अधिकारियों को यह समझना चाहिए कि देश में भी ऐसा ही कुछ होगा। न्यूरेमबर्ग ट्रायल दूसरे विश्व युद्ध के बाद मित्र देशों द्वारा आयोजित सैन्य ट्रिब्यूनल की एक श्रृंखला थी।

वर्तमान समय पीढ़ी के परिवर्तन की बेला, नए आयामों को स्वीकार कीजिए : नरेन्द्र सिंह तोमर

एजेंसी

इंदौर। जिसे आप जेन ज़ी कहते हैं, मैं उन्हें तरुण भारत कहता हूं। पूरी दुनिया में तरुण भारत जो चमत्कारिक कार्य कर रहा है, वह हम सभी के लिए आश्चर्यजनक है। नई पीढ़ी और हमारे बीच में सोच का अंतर हो सकता है, लेकिन नई पीढ़ी गलत दिशा में ही सोचेगी, ऐसा मानने का कोई कारण समझ में नहीं आता। वर्तमान समय पीढ़ी के परिवर्तन की बेला है। हम सबको अपनी सोच को व्यापक करना चाहिए, नए आयामों को स्वीकार करना चाहिए और भविष्य संभालने वाली पीढ़ी का स्वागत करना चाहिए।

यह विचार मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को स्टेट प्रेस क्लब मध्य प्रदेश द्वारा इंदौर में 'क्या जेन ज़ी बनेंगे भारत के खेवनहार' विषय पर आयोजित भारतीय पत्रकारिता महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति परिवर्तन को प्रकृति का नियम मानती है। जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे नई पीढ़ी आती है। नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के सच में अंतर स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन की प्रक्रिया स्वाभाविक है। हम सभी को भी इस प्रक्रिया के तहत स्वयं को तैयार करना चाहिए। कुछ लोग दिशा भ्रमित करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन मैं यह दावे के साथ कह सकता हूं कि हमारी तरुणाई पूरी दुनिया में गर्व करने लायक कार्य कर रही है। तोमर ने कहा कि हिंदुस्तान के नौजवान और तरुण पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में योगदान दे कर हिंदुस्तान का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस प्रकार दुनिया में भारतीयों को जागृत करने का प्रयास किया है वह महत्वपूर्ण है। विदेशों में मोदीजी के कार्यक्रमों में शामिल तरुणाई के योगदान और अन्य देशों में किए जा रहे कार्यों को देख कर हम सभी को प्रसन्न होना चाहिए। नई पीढ़ी पर हमारा विश्वास और मजबूत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा देश दुनिया का बड़ा लोकतांत्रिक देश है। छोटे-छोटे देशों में लोकतंत्र को समृद्ध करना आसान होता है लेकिन 140 करोड़ के देश में लोकतंत्र को समृद्ध करना, उसे मजबूत बनाना और आगे बढ़ाना कठिन कार्य होता है। हमारा सौभाग्य है कि स्वतंत्रता संग्राम में हमारे पूर्वजों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर लहू से सनी हुई आज़ादी हिंदुस्तानियों को प्रदान की है उसकी कीमत सभी समझते हैं। चाहे सार्वजनिक जीवन में हों, कार्यपालिका में हों या न्यायपालिका या पत्रकारिता के क्षेत्र में, सभी अपनी-अपनी भूमिका को ठीक प्रकार से निर्वाण करते हैं, तभी लोकतंत्र बना रहता है। उन्होंने कहा कि आज भारत में लोकतंत्र मजबूत हो रहा है।

कैप्टन स्मित मच्छर को लेकर गांधी परिवार की चुप्पी पर भाजपा ने उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर की बहादुरी को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की कथित चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने रविवार को कहा कि कैप्टन स्मित ने विमान में अदम्य साहस का परिचय देकर कई लोगों की जान बचाई, लेकिन गांधी परिवार की ओर से उनके लिए अब तक एक भी शब्द, पोस्ट या प्रेस वक्तव्य सामने नहीं आया है।

सुधांशु त्रिवेदी ने यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कैप्टन स्मित से बात कर चुके हैं और इजरायल तथा अमेरिका के राष्ट्राध्यक्षों ने भी उनकी बहादुरी की सराहना की है। ऐसे में गांधी परिवार की चुप्पी सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि आखिर कैप्टन स्मित के साहस पर कांग्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई। उन्होंने कहा कि मीडिया में आरोपी पायलट इमाम अल हमामी को लेकर अल-कायदा की ओर से कथित समर्थन की खबरें भी सामने आई हैं। इसके बावजूद सोनिया, प्रियंका और राहुल ने कैप्टन स्मित के साहस को लेकर कोई बयान नहीं दिया। उन्होंने बाटला हाउस मुठभेड़ का जिक्र करते हुए कहा कि जिन लोगों ने उस घटना के आरोपितों के प्रति सहानुभूति दिखाई थी, उनकी ओर से कैप्टन स्मित के लिए करुणा का कोई भाव दिखाई नहीं दे रहा है। त्रिवेदी न कहा कि राहुल गांधी गाजा के मुद्दे पर 'एक्स' पोस्ट, कांग्रेस कार्यसमिति के प्रस्तावों और अखबारों में लेखों के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते रहे हैं, लेकिन कैप्टन स्मित के मामले में उनकी ओर से एक शब्द नहीं आया। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व अपने कथित वोट बैंक के दबाव में इस मामले पर चुप है। पूरे देश को कांग्रेस के सर्वोच्च नेतृत्व के इस आचरण को देखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जो लोग जाकिर नाइक को शांति का मसीहा बताते थे, अफजल गुरु को परिस्थितियों का शिकार और बुरहान वानी को भटका हुआ युवा बताते थे, याकूब मेमन की फांसी को 'न्यायिक हत्या' कहते थे और बाटला हाउस मुठभेड़ पर सवाल उठाते थे, वे कैप्टन स्मित के मामले में अब एक शब्द क्यों नहीं बोल रहे हैं। त्रिवेदी ने इसे दो विचारधाराओं का टकराव बताते हुए कहा कि एक विचारधारा कथित तौर पर आतंक के प्रति नरम रुख रखती है, जबकि दूसरी विचारधारा देश और लोगों की सुरक्षा के लिए जोखिम उठाने को तैयार है। उन्होंने कैप्टन स्मित को इसका उदाहरण बताते हुए कहा कि उन्होंने विमान में सवार लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली।

भाजपा सांसद ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस में इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की जयंती के दिन कांग्रेस ने यह नियुक्ति की। उन्होंने इमरान मसूद के 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर दिए गए कथित 'बोटी-बोटी' बयान का भी उल्लेख किया और कांग्रेस के फैसले पर सवाल उठाए। सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी निशाना साधते हुए उनके पार्टी अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लगातार चुनावी हार की हताशा में खरगे राहुल गांधी की कथित विकृत मानसिकता को क्यों अपना रहे हैं।

अशोक सिंघल ने सनातन धर्म और राष्ट्रीय चेतना के लिए जीवन समर्पित किया : प्रह्लाद जोशी

हुब्बल्ली। अशोक सिंघल ने सनातन धर्म की रक्षा, गौ संरक्षण, हिंदू समाज में जागरूकता और राष्ट्रीय चेतना के निर्माण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। हुब्बल्ली के देशपांडे नगर स्थित सवाई गंधर्व हॉल में विश्व हिंदू परिषद, कर्नाटक उत्तर प्रांत की ओर से आयोजित अशोक सिंघल जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह बातें कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख नेताओं में रहे अशोक सिंघल का विश्वभर में हिंदू समाज को संगठित करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। अशोक सिंघल की धर्मनिष्ठा, राष्ट्रभक्ति, त्याग, देशसेवा के प्रति प्रतिबद्धता, विचार और सेवा का मार्ग समाज के लिए सदैव प्रेरणादायी और मार्गदर्शक रहेगा। समारोह का आयोजन हुकेरी स्थित गुरुशांतिश्वर संस्थान हिरेमठ के पूज्य श्री ष.ब्र. चंद्रशेखर शिवाचार्य महास्वामीजी तथा कोंचूरमठ के पूज्य श्री सवितानंद महास्वामीजी के दिव्य सान्निध्य में हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख सुधीरसिंह घोरपड़े, सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक शरणप्पा उल्किहाल, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सचिव गोपाल जी, कर्नाटक उत्तर प्रांत के अध्यक्ष लिंगराज अप्पा, प्रांत सचिव शिवकुमार बोळशेट्टी सहित कई गणमान्य एवं प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

जम्मू में सेना के जवान की मौत

जम्मू। जम्मू के सुंजवां सैन्य शिविर में रविवार को 45 वर्षीय एक जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, जवान शिविर के एक शेड में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान महाराष्ट्र निवासी नायक वाघ अंबाडेस के रूप में हुई है। घटना चन्नी हिम्मत इलाके में स्थित सैन्य शिविर की है। जवान का शव बरामद कर पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी प्रक्रिया के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। अधिकारियों के अनुसार, जवान की मौत के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है और घटना की परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है।

तीन महिला पत्रकारों से अभद्रता मामले की जांच क्राइम ब्रांच के हवाले

नई दिल्ली। संसद मार्ग इलाके में शनिवार को एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर अभद्र हरकतें करने का आरोप लगाया है। महिला पत्रकारों ने संसद मार्ग थाने में शिकायत दी, जिसे रविवार को क्राइम ब्रांच में आगे की जांच के लिए भेज दिया गया है। अब क्राइम ब्रांच की टीम पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी। जानकारी के अनुसार, तीन महिला पत्रकार प्रदर्शन के दौरान अपने यूट्यूब चैनल के वीडियो बना रही थीं। तीनों का आरोप है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और उनके साथियों ने अभद्र हरकतें की। इसे लेकर महिला पत्रकार और उनके साथी शनिवार को संसद मार्ग थाने के बाहर धरना देकर बैठ गए। दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता ने बताया पुलिस ने लिखित शिकायत लेने के बाद निष्पक्ष जांच के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देश पर मामले को क्राइम ब्रांच को भेज दिया गया है। पुलिस ने घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों से इस बाबत वीडियो साझा करने की भी अपील की है। इसके अलावा क्राइम ब्रांच की टीम सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही रही है? कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने 'एक्स' पर लिखा कि दर्जनों पत्रकारों के विरोध के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रही महिलाओं का भी कहना है कि पुलिस उनके साथ बहुत बुरा बर्ताव कर रही है। उन्होंने कहा कि कॉलेज की छात्राओं से लेकर पत्रकारों तक, हर जगह महिलाएं असुरक्षा का सामना कर रही हैं।

पेज एक का शेष

जातीय खेमों में लड़ता...

जाता है, लेकिन विचार के नाम पर चलने वाला संगठन लंबी दूरी तय करता है। 100 वर्ष की यह साधना इसका प्रमाण है। शब्द ब्रह्म है, विचार कभी नहीं मरते, इसी का प्रतीक है अखिल विश्व गायत्री परिवार। सीएम ने कहा कि यज्ञों की वेदी पर 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से समाज को जोड़ने का काम पवित्र है। पहले संसाधन कम थे, लेकिन परिवार हमारी ताकत था। सभी भाई-उनके बच्चे संयुक्त परिवार की परंपरा में रहते थे। हर कोई मिलकर संकट का सामना करता था। आज परिवार सीमित हो गए। छत भले एक हो, लेकिन पांच परिवारों के मुख अलग-अलग दिशा में हैं। गायत्री परिवार जैसी संस्थाओं के कारण अवश्य स्थिति कुछ संतोषजनक है। दुनिया में बिखर रहे समाज और तबाह हो रहे परिवारों को बचाने के लिए मंत्रालय गठित करना पड़ा। एक मंत्री देख रहा है कि तनाव से बचने के लिए क्या करना है। मुख्यमंत्री ने गायत्री परिवार की सराहना करते हुए कहा कि इस परिवार की वजह से आज हर बच्चा गायत्री मंत्र सुना देता है। तुतलाती भाषा में बच्चों के मुख से गायत्री मंत्र सुनकर बहुत अच्छा लगता है। समाज में बिखराव को रोकने का दायित्व भी गायत्री परिवार को उठाना पड़ेगा। पं. श्रीराम शर्मा उन महापुरुषों में से हैं, जिन्होंने धर्म को विज्ञान से जोड़ा। धर्म और विज्ञान एक दूसरे के सहयोगी हैं। डॉ. चिन्मय पंड्या भी मॉडर्न मेडिसिन के चिकित्सक हैं, लेकिन अखिल विश्व गायत्री परिवार को आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुलामी के दौर में एक तबका समाज को विभाजित तो एक तबका समाज को जोड़ रहा था। बांटने वाले स्वाधीनता का विरोध करते थे और समाज को विभाजित करते थे। आज भी बांटने वाले तत्व क्षेत्र, जाति, भाषा के नाम पर समाज की एकता को छिन्न-भिन्न कर रहे हैं। यह भारत माता व पूर्वजों के प्रति अपराध है। भारत की स्वाधीनता को खतरे में डालने की शरारतपूर्ण चेष्टा है। जब राष्ट्र पर संकट आता है तो शिक्षकों की जिम्मेदारी बड़ी हो जाती है। उन्हें विभाजनकारी ताकतों को सफल नहीं होने देना है। यज्ञ की वेदी हमें 'यह मेरा नहीं' के भाव से जोड़ती है। प्रकृति, पेड़, जल स्रोत, गंगा मैया, सूर्य नारायण कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं करते। सीएम ने कहा कि यज्ञकुंड में समिधा डालने का भाव जोड़ना, आगे बढ़ाना और सामाजिक एकता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूती प्रदान करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री के ल्लएक पेड़ मां के नामङ्क के भाव की चर्चा करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने 2017 से 2026 तक यूपी में 275 करोड़ पौधरोपण किए हैं। इस वर्ष भी हमने 35 करोड़ पौधे लगाए हैं। उनके संरक्षण व सुरक्षा के उपाय भी किए गए हैं। देहरादून फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट देहरादून और गुरु घासीदास विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ हमें थर्ड पार्टी के रूप में इसकी रिपोर्ट देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार जवाबदेही तय होती है। इसका पीछे हमारा ध्येय है कि भावी पीढ़ी को सुखद व सुंदर माहौल दे सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हर नदी प्रदूषित हो गई है। स्वार्थ के लिए नदी संस्कृति को नष्ट कर दिया गया। जीवनदायिनी नदियां नहीं रहेंगी तो जीवन सृष्टि के सामने संकट खड़ा होगा। नदियों की भूमिका वैसे ही है, जैसे शरीर में धमनियों की। हमें नदियों को बचाकर उन्हें अविरल-निर्मल करना होगा। एक नदी दशकों पहले सूख गई थी। हमने सेटेलाइट मैपिंग से उसके इमेज निकाले, उसकी खुदाई प्रारंभ कराई। कार्य संपन्न होने के बाद बरसात में वहां जल धारा फूट पड़ी। इससे पूर्वजों की तपस्या साकार हुई। जिन लोगों ने उस नदी का जल ग्रहण किया होगा, नदी के पुनर्जीवित होने पर उन्हें आशीर्वाद प्राप्त होगा। सीएम ने योग दिवस को मान्यता दिलाने के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 21 जून को 190 से अधिक देश योग से जुडकर ऋषि परंपरा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। आजादी के शताब्दी महोत्सव के हमारे संकल्प स्पष्ट हैं- गुलामी की मानसिकता को त्यागना, विरासत पर गौरव की अनुभूति, सामाजिक समता के लिए काम करना, विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाना, नागरिक कर्तव्यों का अहसास करना और अधिकार से अधिक कर्तव्य को महत्व देना। हर व्यक्ति कर्तव्य के प्रति ईमानदार हो जाए तो भारत को कोई आंख नहीं दिखा सकता, बल्कि भारत दुनिया को नेतृत्व देगा। 2047 हम सभी को अभिभूत करेगा। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के टॉप-10 स्कूलों को सम्मानित किया गया। इनमें सीतापुर के सीतापुर इंटर कॉलेज व आशुतोष बृज मोहन लाल मेमोरियल कॉलेज, रायबरेली का चंद्रशेखर मेमोरियल पब्लिक स्कूल, लखनऊ के लखनऊ पब्लिक स्कूल व सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, गाजियाबाद का डॉ. केएन मोदी साइंस एंड कॉमर्स इंटर कॉलेज, अमेठी का शिव प्रताप इंटर कॉलेज, बुलंदशहर का अमर सिंह इंटर कॉलेज, चित्रकूट का चित्रकूट इंटर कॉलेज और मुजफ्फरनगर का एमजी पब्लिक स्कूल शामिल हैं। कार्यशाला में डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि काम, क्रोध, लोभ, स्वार्थ और संकीर्णता आज मनुष्य के भीतर की चुनौती हैं। धर्म, न्याय, नीति, मूल्य और सदाचार को मजबूत करना होगा। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का उद्देश्य नई पीढ़ी में भारतीय संस्कृति के मूल भाव को स्थापित करना है। इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, विधायक राजेश्वर सिंह, केंद्रीय जोन प्रभारी परमानंद द्विवेदी, समन्वयक रामयश तिवारी, गायत्री परिवार के स्वयंसेवक और प्रदेशभर से आए शिक्षक मौजूद रहे।

मेरे अंदर एक...

आपने कई जिंदगियां बचाईं। दुनिया भर में इसकी सराहना की जा रही है। कैप्टन मच्छार ने बताया किउन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन हमलावर ने उसे फिर बंद कर दिया। इसके बाद मैं कॉकपिट के फर्श पर गिर गया। मुझे विमान के तेजी से नीचे जाने की आवाज और यात्रियों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने कहा कि मेरे अंदर एक आखिरी कोशिश करने की हिम्मत बची थी। इसे निजी संघर्ष कहें या दूसरों के लिए, लेकिन मुझे लगा कि अगर मैंने ऐसा नहीं किया तो मैं मर जाऊंगा। इसके बाद पूरी ताकत लगाकर दोबारा दरवाजे तक पहुंचने और उसे खोलने की कोशिश की। दरवाजा खुलते ही बाहर मौजूद यात्री और चालक दल के सदस्य अंदर पहुंचे और स्थिति को संभाल लिया। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कैप्टन मच्छार को इजरायल के अगले स्वतंत्रता दिवस पर समारोह में मशाल प्रज्ज्वलित करने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही कहा कि आप भारत और इजरायल के बहादुर लोगों के सच्चे नायक हैं। आप पूरी दुनिया के नायक हैं। मैं आपके जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान है, जो हम अपने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदान करते हैं। आमतौर पर यह केवल इजरायल के नागरिकों के लिए है, लेकिन मुझे लगता है कि इस मामले में इजरायल का हर नागरिक आपका सम्मान करेगा। हम उम्मीद करते हैं कि आप जल्द ही इजरायल आएंगे।

विमान को बचाने...

पायलटों का मौजूद होना ही यात्रियों के लिए जीवनरक्षक साबित हुआ। शिलख्टर के मुताबिक दोनों पायलट विमान में इसलिए सवार थे, क्योंकि उन्हें इसी विमान को तेल अवीव से दुबई वापस ले जाना था। विमानन क्षेत्र में इस प्रक्रिया को 'डेडहेडिंग' कहा जाता है। इसमें चालक दल के सदस्य ड्यूटी के लिए किसी स्थान पर पहुंचने या वहां से लौटने के लिए यात्री के रूप में विमान में सफर करते हैं। यात्रियों के अनुसार सह-पायलट बार-बार कप्तान पर हमला कर रहा था और कॉकपिट में खून फैला हुआ था। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कप्तान ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफलता हासिल की। इसके बाद एक यात्री ने सह-पायलट को पकड़कर कॉकपिट से बाहर खींच लिया। अन्य यात्रियों ने भी उसे काबू करने में मदद की। इसी दौरान विमान में मौजूद एक अतिरिक्त पायलट तेजी से कॉकपिट में पहुंचा और विमान का नियंत्रण संभाल लिया। कुछ देर बाद दूसरा पायलट भी वहां पहुंच गया। दोनों ने कॉकपिट का दरवाजा बंद कर दिया। शिलख्टर के मुताबिक विमान इतनी तेजी से नीचे गिरा था कि उसके रडर का एक हिस्सा तक टूट गया था। रडर विमान की दिशा नियंत्रित करने में मदद करता है। दोनों पायलटों को विमान को स्थिर करने में करीब 10 मिनट या उससे अधिक समय लगा। इस दौरान आपातकालीन संदेश (मेडे कॉल) भी भेजा गया और विमान उतारने के लिए सुरक्षित स्थान तलाशा जाने लगा। हालांकि, विमान को स्थिर करने के बाद दोनों पायलटों ने यात्रियों से तत्काल कोई बातचीत नहीं की। इससे कुछ यात्रियों के मन में आशंका पैदा हुई। शिलख्टर ने बताया कि उन्हें डर था कि कहीं विमान को अगवा कर ईरान या किसी अन्य स्थान की ओर न ले जाया जा रहा हो। करीब 45 मिनट बाद पायलटों ने घोषणा की कि विमान को सऊदी अरब के तबुक में उतारा जाएगा और सब कुछ ठीक रहेगा। इसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। शिलख्टर ने कहा कि अंततः उन्हें पायलटों पर भरोसा हो गया और उनका भरोसा सही साबित हुआ।

पॉक्सो मामले में ...

और मामा ने उसे सिखाया था कि पुलिस के सामने उसे क्या कहना है। हाईकोर्ट ने पाया कि पीड़िता और उसकी मां के बयानों में भी कई महत्वपूर्ण विरोधाभास हैं। इन सभी तथ्यों को देखते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला उचित संदेह से परे साबित नहीं हो सका। अपीलकर्ता की ओर से अधिवक्ता स्वाति वर्मा ने दलील दी कि पीड़िता के सीआरपीसी की धारा 161, धारा 164 सीआरपीसी और अदालत में दिए गए बयानों में महत्वपूर्ण अंतर हैं। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि मेडिकल साक्ष्य अभियोजन की कहानी की पुष्टि नहीं करते और रिकॉर्ड पर मौजूद विरोधाभासों को ट्रायल कोर्ट ने उचित महत्व नहीं दिया।

एशियन गेम्स...

स्टाफ ही दिखाई दे रहा था। फिर धीरे धीरे भारतीय एथलीट भी नजर आने लगे। कई एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी से पहले स्वदेश लौट चुके। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई थी। आइची-नागोया एशियाई खेलों के समापन समारोह के दौरान अगले एशियाई खेलों के मेजबान को भी आधिकारिक तौर पर कमान सौंपी गई। समापन समारोह के आखिर में कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थान को झंडा और मशाल सौंपी गई। इसके साथ ही कतर का राष्ट्रीय ध्वड फहराया गया। एशियाई खेलों का अगला संस्करण 2030 में दोहा, कतर में आयोजित होगा। समारोह में आइची-नागोया से दोहा को एशियाई खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से सौंपी गई। नागोया में अंतिम जश्न के साथ 16 दिनों तक चले खेलों का समापन हो गया और अब नजरें एशियाई खेल 2030 पर टिकी होंगी।

बंगाल में छह...

सनातन परंपराओं, मंदिरों, मठों और देश की विरासत की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और 'विभाजनकारी ताकतों' के खिलाफ सतर्क रहने की अपील की। समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर सीएम ने कहा कि पश्चिम बंगाल भी उत्तराखंड और गुजरात की तरह यूसीसी लागू करेगा। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा कि सरकार को छह महीने का समय दें, इसके बाद 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ सख्त कानून लाए जाएंगे। राज्य सरकार ने यूसीसी के मसौदे की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति बनाई है। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक, प्रस्तावित पश्चिम बंगाल यूसीसी विधेयक में विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मामलों में सभी समुदायों के लिए नागरिक कानूनों को एक समान करने का प्रावधान है। यूसीसी भाजपा के 2026 के विधानसभा चुनाव के प्रमुख चुनावी वादों में शामिल था। सीएम ने पिछली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार के पतन के कई कारण थे, लेकिन हिंदुओं की भावनाओं, संगठनों, देवी-देवताओं और परंपराओं को बार-बार ठेस पहुंचना प्रमुख कारणों में शामिल था। उन्होंने दावा किया कि लोगों ने लंबे समय तक यह सब सहन किया और बाद में पार्टी को सत्ता से बाहर कर दिया। मुख्यमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े अपने पुराने अनुभव को भी याद किया। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन में वह इस आंदोलन में स्वयंसेवक के तौर पर शामिल हुए थे। 2021 से 2026 तक नेता प्रतिपक्ष रहते हुए उन्होंने राज्य में हिंदुओं पर कथित अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने आने वाले धार्मिक आयोजनों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नवंबर में नेताजी इंडोर स्टेडियम में 20 हजार लोग सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। वहीं, 29 दिसंबर को 10 लाख लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अगले साल होने वाले गंगासागर मेले की तैयारियां भी शुरू कर चुकी है। मेले में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है।

दिल्ली की रामलीला प्रभु श्रीराम के संस्कारों की जीवंत परंपरा : रेखा गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की रामलीला हमारी आस्था, हमारी संस्कृति और पीढ़ियों से चले आ रहे प्रभु श्रीराम के संस्कारों की जीवंत परंपरा है। उन्होंने रविवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में दिल्ली की विभिन्न रामलीला समितियों के सदस्यों से मुलाकात की।



मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी ने अपनी-अपनी रामलीला में आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष हमारी सरकार ने रामलीला आयोजनों को सुगम बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम से समयबद्ध एनओसी और उच्चस्तरीय समन्वय की व्यवस्था की थी। इस वर्ष इन्हीं व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाते हुए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। हमारे जनप्रतिनिधि भी रामलीला समितियों के साथ निरंतर संपर्क में रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्रभु श्रीराम की कथा पूरे गौरव और भव्यता से गूंजे, रामलीलाओं का आयोजन सुगम और सनातन की यह पुण्य परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी और सशक्त रहें। इसके लिए दिल्ली सरकार रामलीला समितियों के साथ पूरी प्रतिबद्धता से खड़ी है। उन्होंने कहा कि राम हमारी आस्था हैं, हमारे आदर्श हैं और भारत की आत्मा हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली में आगामी दिनों में मनाए जाने वाले पर्व रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पूजा के लिए तीन अलग-अलग विशेष समितियों का गठन किया गया है। ये समितियां संबंधित पर्वों के लिए स्थानों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के साथ-साथ आयोजन स्थलों पर आवश्यक नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, बिजली, चिकित्सा तथा अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। दिल्ली में आयोजित होने वाली रामलीलाओं के लिए स्थानों और तैयारियों की समीक्षा तथा उन्हें अंतिम रूप देने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष दिल्ली के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सहकारिता एवं निर्वाचन मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह बनाए गए हैं। समिति में सदस्यों के रूप में विधायक अशोक गोयल, विधायक अनिल कुमार शर्मा, विधायक श्याम शर्मा, विधायक संजय गोयल और विधायक संदीप सहरावत शामिल किए गए हैं। इसके अलावा सचिव, राजस्व-सह-मंडलायुक्त (डिविजनल कमिश्नर) इसके सदस्य सचिव बनाए गए हैं।

प्रदर्शन के दौरान तीन पत्रकारों के यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करेगी अपराध शाखा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली में 3 अक्टूबर को प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। इसके लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए इन्हें अपराध शाखा को सौंप दिया है।



आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज और पार्टी कार्यकर्ताओं ने आज संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों से कथित यौन उत्पीड़न के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पुलिस थाने और अस्पताल 24 घंटे खुले रहने चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस थाने को कैसे बंद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति शिकायत दर्ज कराने और जवाबदेही मांगने आए और पुलिस थाना ही बंद कर दिया जाए, यह उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि थाने की ओर जाने वाले सभी रास्ते भी बंद कर दिए गए हैं। आआपा विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि शिकायत कहां ली गई है और अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज कराना लोगों का अधिकार है और अदालत भी इस अधिकार को मानती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या हर व्यक्ति को न्याय पाने के लिए प्रदर्शन करना पड़ेगा। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 3 अक्टूबर को नई दिल्ली क्षेत्र में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान, कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। नई दिल्ली जिला प्रशासन को उनकी शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं और निष्पक्ष जांच के लिए इन्हें अपराध शाखा को सौंप दिया गया है।

आसपास की स्वच्छता हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : डीईओ



कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुपौल। स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखना हम सभी का दायित्व है। स्वच्छ वातावरण के निर्माण में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षक अपने विद्यालयों के साथ-साथ समाज में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में अहम योगदान दे सकते हैं। ये बातें जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) संग्राम सिंह ने रविवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित स्वच्छता सह जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कहीं। डीईओ संग्राम सिंह के नेतृत्व में शिक्षा विभाग की ओर से रविवार की सुबह शहर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में शिक्षा विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मियों के साथ विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, स्काउट एवं एनसीसी कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला शिक्षा विभाग कार्यालय परिसर से अभियान की शुरुआत की गई। इसके बाद सभी ने सड़क के दोनों किनारों एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई करते हुए गांधी मैदान तक स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान डीईओ ने कहा कि 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का उद्देश्य केवल साफ-सफाई करना नहीं, बल्कि लोगों के व्यवहार में स्वच्छता को शामिल करना है। शिक्षक समाज के महत्वपूर्ण मार्गदर्शक हैं। इसलिए शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों और आम लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में दुर्गापूजा, दीपावली और छठ जैसे पर्व-त्योहार हैं। ऐसे में बाजार, पूजा स्थलों, सार्वजनिक स्थानों और जलाशयों के आसपास विशेष साफ-सफाई बनाए रखने की आवश्यकता है।जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें अपने घर और आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानाध्यापकों से कहा कि शिक्षक, छात्र और अभिभावकों के सामूहिक प्रयास से स्वच्छता अभियान को लगातार आगे बढ़ाया जाए। इससे बच्चों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी और इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ेगा। उन्होंने आम लोगों से भी सुपौल शहर और जिले को साफ-सुथरा बनाए रखने की अपील की। डीईओ ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकना, कूड़े का उचित निस्तारण करना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। सामूहिक प्रयास से ही स्वच्छ और आदर्श सुपौल का निर्माण संभव है। स्वच्छता अभियान में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी माध्यमिक शिक्षा एवं साक्षरता, सरस्वती विद्या निकेतन सुपौल के प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय कुमार, हजारी उच्च माध्यमिक विद्यालय गौरवगढ़ के प्रधानाध्यापक रामचन्द्र यादव, चकला निर्मली उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक जनार्दन मंडल, बीबी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक गोपाल चौधरी, स्काउट एवं गाइड के जिला संगठन आयुक्त संजय झा, विजेंद्र विमल सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, स्काउट एवं एनसीसी कैडेट तथा शिक्षा विभाग के कर्मी मौजूद थे।

मंत्री ने थामी झाड़ू, भूतनाथ मंदिर परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

किशनगंज। ऐतिहासिक भूतनाथ गौशाला शिव मंदिर परिसर में रविवार को आयोजित सेवा संकल्प अभियान के दौरान बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने खुद झाड़ू थामकर स्वच्छता अभियान चलाया। मंत्री को मंदिर परिसर में सफाई करते देख कार्यकर्ता और स्थानीय लोग भी अभियान में जुट गए। देखते ही देखते मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान ने व्यापक रूप ले लिया। सफाई अभियान के बाद मंत्री ने मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल किसी स्थान की सुंदरता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ समाज और बेहतर भविष्य की बुनियाद है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए।श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉ. जायसवाल ने कहा कि भाजपा के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का जरिया है। 'सेवा ही संगठन' और 'सेवा ही संकल्प' संगठन की कार्यशैली का मूल आधार है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के तहत बिहार में स्वच्छता, पौधारोपण समेत विभिन्न जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना भी ईश्वर की सच्ची सेवा है। स्वच्छ और हरित वातावरण आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अभियान को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने की अपील की।



कार्यक्रम में बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह उर्फ लक्खा सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोहन सिंह, जिला उपाध्यक्ष हरि अग्रवाल, जिला मंत्री ज्योति कुमार, जिला मंत्री लखवीर कौर, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता, महामंत्री मनीष सिन्हा और मीडिया प्रभारी सुबोध महेश्वरी समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला।

लुधियाना में पूर्व सरपंच की गोली मारकर हत्या, 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

लुधियाना। जिले के लाडोवाल क्षेत्र में शनिवार शाम मननेवाल गांव के पूर्व सरपंच नवजीत सिंह नीतू (55) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। नीतू अपनी जमीन की ओर जा रहे थे, तभी दक्षिण सिटी रोड पर मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने उन्हें रोककर फायरिंग कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मोटरसाइकिल पर फरार हो गए। एसीपी वेस्ट जतिंदरपाल सिंह ने बताया कि मामले में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इनमें दो आरोपियों की पहचान हो चुकी है, जबकि छह अन्य अज्ञात बताए जा रहे हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि फरार आरोपियों की पहचान और वारदात के पूरे घटनाक्रम का पता लगाया जा सके। पुलिस को घटनास्थल से करीब चार खाली कारतूस बरामद हुए हैं। लाडोवाल थाना प्रभारी सुखविंदर सिंह के अनुसार मृतक के परिजनों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। शुरुआती जांच में मननेवाल गांव में नीतू और उनके एक साझेदार से जुड़ा जमीन विवाद सामने आया है।

महाशय ड्योढ़ी में उमड़ी आस्था: बोधन कलश स्थापना के साथ लुटाई गई कौड़ी, भक्तों का उमड़ा हुजूम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जिले के नाथनगर के चंपानगर स्थित ऐतिहासिक महाशय ड्योढ़ी दुर्गा मंदिर में रविवार को 18 दिवसीय शारदीय नवरात्र का विधिवत और भव्य शुभारंभ हो गया। बांग्ला परंपरा के अनुसार आयोजित होने वाले इस महापर्व के पहले दिन वैदिक मंत्रोच्चार, शंख ध्वनि और पारंपरिक ढाक की गूंज के बीच मंदिर परिसर में बोधन कलश (घट) स्थापित किया गया। इसके ठीक बाद मंदिर में 400 वर्षों से चली आ रही ऐतिहासिक 'कौड़ी लूट' की रस्म निभाई गई, जिसमें कौड़ी पाने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। घट स्थापना से पूर्व सुबह करीब 7 बजे मंदिर परिसर से एक भव्य बोधन घट शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-ढाक, बाजा-गाजा और



घंटी-घड़ियाल के बीच श्रद्धालु बोधन घट को लेकर बंगाली टोला होते हुए गंगा घाट पहुंचे। वहां आचार्यों द्वारा पवित्र मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरा गया, जिसे वापस मंदिर लाया गया। इसके बाद विधि-विधान से कलश का द्वार पूजन और महाआरती कर इसे स्थापित किया गया। बोधन कलश स्थापित होते ही मंदिर के पुरोहितों द्वारा धन के देवता कुबेर की पूजा की हुई कौड़ियों को हवा में उछाला गया, जिसे लपकने के लिए भक्तों के बीच होड़ मच गई। श्रद्धालुओं, विशेषकर सुहागिन महिलाओं की भीड़ इतनी अधिक थी कि हर कोई माता का आशीर्वाद रूपी कौड़ी अपने आंचल में समेटने को बेताब दिखा। मान्यता है कि बंगाली परंपरा में कौड़ी को सुख-समृद्धि और धन कुबेर का प्रतीक माना जाता है। सुहागिन महिलाएं इस कौड़ी को सिंदूर के डिब्बे में रखती हैं, जिससे घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती। महाशय ड्योढ़ी के मुख्य आयोजकों के अनुसार, जहां पूरे देश में मुख्य रूप से 10 दिनों की दुर्गा पूजा होती है, वहीं महाशय ड्योढ़ी में यह महापर्व 18 दिनों तक चलता है, जिसकी शुरुआत मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल से हुई थी। यहां की बांग्ला पद्धति की पूजा और विसर्जन की अनूठी परंपरा (कंधों पर विसर्जन) को देखने के लिए हर साल देश-विदेश से श्रद्धालु भागलपुर पहुंचते हैं।

भाजपा ने दिनेश आर्य को उत्तराखंड से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया

❐ चार दशक से संगठन में सक्रिय, विद्यार्थी परिषद से शुरू किया था राजनीतिक सफर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तराखंड से राज्यसभा की एक सीट के लिए नैनीताल के वरिष्ठ नेता दिनेश आर्य को उम्मीदवार घोषित किया है। करीब चार दशक से भाजपा संगठन में सक्रिय आर्य ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से की थी। जिला स्तर से संगठन की राजनीति में आगे बढ़ते हुए वह प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। उत्तराखंड सरकार में भी उन्हें राज्य मंत्री स्तर का दायित्व मिला मिल चुका है। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने रविवार को राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव के लिए उत्तराखंड से दिनेश आर्य के नाम की घोषणा की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आर्य को प्रत्याशी बनाए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने अनुभवी और कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में आर्य का चयन किया है। नैनीताल से जुड़े दिनेश आर्य ने वर्ष 1985 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता के रूप में संगठनात्मक जीवन की शुरुआत की। एक वर्ष बाद 1986 में उन्हें एबीवीपी का नैनीताल जिला संयोजक बनाया गया। वर्ष 1988 तक विद्यार्थी परिषद में जिम्मेदारी निभाने के बाद वह भाजपा संगठन में सक्रिय हो गए। भाजपा में उनका सफर युवा मोर्चा और अनुसूचित मोर्चा से आगे बढ़ा। वर्ष 1988 से 1991 तक वह युवा मोर्चा के नैनीताल जिला मंत्री रहे। इसके बाद 1992 से 1995 तक अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष और 1996 से 1998 तक युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2001-02 में वह अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रहे। वर्ष 2002 से भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी



में रहे और 2007 से 2010 तक पार्टी के नैनीताल जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। संगठन में सक्रियता के साथ आर्य की भूमिका राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची। वर्ष 2017 से 2021 तक वह भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव और पंजाब प्रभारी रहे। वर्ष 2021 में उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जनसंपर्क अधिकारी के रूप में भी काम किया। वर्ष 2023 से वह उत्तराखंड सरकार की राज्यस्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष हैं। उन्हें राज्य मंत्री स्तर का दायित्व प्राप्त है। दिनेश आर्य नैनीताल विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट के दावेदारों में भी रहे हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने टिकट के लिए दावेदारी की थी। पार्टी ने उस चुनाव में सरिता आर्य को प्रत्याशी बनाया था। उस समय आर्य ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन पत्र भी खरीदा था, लेकिन बाद में वह भाजपा संगठन के साथ बने रहे। अब पार्टी ने उन्हें राज्यसभा के लिए प्रत्याशी बनाकर राष्ट्रीय राजनीति के उच्च सदन में जाने का अवसर दिया है। उनके चयन को लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे नेता को उच्च सदन में प्रतिनिधित्व देने के फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। नैनीताल से आने वाले दिनेश आर्य की उम्मीदवारी के साथ राज्यसभा में कुमाऊं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी चर्चा शुरू हुई है। इससे पहले कुमाऊं क्षेत्र से कांग्रेस के महेंद्र सिंह माहरा और प्रदीप टम्टा राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं। ऐसे में भाजपा की ओर से नैनीताल के नेता को प्रत्याशी बनाया जाना क्षेत्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। राज्यसभा चुनाव के लिए छह अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे।

को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाइज यूनियन के अतुल अध्यक्ष और सौरभ महामंत्री

नई टिहरी। को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाइज यूनियन टिहरी शाखा के चुनाव में अतुल रावत अध्यक्ष और सौरभ बधानी महामंत्री चुने गए। वहीं 3 पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन हित में कार्य कर कर्मचारियों की समस्याएं हल करने का संकल्प लिया। रविवार को यहां बौराड़ी में चुनाव अधिकारी व प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी प्रीतम सिंह बरत्वाल, सहायक चुनाव अधिकारी विजेंद्र रावत, गोविंद रावत, अनिल नेगी और पर्यवेक्षक व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नेगी की देखरेख में को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाइज यूनियन के चुनाव संपन्न हुए। अध्यक्ष पद पर अतुल रावत (94) ने कुलदीप सकलानी (49) को 45 मतों, महामंत्री पद पर सौरभ बधानी (92) ने नवीन राणा (51) को 41 मतों, उपाध्यक्ष पर उत्तम सिंह असवाल (72) ने हरि सिंह बिष्ट (71) को कांटे के मुकाबले में एक मत जबकि संगठन मंत्री पद पर प्रदीप उनियाल (82) ने अनिरुद्ध चौहान (60) को 22 मतों से हराया। इसके अतिरिक्त संजय सिंह कोषाध्यक्ष, कुलवीर सिंह उप मंत्री और बालकृष्ण जुयाल ऑडिटर निर्विरोध चुने गए।

खटीमा में धामी और रिजिजू ने किया 'उत्तराखंड आदि महोत्सव' का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खटीमा (ऊधमसिंह नगर)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को खटीमा में आयोजित 'उत्तराखंड आदि महोत्सव' का शुभारंभ किया। 15 से अधिक राज्यों के जनजातीय कलाकार, कारीगर और उत्पादक इस महोत्सव में हिस्सा ले रहे हैं, जहां विभिन्न राज्यों की जनजातीय संस्कृति, लोककला, हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों को मंच दिया गया है। इस अवसर पर स्थानीय लोगों और आयोजन से जुड़े प्रतिनिधियों ने दोनों नेताओं का फूल-मालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। आयोजन में विभिन्न राज्यों की जनजातीय संस्कृति, लोककला, पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया गया है।



कलाकार पारंपरिक कला एवं संस्कृति की प्रस्तुतियां दे रहे हैं, जबकि कारीगर और उत्पादक अपने हस्तनिर्मित और पारंपरिक उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। महोत्सव में प्रदर्शित उत्पादों के जरिए लोगों को देश के विभिन्न क्षेत्रों की जनजातीय परंपराओं, कला और हस्तशिल्प को करीब से जानने का अवसर मिल रहा है। आयोजन का एक उद्देश्य पारंपरिक उत्पादों को व्यापक बाजार से जोड़ने की संभावनाओं को मजबूत करना भी है, जिससे कारीगरों और उत्पादकों को अपने उत्पादों के लिए नए बाजार उपलब्ध हो सकें। उत्तराखंड आदि महोत्सव के माध्यम से प्रदेश की जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत को भी व्यापक मंच मिल रहा है। आयोजन में विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ जनजातीय कला, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री धामी और केंद्रीय मंत्री रिजिजू खटीमा चौराहे से मंडी समिति मैदान तक निकाले गए रोड शो में शामिल हुए। रोड शो के दौरान मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा से दोनों नेताओं का स्वागत किया। पारंपरिक वेशभूषा और लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए जनजातीय संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित इस उत्सव में जनजातीय समुदायों की संस्कृति, लोक परंपराओं, कला, हस्तशिल्प और विरासत को प्रदर्शित किया जा रहा है। आयोजन के जरिए उत्तराखंड की जनजातीय विरासत को भी व्यापक मंच उपलब्ध कराया जा रहा है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063